



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 37] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 11, 1982 (भाद्रिपद 20, 1904)
No. 37] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 11, 1982 (BHADRA 20, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 जुलाई 1982

मं. ए०—12025 (ii) / 4/80—प्रशा० III—मिविल सेवा परीक्षा 1980 के परिणाम के आधार पर उनके नामांकित किये जाने पर, देखिए कार्मिक तथा प्रशासनिक मुद्धार विभाग का का० ज्ञा० सं० 9-3-82 सी० ए० 1 निम्नलिखित व्यक्तियों को राष्ट्रपति प्रत्येक के आगे निविष्ट तारीख में संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा भवन में परिवीक्षाधीन स्वयं से अनुभाग अधिकारी के घोड़ में सहर्ष नियुक्त करते हैं और उन्हीं तारीखों से उन्हें सचिवालय प्रबंध तथा प्रशिक्षण संस्थान, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली में प्रशिक्षण के लिए भेजते हैं:—

क्र०म० नाम

1. श्रीमती कल्पना नागरण
2. श्री द्वन्द्वजीत सिंह
3. श्री आर० पी० सरोज

नियुक्ति की तारीख

1-7-82 (पूर्वाह्न)
1-7-82 (पूर्वाह्न)
2-7-82 (पूर्वाह्न)

दिनांक 7 अगस्त 1982

सं. ए० 11016/1/81—प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग के निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निश्चिन्त अवधि के लिए श्रवण आगामी श्राद्धेशों, तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय, में डेस्क अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

क्र०म० नाम०

अवधि

सर्वश्री

1. जयनारायण	3-8-82 से तीन मास के लिए
2. जीत राम	3-8-82 से तीन मास के लिए
3. एन० के० डींगरा	5-8-82 से 12-9-82 तक

उपर्युक्त अधिकारी कार्मिक और प्रशासनिक मुद्धार विभाग के का० ज्ञा० सं० 12/1/74 सी० ए० (1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शतौं के अनुभाग रु० 75/-प्र० मा० की दर से विषेष वेतन प्राप्त करें।

य० रा० गांधी

अवर सचिव (प्रशा०)

संघ लोक सेवा आयोग

(12597)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 अगस्त 1982

सं. ए० 32015/1/80-प्रश्ना० II—दूध कार्यालय की भवसंस्थक अधिकारी दिनांक 22-7-82 में आंशिक संशोधन करते हुए श्री आर० ई० क्षत्रिय, अनुसंधान अन्वेषक को जो कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अ०पा०) के पद पर स्थानापन्थ रूप में कार्य कर रहे थे, 2-8-82 (पूर्वाह्न) से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अनुसंधान अन्वेषक के पद पर प्रत्यावर्तित किया जाना है।

कुलदीप कुमार,
अनुभाग अधिकारी
कृति सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मन्त्रालय

का०पा०पा० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक अगस्त 1982

सं. ए० 19025/1/82-प्रश्ना०-5—राष्ट्रपति अपने प्रस्ताव में श्री जुवैर हुमैन को दिनांक 26-7-82 (पूर्वाह्न) में अगले आदेश तक के लिए अस्थायी रूप में वरिष्ठ लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 अगस्त 1982

सं. ए०-20023/7/82-प्रश्ना०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एन्डब्लारा, श्री तेजपाल भिंह को दिनांक 22-7-82 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक के लिये अस्थायी रूप में लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला

दिनांक 19 अगस्त 1982

सं. 1-23/81 सी०ए०पा०ए०पा०ल०—राष्ट्रपति अपने प्रस्ताव में श्री बी० के० गोपल वैज्ञानिक अधिकारी (जीव विज्ञान) न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला मोहाली, को 7 अगस्त, 1982 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला/केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, नई दिल्ली में वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (जीव विज्ञान) के पद पर अगले आदेश होने तक अस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

आर० ए० नागपाल
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो,

केन्द्रीय ग्राम्योगिक युवक्षा बल

महानिदेशक का कार्यालय

नई दिल्ली-110003, दिनांक 31 जूलाई, 1982

सं. ई० 16013(2)1/78-कार्मिक—निवन्त्रन की आयु होने से भेवा निवृत्त होने पर, श्री बनार भिंह भा० पु० से० (इंद्रियाणा-67) ने 30 जून, 1982 के आगाह के० श्रौ० मु०ब० यूनिट एनाक०एल० नगर के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ई० 16013 (2)/2/82-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण होने पर श्री कालीचरण भा० पु० से० (एच०पी० एस०पी०ए०स०) ने 21 जून, 1982 के पूर्वाह्न में के० श्रौ० मु०ब० यूनिट आई० ओ० सी० गुजरात रिफाइनरी बड़ौदा के कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं. ई० 16015/7/82-कार्मिक—मझगांव डाक नि० को स्थानान्तरण होने पर, श्री ए० एन० भन्ना ने 26 जून, 1982 के अपराह्न में के० श्रौ० मु०ब० मुख्यालय, नई दिल्ली के महायक महानिरीक्षक (प्रश्ना०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ई० 32015 (2)/2/81-कार्मिक—पुनर्नियुक्ति की अवधि समाप्त होने पर, श्री इनजीत भिंह ने 24 जून, 1982 के पूर्वाह्न में के० श्रौ०मु०ब० यूनिट बी०ए०च०ट००५० एल० हरिद्वार ने कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ई०-38013 (4)/5/82-कार्मिक—निवन्त्रन की आयु होने पर, श्री जे० गोमज ने 31 मार्च, 1982 के अपराह्न में के० श्रौ०मु०ब० पुरुष मुख्यालय बस्तरी, के महायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

मुरेन्द्र नाथ
महानिदेशक

महानिदेशालय, के० रि० पु० बल

नई दिल्ली-110066, दिनांक 17 अगस्त, 1982

सं. ग्रो०द्व०० 529/69-स्था—राष्ट्रपति ने श्री एच० बी० एस० घिलन सहायक कमांडेंट को के० रि० पु० बल की सेवाओं से 13-8-82 (अपराह्न) को अवक्त घोषित कर दिया है।

सं. ए०फ०११/४९/८२-स्थापना—राष्ट्रपति केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्ननियुक्ति चिकित्सा अधिकारियों को जनरल ड्यूटी आफिसर एड-1 (महायक कमांडेंट) के पद पर स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं:—

1. डा० ए०स० के० मिश्रा

2. डा० (श्रीमती) बी० एफ० ई० मूजा

ए० के० सूरी
सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 अगस्त 1982

सं० 11/5/82—प्रश्ना० 1—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को, जो उनके नामों के सामने दर्शित कार्यालयों में कार्यरत हैं, उन्हीं कार्यालयों में उनके समक्ष दर्शित नारीखों से एक वर्ष में अनधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	अधिकारियों का नाम और पदनाम	कार्यालय का नाम	नियुक्ति की तारीख	मुख्यालय
1.	श्री आर० सी० भार्गव, सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी)	जनगणना निदेशालय, राजस्थान	8-6-1982 (पूर्वाह्नि)	जयपुर
2.	श्री टी० डी० अग्रवाल, सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) तदर्थ	जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तरप्रदेश	8-6-1982 (पूर्वाह्नि)	लखनऊ
3.	श्री जे०पी० बर्नवाल, अन्वेषक	जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश	8-6-1982 (पूर्वाह्नि)	लखनऊ
4.	श्री एस० एम० कश्यप, सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी)	भारत के महापंजीकार का कार्यालय	9-6-1982 (पूर्वाह्नि)	नई दिल्ली
5.	श्री एस० एम० नेहल हुसैन अन्वेषक	जनगणना कार्य निदेशालय बिहार	16-7-1982 (पूर्वाह्नि)	पटना
6.	श्री आर०सी० कृष्णरत्ना सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी)	भारत के महापंजीकार का कार्यालय	21-7-1982 (पूर्वाह्नि)	नई दिल्ली

पी० पद्मनाभ
भारत के महापंजीकार

अम मंत्रालय

(अम व्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 4 सितम्बर 1982

मं 23/3/82-सी.पी.आई.—ज्नाई 1982 में आंशिक अधिकारी का अधिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) जून 1982 के स्तर से आठ अंक बढ़कर 478 (चार सौ अष्टहत्तर) होता है। ज्नाई 1982 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 581 (पाँच सौ छठव्यासी) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज
निदेशक

वित्त आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1982

मं 8 वि० ग्रा० 2 (ii) ए०/82—गाज़ब विभाग, नई दिल्ली में स्थानान्तरण होने पर, श्री एस० एम० माधुर, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड 1 अधिकारी और अवर गविवाको आठवें वित्त आयोग में 31 जुलाई, 1982 के प्रपराह्न से अगला आदेश होने तक 1200-1600 रुपये के वेतनमान में अवर सचिव नियुक्त किया गया है।

एन० वी० कण्ठन
गविव

नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1982

सं० 8 वि० ग्रा० 2 (10)-ए०/82—योजना आयोग, नई दिल्ली से स्थानान्तरण होने पर श्री वी०पी० भाटिया, अनुसंधान अधिकारी को आठवें वित्त आयोग में 31 जुलाई, 1982 के प्रपराह्न से अगला आदेश होने तक 700-1300 रु० के वेतनमान में अनुसंधान अधिकारी नियुक्त किया गया है।

दिनांक 16 अगस्त 1982

सं० 8 वि० ग्रा० 2 (13) ए०/82—सरकारी उद्यम व्यूरो, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली में स्थानान्तरण होने पर केन्द्रीय सचिवालय ग्राम्युलिपिक सेवा के ग्रेड "ब्लू" ग्राम्युलिपिक श्री एम०एल० भाटिया को आठवें वित्त आयोग में 11 अगस्त, 82 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक 775-1200 रु० के वेतनमान में निजि सचिव नियुक्त किया गया है।

दिनांक 18 अगस्त 1982

सं० 8 वि० ग्रा० 2/14/ए०/82—योजना आयोग, नई दिल्ली में स्थानान्तरण होने पर श्री आर० के० जुनेजा, अनुसंधान अधिकारी को आठवें वित्त आयोग में 13 अगस्त,

1982 के अपराह्न से अगला आदेश होने तक 1100-1600 सूर्यों के वेतनमान में उप निदेशक नियुक्त किया गया है।

एम० ए८० मा८०
अवर मंत्रिव

वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग
भारत प्रतिभूति भुद्धालय

नासिक रोड, दिनांक 13 अगस्त 1982

मं० 886/ए०—अधिसूचना संख्या ३९६/ए, दिनांक 12-6-1982 के अनुक्रम में श्री एस० ए० खान की भारत प्रतिभूति भुद्धालय में उप नियंत्रण अधिकारी के रूप में तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 7-6-1982 में नियमित आधार पर कर दिया गया है।

एम० ए८० शिवराम,
महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग
भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 21 अगस्त, 1982

सं० वा०ले०प० १/६/८२—अपर उप नियंत्रक महालेखापरीक्षक (वा०) श्री आर० आर० चक्रवर्ती अनुभाग अधिकारी (वा०) जो निदेशक, लेखापरीक्षा, भारतीय लेखा वाड्डिंगटन के कार्यालय में अपनी अधिकारी पूरी कर लेने के पश्चात और भारत वापिस आने पर लेखा परीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत का आदेश देने हैं और 31-3-1982 में कार्यालय निदेशक, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा स्टाफ कालेज शिमला में तैनात करते हैं।

एम० ए० सोमेश्वर राव
संयुक्त निदेशक (वा०)

कार्यालय महालेखाकार, हरियाणा
(कार्यालय आदेश)

चण्डीगढ़, दिनांक अगस्त 1982

मं० प० प० मप०-प्रशा०-१/४—श्री पी० एन० मित्तल अनुभाग अधिकारी को प्रवर श्वेतीय मैनेजर, भारतीय खाद्य निगम, खेत्र कार्यालय हरियाणा चण्डीगढ़ के द्वारा 88 दिन का अर्जित अवकाश दिनांक 3-7-1978 से 28-9-1978 तक प्रदान किया गया था। ऊपर लिखित अवकाश के उपरान्त कर्मचारी अपनी उपूटी पर हाजिर होने की बजाये लगातार समय समय पर अमरीका से अपनी धर्मपत्नी के बीमार होने की वज्र में छुट्टिया बढ़ाना रहा। श्री मित्तल का 120 दिन का गणित प्राप्ति वडोनी प्रार्थना पत्र जो कि

30-1-80 से अवकाश शुरू होना था, इस कार्यालय में 13-2-80 को प्राप्त हुआ तथा उसके पश्चात काई प्रार्थना पत्र प्राप्त नहीं हुआ। इस प्रकार वह बिना किसी सूचना के गैर हाजिर होता आ रहा है। उसे ऐच्छिक गैरहाजिरी के परिणामों के बारे में इस कार्यालय के जापन नं० प्रशासन 1/25-1/अ०/80-81/5121 दिनांक 14-2-80 व क्रमांक नं० 883 दिनांक 31-5-80 द्वारा सूचित कर दिया गया था। लेकिन वह अब तक कार्य में अनुपस्थित रहा इस तरह में, उस पर ऐच्छिक अनुपस्थिति के आरोप लगाये गये।

2 जबकि श्री पी० एन० मित्तल के विरुद्ध इस कार्यालय के जापन संख्या प्र० 1/71 अनुशासन/80-81/3900 दिनांक 3-11-80 के द्वारा अनुशासनिक कार्यवाही की गई थी, वह केन्द्रीय सिविल सर्विस (मी०मी०प०) नियम 1965 की धारा 14 के अन्तर्गत अपने पक्ष में इस कार्यवाही के विरुद्ध कोई प्रतिनिधित्व करना चाहे तो कर सकता है।

श्री मित्तल को आगोप पत्र (चार्जशीट) उसके स्थाई पते यानि जालांधर व अवकाश पता जो कि संयुक्त राज्य का है, पर भेजे गये थे। लेकिन पंजोड़त पत्र (रजिस्टर्ड पत्र) जोकि उसके स्थायी पते पर भेजा गया था वह बिना प्राप्त के बापिस आ गया। जो चार्जशीट उसे संयुक्त राज्य अमरीका भेजी गई थी वह बापिस प्राप्त नहीं हुई और न ही किसी प्रकार का जवाब प्राप्त हुआ। श्री मित्तल कुछ समय के लिये तो अमरीका में रहा लेकिन उसका बत्तमान पता लगाना सम्भव नहीं है। उसने अपनी छुट्टी की अर्जी में किसी प्रकार का पता नहीं लिखा और जो डाकटर उसकी धर्मपत्नी का इजाज कर रहा था, ने 12-6-80 को सूचित किया है कि उसने श्री मित्तल को धर्मपत्नी जो उस क्षेत्र से गुजर रही थी, को आखिरी बार 22-6-79 को देखा था।

3. केन्द्रीय सिविल सर्विस नियम 1965 की धारा 19 (11) के अन्तर्गत मारे केम की छानबीन करने तथा पिछले हालातों को मध्यनजर रखते हुए भै इस नीतीजे पर पहुंचा हूं कि नियमों के अनुमार मामले की जाव पड़ताल करना संभव नहीं है। 1 मारे तथां, हालातों व परिणामों को देखते हुए श्री मित्तल के विरुद्ध बिना इजाजत के जानबूझकर अनुपस्थित होने का मामला साबित होता है।

4. इस प्रकार मैं केन्द्रीय मित्तल सर्विसेज (सो० मी०प०) नियम 1965 की धारा 12 (2) बी० के० अन्तर्गत श्री मित्तल अनुभाग अधिकारी पर ऊपरलिखित नियम की धारा 11 के आधीन अधिकलम मजा के तौर पर उसे तुरन्त नौकरी में निकालने की मजा देना हूं जो कि भविष्य में सरकार के आधीन पद ग्रहण करने के लिए भी अयोग्यता होगी।

5 अगर श्री मित्तल इन आदेशों के विरुद्ध अपील करता नाहे तो वह इन आदेशों की प्राप्ति के ५५ दिन के भीतर भारत के नियंत्रक व महालेखाकार को केन्द्रीय सिविल

सेवाएँ नियम 1965 की धारा 25 के अन्तर्गत अपील दायर कर सकते हैं।

6. डन आदेशों की एक प्रति उमर्की गोपनीय रिपोर्ट फाईल में रखी जा रही है।

डी० एम० मल्होत्रा
महालेखाकार, हरियाणा

कार्यालय, महालेखाकार (प्रथम), उत्तर प्रदेश
इलाहाबाद, दिनांक 9 जून 1982

स० 1/4-144/अधिसूचना/67—महालेखाकार (प्रथम)
उ० प्र० ने निम्नलिखित कार्यवाह लेखा अधिकारियों को
रु० 840-40-1000-८०८०-४०-१२०० के वेतनमान में
1 मई, 1982 से लेखा अधिकारी के पद पर स्थायी रूप
में नियुक्त किया है।

1. श्री चन्द्र कुमार अस्थाना
2. श्री हरण लाल मिश्रा
3. श्री हीरा लाल श्रीबास्तव
4. श्री निवास अग्रवाल
5. श्री शिवेन्द्र कुमार गुप्ता
6. श्री काली प्रसाद
7. श्री भगवान सहाय
8. श्री बलवन्त सिंह
9. श्री राम नैनी प्रसाद निवारी
10. श्री महेन्द्र नाथ गौड़

एस० जे० एस० आहलूवालिया
वरिष्ठ उप महालेखाकार

कार्यालय निदेशक लेखापरीक्षा

रक्षा सेवाएँ

नई दिल्ली-110001, दिनांक 18 अगस्त, 1982

स० 2477/ए०-प्रशासन/130/82—वार्धक्य निवृति आयु
प्राप्त करने पर श्री एस० एन० आनन्द, स्थायी लेखापरीक्षा अधि-
कारी, दिनांक 31-7-82 (अपराह्न) को लेखापरीक्षा
सेवाएँ विभाग से सेवा निवृत्त हुए।

राधेश्याम गुप्ता,
संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा
रक्षा सेवाएँ

रक्षा मन्त्रालय

भारतीय आईनैन्स फैक्टरियां सेवा

आईनैन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 16 अगस्त 1982

स० 40/जी०/82—वार्धक्य निवृति आयु प्राप्त कर,
श्री ए० एन० मित्र, स्थानापन्न संशयक प्रबन्धक (मौलिक

एवं स्थायी स्टोरहोल्डर) दिनांक 30 सितम्बर, 1981/
अपराह्न, से सेवा निवृत्त हुए।

वी० क० महता,
निदेशक

वाणिज्य मन्त्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 11 अगस्त, 1982
आयात एवं नियर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

स० 1/2/81-प्रगा० (जी०)—राष्ट्रपति, श्री दलीप चन्द्र (केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग-1 की प्रबरण सूची 1980) को
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में
केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग-1 में 1-1-1982 से अगले आदेश
होने तक और उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात (केन्द्रीय सचिवालय
सेवा) के रूप में 1-4-1982 से 17-5-1982 (पूर्वाह्न) तक की अवधि के लिए स्थानापन्न रूप में कार्य करने रहने
के लिए नियुक्त करते हैं।

अनोखे सिंह कौल,
उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात,
हृते मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

नागरिक पूर्ति मन्त्रालय

वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1982

स० १० 11013/1/79-स्था०—इस निदेशालय की
23 फरवरी, 1982 की इसी संख्या की अधिसूचना के क्रम में
नागरिक पूर्ति मन्त्रालय में स्थानापन वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक
श्री पी० एस० रावत की वनस्पति, वनस्पति तेल तथा
वसा निदेशालय में 650-30-740-35-810 द०८००
35-880-40-1000 द०८०० 40-1200 रुपये के वेतन-
मान में हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर की
गई नियुक्ति को पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर
1 जुलाई, 1982 (पूर्वाह्न) से 31 दिसम्बर, 1982
(अपराह्न) तक अथवा नियमित पदधारी की नियुक्ति तक,
जो भी पहले हो, जारी रखा गया है।

पी० एस० चीमा
मुख्य निदेशक

उद्योग मन्त्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 अगस्त 1982

स० १० 19018 (223)/75-प्रगा० (राज०) (खण्ड-
2)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग शाखा संस्थान, सिलचर के

सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (रसायन) श्री एम० के० मित्रा को दिनांक 29 जून, 1982 (पूर्वाह्न) में, अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा मंस्थान, मोनन में उप निदेशक (रसायन) के रूप में नवर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 अगस्त 1982

सं० 12 (524)/66-प्रशा० (राज०) खण्ड-दो—गट्टपति, लघु उद्योग सेवा मंस्थान, पटना के सहायक निदेशक ग्रेड-1 (चमड़ा/पादुका), श्री एम० एल० भट्टाचार्यजी को उसी संस्थान में 11 मार्च, 1982 के पूर्वाह्न में, अगले आदेशों तक, उपनिदेशक (चमड़ा/पादुका) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सी० सी० राय,
उपनिदेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली 110001, दिनांक 21 अगस्त, 1982

सं० ए० 17011/194/81-प्र०-6—निरीक्षण निदेशक, बम्बई, के कार्यालय, में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) श्री सैयद महसूद पाशा दिनांक 31-5-1982 के अपराह्न से भांडार परीक्षण (इन्जी०) के पद पर अवनत कर दिये गये हैं।

न० म० पेरुमाल,
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 20 अगस्त 1982

सं० ए० 19011 (50)/70-स्था० ए०—मैग्नीज और (इंडिया) लिमिटेड में मुख्य भूविज्ञानी के पद पर प्रतिनियुक्त होने पर श्री एम० एल० सिंधल, धोनीय खनन भूविज्ञानी भारतीय खान व्यूरो ने दिनांक 30-6-82 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए०-19012 (154)/82 स्था० ए०—मंघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री वाय० एम० मोनटको वरिष्ठ तकनीकी सहायक (खनन), को भारतीय खान व्यूरो में सहायक खनन अभियान के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 30 जूलाई, 1982 के पूर्वाह्न में नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19012 (155)/82-स्था० ए०—मंघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री एम० व्यंकटेश्वरा गव, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अधिक प्रसाधन) को दिनांक 30 जूलाई, 1982 के अपराह्न से भारतीय खान व्यूरो में

स्थानापन्न रूप में सहायक अनुप्रवान अधिकारी (अधिक प्रसाधन) के पद पर नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19012 (156)/82-स्था० ए०—मंघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री एम० सूयप्रकाश राव, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अधिक प्रसाधन) को दिनांक 30 जूलाई 1982 के अपराह्न में भारतीय खान व्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक अनुप्रवान अधिकारी (अधिक प्रसाधन) के पद पर नियुक्त किया गया है।

व० च० मिश्र,
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान व्यूरो

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 जूलाई 1982

सं० ए० 31014/1/82-ए० ५—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री एस० एल० भारद्वाज आकाशवाणी के एक स्थाई प्रशासन अधिकारी (कनिष्ठ ग्रेड) जो आजकल आकाशवाणी, नई दिल्ली में उप निदेशक (ए०टी०), एस०टी०आई० (पी) के पद पर कार्य कर रहे हैं, को आकाशवाणी महानिदेशालय में 1-3-80 में लेखा निरीक्षक के पद पर स्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

ए० वी० मेषाद्री,
प्रशासन उप निदेशक
कूते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 17 अगस्त 1982

सं० ६ (141)/63-एस०एक—सेवानिवृत्त की आयु प्राप्त होने पर श्री आर० गुरुमुद्रामणियन, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी मद्रास 30 जून, 1982 के अपराह्न से, सरकारी सेवा से निवृत्त (रिटायर) हो गए हैं।

सं० ४ (59)/81 ए०-ए०—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री विजय कुमार बनर्जी को रूपये 650-30-740 35-810-द०रो० 35-880-40-1000-द०रो०-40 1200 के वेतनमान में, 27 अप्रैल, 1982 से अगले आदेश तक, आकाशवाणी, कलकत्ता में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 अगस्त, 1982

सं० ४ (56)/81-ए०—महानिदेशक आकाशवाणी एतद्वारा श्री एम० सारीनाथन, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, मद्रास को 26 अप्रैल, 1982 से अगले आदेश तक रूपये 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान में नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल
प्रशासन उपनिदेशक
कूते महानिदेशक

मूचना और प्रसारण मंत्रालय

(प्रकाशन विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1982

मा. पा. 12025/1/80-प्रशा०-1—मंव लोक मेवा आयोग द्वारा नामित श्री इमगर अहमद को प्रकाशन विभाग में दिनांक 9-2-1981 (पूर्वाल्प) से 650-30-740-35 810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के बेतनमान में 650/- रुपये प्रतिमाह के आरंभिक बेतन पर दिनांक 4-6-1982 तक की अवधि के लिये तदर्थ आधार पर आर्टिस्ट के पद पर नियुक्त किया गया है।

पी० बी० बडाठाकुर
निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1982

मा. पा. 22013/1/81-मी०जी० गच० एस०-2—बंगलौर में दिल्ली स्थानान्तरण हो जाने के फलस्वरूप, डा० (कुमारी) चन्दा जोशी होम्योपैथिक चिकित्सक ने 15 जुलाई, 1982 के अपग्राह्म में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बंगलौर में होम्योपैथिक चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है तथा 19 जुलाई, 1982 के पूर्वाल्प को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के अन्तर्गत होम्योपैथिक चिकित्सक के पद का कार्यभार मंभाल लिया है।

दिनांक 20 अगस्त 1982

मा. ए० 19018/24/81—मी० जी० एच० एस०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने डा० (श्रीमती) नफीसुचिया को

2 अगस्त, 1982 के पूर्वाल्प स तथा जब तक इस निदेशालय द्वारा आगे और कोई आदेश जारी नहीं किया जाता केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, हैदराबाद में यूनानी चिकित्सक के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त कर दिया है।

टी० एस० राव
उप निदेशक, प्रशासन (मी०जी० एच० एस०)

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 16 अगस्त 1982

मा. पी०ए०/73 (1)/82-प्रार०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र डा० रविन्द्र अनंत कामथ को वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर निवासी चिकित्सा अधिकारी पद पर भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के प्रभाग चिकित्सा में दिनांक 31-7-1982 पूर्वाल्प में अग्रिम आदेशों तक अस्थायी स्वयं में नियुक्त करते हैं।

बी० सी० पाल,
उपस्थापना अधिकारी

महानिदेशक, नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 अगस्त 1982

मा. पा. 19011/135/81-ई०-1—महानिदेशक, नागर विमानन के कार्यालय के श्री ए० जी० नरसिंहां, सहायक निदेशक संचार निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप दिनांक 31 जुलाई, 1982 (अप्ररात्र) में सरकारी भेवा से निवृत हो गए हैं।

मुधाकर गुप्ता
उप निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त 1982

मा. पा. 32014/2/82-ई०मी०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित सचार महायकों को प्रत्येक के नाम के मामले दी गई तारीख में और दिये गये स्टेशन पर रु० 650-1200 के बेतनमान में महायक सचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।—

क्र०	नाम	बेतनमान तैनाती	नया तैनाती	कार्यभार ग्रहण
मा०		स्टेशन	स्टेशन	करने की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	सर्वश्री			
1.	बी०जी० सुन्दररमन	मद्रास	मद्रास	30-4-82 (पूर्वाल्प)
2.	बी० के० एच० शर्मा	मद्रास	मद्रास	30-4-82 (पूर्वाल्प)

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
सर्वेश्वी				
3. पी०सी० अश्राम	बंगलौर	बंगलौर	30-4-82 (पूर्वाह्नि)	
4. ए० कुमार	वाराणसी	वाराणसी	30-4-82 (पूर्वाह्नि)	
5. एस०सी०पाल	मद्रास	मद्रास	30-4-82 (पूर्वाह्नि)	
6. आर० अरुल प्रगाम	मद्रास	मद्रास	30-4-82 (पूर्वाह्नि)	
7. टी०जी०नायर	मद्रास	मद्रास	30-4-82 (पूर्वाह्नि)	
8. पी०ग्र० पिल्लै	मद्रास	मद्रास	30-4-82 (पूर्वाह्नि)	
9. एच० एन० रंधारिया	श्रीमदावाद	श्रीमदावाद	30-4-82 (पूर्वाह्नि)	
10. आर० के० बिपेरी	दिल्ली	दिल्ली	29-4-82 (पूर्वाह्नि)	
11. बलबीर सिंह	दिल्ली	दिल्ली	29-4-82 (पूर्वाह्नि)	
12. एम० एस० सिंघल	दिल्ली	दिल्ली	29-4-82 (पूर्वाह्नि)	
13. एम० एस० छील	दिल्ली	दिल्ली	29-4-82 (पूर्वाह्नि)	
14. एच० एस० तुली	दिल्ली	दिल्ली	30-4-82 (पूर्वाह्नि)	
15. एम० जी० मंदल	दिल्ली	दिल्ली	29-4-82 (पूर्वाह्नि)	
16. जी० सुब्रह्मण्यम	दिल्ली	दिल्ली	30-4-82 (पूर्वाह्नि)	
17. चिमन सिंह	दिल्ली	दिल्ली	30-4-82 (पूर्वाह्नि)	
18. टी० पाल	दिल्ली	दिल्ली	30-4-82 (पूर्वाह्नि)	
19. जे०पी० गुप्ता	दिल्ली	दिल्ली	29-4-82 (पूर्वाह्नि)	
20. सी०एल० मेन चौधरी	दिल्ली	दिल्ली	29-4-82 (पूर्वाह्नि)	
21. पी० आर० चौधरी	गंगी	जमशेदपुर	26-4-82 (पूर्वाह्नि)	

प्रेम चन्द,
सहायक निदेशक, प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 18 अगस्त 1982

सं० 16/389/82-स्थापना-1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री रघुवीर सिंह शाह, अनुसंधान सहायक को दिनांक 18-5-1982 पूर्वाह्नि से, आगामी आदेशों तक, अस्थाई तौर पर सहायक मापिकी अधिकारी के पद पर ₹ 650 से 1200 के बेतनमात्र में सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री शाह आगामी आदेशों तक परिवीक्षा-धीन रहेंगे।

दिनांक 19 अगस्त 1982

सं० 16/375/82-स्थापना-1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री निर्मल राम, अनु-संधान सहायक-1 (मलेक्षण ग्रेड) गौण वनोपज शाखा की दिनांक 24 जुलाई, 1982 की पूर्वाह्नि से अगले आदेशों तक

पर्यावरण अनुसंधान स्टेशन, मिलोगुड़ी में सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

राजत कुमार,
कुल सचिव
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय जल आयोग

दृष्टि दिल्ली, दिनांक 16 अगस्त 1982

सं० ए० 32012/1/81-स्था० पांच (खण्ड-दो) —विभागीय पदोन्नति मर्मिति (समूह ख), की मिकारियों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के पद पर तदर्थी आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्यरत निम्नलिखित अधिकारियों को ₹ 650-30-740-35-810-द० रु०-35-880-40-

1000-ए० रो०-४०-१२०० के बेतनमान में उनके नामों के सामने दिखाई गई तारीख के (पूर्वांक) से उसी पद पर नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं :—

क्र०	नाम	अक्षिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के रूप में नियमित हो जाने की तारीख
------	-----	---

सर्वेश्वरी

1. जतीन्द्र लाल	11-6-81
2. ए० के० कुक्कीलिया	11-6-82
3. योगेन्द्र प्रमाद सिंह	14-6-82
4. जे० पी० एन्थनी	14-6-82
5. प्रदीप चन्द्र शर्मा	1-7-82

2. उपर्युक्त अधिकारी, केन्द्रीय जल आयोग में अक्षिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीखों से दो वर्ष की अवधि तक परिवीक्षा पर रहेंगे।

ए० भट्टाचार्य
प्रब्रह्म सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

पूर्ति एवं पुनर्वास मंत्रालय

(पूर्ति विभाग)

राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर

कलकत्ता-२७, दिनांक १८ अगस्त १९८२

सं० जी-६५/एम० ओ०—महानिदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुरकलकत्ता श्री सत्यप्रिय राय, विज्ञान सहायक (यान्त्रिकी) राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता को विज्ञान अधिकारी (यान्त्रिकी) के पद पर राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता के इसी कायानिय में किस। अन्य आदेश के न निकलने तक २६-६-८२ (पूर्वांक) से, विधिवत नियुक्त रहते हैं।

ए० बैनर्जी
उप निदेशक, प्रशासन
कूटे महानिदेशक
राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर

विधि, न्यूयर्क तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्ग विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड
कम्पनियों के रजिस्ट्राय का कार्यालय
कम्पनी अधिनियम, १९५६ और मै० अनूप कन्सट्रक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्रालियर, दिनांक ३१ जुलाई १९८२

सं० १४२२ ए०/५६० (५) --कम्पनी अधिनियम, १९५६ की धारा ५६० की उप धारा (५) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मै० अनूप कन्सट्रक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गई है।

सुरेन्द्र कुमार सरसेना
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश, ग्रालियर

कम्पनी अधिनियम, १९५६ एवं मेसर्स इण्डो प्रैंस ट्रेजर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक १३ अगस्त १९८२

सं० ६२९/५९३६/५६० (५) --कम्पनी अधिनियम, १९५६ की धारा ५६० की उप धारा (५) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मै० एन्सर इण्डो फैच ट्रैडर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम १९५६ एवं एलिगेंट कॉफ्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक २१ अगस्त १९८२

सं० ६३०/२०७९०/५६० (३) --कम्पनी अधिनियम १९५६ की धारा ५६० का उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तोन मास के अवमान पर एलिगेंट कॉफ्ट्स

प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया हो तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ओमप्रकाश जैन,
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्टर,
महाराष्ट्र, बम्बई,

कायलिय आयकर आयुक्त
हैदराबाद, दिनांक 17 अगस्त 1982

आदेश

सं. 237—अद्यांकित आयकर अधिकारी की पुष्टि
आयकर अधिकारी वर्ग-2 के स्प में उनके नाम के

सामने स्तम्भ संख्या 3 में अंकित तिथि से हुई है :—

क्र० आयकर अधिकारी	पुष्टि की तिथि	रिक्त की से हुई
सं० का नाम, पदनाम		
और कार्यस्थान		

1	2	3	4
1.	श्री वी० मुरहिरी राव, 1-8-82	श्री प० श्रीराममूर्ति, आयकर अधिकारी ए वार्ड, निजामाबाद	आयकर अधिकारी वर्ग-1 (वर्ग-II में पुष्ट हुई) के सेवा तिवृत्त होने के कारण।

2. पुष्टीकरण की तिथि पाश्वे तिथि में प्रशोधन योग्य है, यदि ऐसा करना आवश्यक समझा जाए।

एम० एस० नारायणन,
आयकर आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश-I, हैदराबाद

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1982

निर्देश सं आर० नं० 1722/3एस्य०/23—II/82—83

अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 7, एस० नं० 5, है, तथा जो
लासकाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कामरज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ फिसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

मिलकियत जो लासकाना, ब्लाक नं० 7, एस० नं० 5,
दिसम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री रमेशभाई केशवभाई पटेल, और दूसरे
रघुकुल निवास,
वाराण्सी रोड, सूरत ।

(अन्वरक)

2. श्री नरेश भाई कल्याण भाई और दूसरे मोहन भाई
चाक, वाराण्सी, रोड,
सूरत ।

(अन्वरिती)

क्योंकि यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहूँ भी आकंपः:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

तारीख: 16-7-1982
मोहर :

प्रस्तुप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1982

निवेदण आर० नं० 1723/एम्यू/23—II/82—83

श्रतः मूसे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० नं० 2301, 1105, (पी), है तथा जो वार्षी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पार्क में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जारितियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

(1)

अतः यब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नानुभाई नीछा भाई देसाई
वार्षी, तहसील पारडी ।

(अन्तरक)

2. श्री जलाराम डबलपर्मेट कारपोरेशन
वार्षी, तहसील पारडी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

मिलकियत जो वार्षी एम० नं० 230/1, 1105 (पी), दिसम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है ।

श्रार० श्रार० शाह
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 16-7-1982

मोहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1982

निवेश सं० पी० आर० नं० 1724/एवं०/23-II/82-83—
अतः मुझे; आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रतिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन नक्षम प्रावितारी को, यउ विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संगति, जिमठा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिमकी सं० नं० 1072/ए/1 (पा) है, तथा जो वापी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूल्यी में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पार्की में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्बन्ध के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगति का उचित बाजार मूल्य, उभे दृश्यमान प्रतिफल में, एवं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्ननिम्निकार उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्व में कमी करने या उसमें बदले में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अप उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात्:—

1. श्री अमृतलाल लाल भाई देसाई,
वालन भाई लाल भाई देशाई का कुत मुख्यार।
वोपी, तह० पारडी।

(अन्तरक)

2. विजया बिल्डर्स ।
वापी तह० पारडी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बन्ध के अंतर्गत लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्बन्ध में प्रज्ञन के सम्बन्ध में राई सं० प्राप्तेर—

(क) इस मूल्याने के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर मूल्याने की तापी में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूल्याने के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

मिलकियत जो वापी, एस० नं० 1072/ए/1 (पी), जमीन दिसम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 16-7-1982
मोहर :

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1982

निवेदण सं० पी० आर० नं० 1725/एक्वी०/23-II/82-83—
अतः मुझे, आर० आर० शाह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी यों यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० नं० 443, 226, 445, 444 (पी) है, तथा
जो चाला, वार्षि., में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूचा में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
पार्डों में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पवधव प्रतिगत से आधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए
नय पाया गया प्रतिष्ठन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण में हुई किसी आय की वावत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती दारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के
अनुसरण में, ऐसे उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अवधियों, अर्थात् :—

1. श्री शाह नगौन चन्द्रा,
चुणी लाल ।
(2) श्री खेमचन्द मगनलाल
वार्पी, तह० पारडी ।
(अन्तरक)

2. श्री माणेकलाल भगवानदास, रेशमशाला
चाला, तह० पारडी,
कोट साफील रोड, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाकारी के पास लिखित
में किए जा मर्हेंगे ।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त प्रबद्धों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वही
प्रथम होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है ।

अनुसूची

मिलकियत जो चाला एस० नं० 443, 226, 445, 444
(पी), जर्मीन दिसम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, II, अहमदाबाद

दिनांक : 16-7-1982

मोहर :

प्रूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1726/एक्वी०/23-II/82-83-

अतः भूमि, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 632 (पी०) दिका नं० 50, है तथा जो सी० एस० नं० 2066, नव सारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरितो (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्त में कमी करने या उसमें बदले में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, तिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा '1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रमेश चन्द्रा हाँशलाल शाह
सुरत ।

(अन्तर्गत)

2. (1) श्री भेरुमल दौलतराम जानकारण ।
- (2) श्रा जमियतमल दौलतराम ।
- (3) श्री दौलतमल तीलु मल ।
- (4) श्री घनश्याम गोपालदाम ।
- (5) श्री वर्सीमल जामुमल ।

मद्रासा स्कूल के सामने,
नवमारी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिनित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलक्रियत जो आर० एस० नं० 632 (पी०), दिक नं० 50, सी० एस० नं० 2065, नवमारी दिसम्बर, 1981 में रजिस्ट्रा को गयो हैं।

आर० आर० शाह,
मन्त्रम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 16-7-1982
मोहर :

~~

प्रक्रम बाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

महायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1727/एक्वी/23-JI/82-83—

अतः मुझे, आर० आर० शाह

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याहै, की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० छिका नं० 57, एस० नं० 2946, है तथा जो सानदकुवा, नवसारी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम्बे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप में कार्यित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूँ 'किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में' कारने वा उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा

(ब) एसी 'किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तीय को', विनहूँ भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचिता के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. (1) श्री जमनाबेन दयाल जी पटेल।
- (2) श्री नरहरि भाई जी पटेल।
- (3) श्री अरविन्द भाईजी पटेल,
- (4) श्री मुकुन्द भाई डी पटेल
- (5) श्री बीनुभाई डी पटेल।
- (6) श्रीमती सविता बेन डी पटेल खुद और

श्रवलकन बेचा कमलेश बी पटेल का रक्षकर्ता। अव्यक्त बेचा महेश बी पटेल का और बीना बेन बी पटेल।

मझ उमन तहू नवसारी में रहते हैं।

न० १ और २ का मुख्यार भीरभाई डी पटेल। और न० ३, ५ और ६ का मुख्यार श्री मुकुन्द डी पटेल।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लीलावती हीरालाल मेहता।

(2) श्रीमती अनीला राशिकलाल मेहता

(3) श्रीमती शीलपा सुधीर मेहता

(4) श्रीमती कौशिक सुनील मेहता, और

(5) श्री मनोज रसिक लाल मेहता, सब ६५, पेदार रोड, छोटा मंजिला,

शांति बिल्डिंग, बास्टे-400027

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी जाकेप्तु—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी वस्त्र व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो छिका नं० 57, एस० नं० 2946, नवसारी दिसम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
मक्तम प्राधिकारी

महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख : 16-7-1982

मोहर :

श्रावक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वा
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रावक श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1728/एक्वी०/23-1/82-83-
अतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह
श्रावक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, निम्नांत वाजार मूल्य 25,000/-
ह० में अधिक है
और जिसकी सं० 12 (पी) है तथा जो भोलाव में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बोच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के अन्य अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र० प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ)
के बोच ऐसे अन्तरण के लिये तय गया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय को बाबत, सबत
अधिनियम के अधीन कह देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधीनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्तः—

3—236GI/82

1. श्री हीरानाल मुनजी भाई पटेल
हेममुख मुल जी भाई पटेल
श्री भूपेन्द्र बामकेश्वर भाई पटेल
रामन भाई मुल जी भाई पटेल
मादेश्वर, तह० बोच ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री काशी भाई भाईजी भाई पटेल
नीकोरा, तह० बोच ।
(2) महेश भाई गंगाराम पटेल,
नीकोरा, तह० बोच ।
(3) विपिन भाई हारमन भाई पटेल,
भोच, पटेल सोसायटी,
बोच ।
(4) रामीणीबेन प्रबोधचन्द्र शुक्ला,
लालभाईनी पत, बोच ।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करने पूर्वोक्त वधान के अर्द्ध के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति ने अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आलोपः—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवृत्ति दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;
(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोवृत्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकन जो एस नं० 12 (पी) भोलाव दिसम्बर 1981
में रजिस्ट्री की गयी है।

श्रार० श्रार० शाह
सक्षम प्राधिकारी
महायक श्रावक श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 16-7-1982

मोहर :

प्रकाश याई० द्व० एम० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
230-1 (1) के प्रधान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1982

निवेश सं० पी० आर० नं० 1729/एक्सी०/23-II/82-83-

अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सम्म साधिकारी को, यह विवाद उत्तरों का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 96/4 तथा 95 दुग्धी है, तथा जो ब्रोच में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ब्रोच में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
दिसम्बर, 1981

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विवाद स
मूल्य; उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रमुखरक (प्रमुखरकों) और
अन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे प्रमुखरण के लिए सब पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेप से उक्त अन्तरिकरण लिखित में
वास्तविक रूप में कहित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरिकरण से ही किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन करने के अन्तरक के विवित
में कही करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बौद्धिक

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अस्ति यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, उसमें
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री सुलेमान हाजी मोहम्मद आदम,
मोदी डुग्री, जिला ब्रोच।

(2) अनन्दसिंह कालीदास, जमेदार,
उनडीया बाजार,
पुलिस चौकी के पीछे,
ब्रोच।

(अन्तरक)

2. श्री आलीभाई हाजी उमारजी भेमोरियल द्रूस्ट।
द्रूस्टी याकूब भाई हाजी उमर्ज पटेल,
47, मोर लानड रोड, बोम्बे-8

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहाँ ही आवेदन?—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा उक्त सम्पत्ति व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितदात
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैतस्त्वाकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मिलकियत जो एस० नं० 96/4 और 95, दुग्धी, दिसम्बर,
1981 में रजिस्ट्री की गई है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख 16-7-1982

मांहर :

प्रस्तुप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1730/एफबी०/23-11/82-83-

अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट नं० ए/36-ए- 39 है, तथा जो भोलाव
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ओच मे
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर, 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दावित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;1. दी ओच उद्योग नगर सहकारी संस्नग
भोलाव, जिला ओच ।2. फैस्ट फेनिक्स प्राइवेट लिमिटेड, भोलाव ।
(अन्तरक)
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयित्यां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में क्रेद भी आवश्यक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो प्लाट नं० ए-36 और ए-39, भोलाव,
दिसम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबादअतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 16-7-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1982

निवेश सं० पी० आर० न० 1731/एक्ची०/23-11/82-83-

अतः सुन्ने, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 303, चावाजी, तह० श्रोत्र है तथा जो श्रोत्र
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प से
बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ब्रोन्च में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छपमान प्रतिफल से, एसे दरमान प्रतिफल का
एन्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कृत निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा
के लिए; और/या

(ल) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः--

1. श्री भरतभाई घाणभाई, चावाजी, तह० श्रोत्र ।
(प्रन्तरक)

2. एशियाना एन्टरप्राइजिस का भागीदारी :
श्री गुलाम मोहम्मद अब्दुल रहमान अमरोली बाला
और दूसरे बरानपुरी भागल, मूरत ।
(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मबद्दल में कोई भी आक्षय --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तर्मावंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में भी किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तर्मावंधी व्यक्तियों पर
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधारण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो चावाजी, एस० नं० 303, दिसम्बर, 1981
में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 16-7-1982

मोहर :

पृष्ठ पाइ. 21 एन एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1732/एक्वी०/23-II/82-83-
अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० न० 1 (पी), जमीन कानूनी वागा है तथा जो
ब्रोच में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुमूली में और पूर्ण
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय ब्रोच में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एवं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एवं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है .—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, भूके उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मोदी एसोशिएशन का भागीदार :
श्री अरविन्द चिमनलाल मोदी और दूसरे,
सखाराहजोर, ब्रोच।

(अन्तरक)

2. श्री मुरीलकान्ता बसन्त लाल,
चोकषी, वाडापाडा रोड,
ब्रोच।

(अन्तरिती)

क्वे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायबाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो एस० नं० 1, कोनपवागा, दिसम्बर, 1981
में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 16-7-1982

मोहर :

प्रस्तुत आइ^{है}. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1733/एक्वी०/23-II/82-83-
अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 157, चावाज तह० ओच में है तथा जो
ओच में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओच में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम की अधीन कर देने की अस्तरक के शायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
मौत/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुपरा-
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरीभाई छगनभाई पटेल,
चावाज, तह० ओच ।

(अन्तरक)

2. रीमल लैण्ड एन्टरप्राइसिस का भागीदार :
श्री रमश चन्द्रा, हंसमुख लाल ठाकर,
धोंला खाड़ी, शिव पोल,
बेरोडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकियस जो चावाज, एस० नं० 157, दिसम्बर, 1981
में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 16-7-1982

मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० आर० न० 1734/एक्वी०/23-II/82-83—

अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 13/ए, तथा 61 (पी) है
तथा जो जमीन, ग्राली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, ओव ने रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981
को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
क्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ निकली बाब की नावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जारी/वा

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री उमरजी ईसाप आदम।
श्री मुसाभाई ईसाप आदम।
श्री ईसाभाई ईसाप आदम।
श्री अहमद ईसाप आदम।
शेरपुर, तहर ओव।

(अन्तरक)

2. श्री कैलाश एस्टेट, के द्वारा गजेन्द्रा नानलाल बेडबाला
नाल बाजार, खालास वार्ड,
ओव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

मृसूची

मिलकियत जो आर० एस० नं० 13/ए, और 61 (पी)
ग्राली, दिसम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 16-7-1982
मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अमहादाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1982

निवेश सं० पी० आर० नं० 1735/एक्वी०/23-II/82-83—
अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 18/1+2, 19/2+5 है
तथा जो सादेश्वर, जिला ब्रोच में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय ब्रोच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरीतीयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में
करने वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. राजेश विदलभाई पटेल ।
श्री विदलभाई ईश्वर भाई पटेल ।
सादेश्वर, जिला ब्रोच ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स महावीर एस्टेट,
"ऊषा दर्शन" दूसरी मंजिल
आर० ए० किंदवाई रोड,
किंग संकिल, बांधे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

लाप्तीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

मिलकियत जो आर० एस० नं० 18/1+2, 19/2+5,
सादेश्वर, दिसम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 16-7-1982

मोहर :

प्रध्यं वार्ष. दी. पत्र. पुस्त. -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1982

निदेश मं० पी० आर० न० 1736/एक्य० 23-II/82-83
—अन. मुमे, आर० आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की धारा
269-प के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विवेकास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिम्बी मं० नं० 61. है तथा जो गड्ढोल में स्थित है
(और इसमें उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर,
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विवेकास
करने का कारण है कि यथाप्रवृत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, गम्भीर दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती
(अन्तरितियों) के गीच एवं अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उत्क्षेपण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) गम्भीर किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, कृन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अस्तरित इकारा प्रकट नहीं किया
जाय जा या किया जाना आविष्ट या छिपाने से
दूरिता के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4-236 GI/82

1. श्री चिमनभाई बेचरभाई पटेल, और दूसरे: के द्वारा:
कुलमुखायार श्री ईश्वरभाई बेलारभाई
गाडखोल, नह० अनकलेश्वर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रागिणी अम्बालाल पटेल;
सोनी कलीया, हनुमान शेरी,
सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्तन के द्रष्टव्य में कोई भी लाभपूँ

(क) इस सूचना के द्रष्टव्य में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या दृश्यमानी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाल में समाप्त होती है, वे भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से हैं तिकड़ी व्यक्तिय द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि उक्त स्वाक्षर संपत्ति में हितरहित
किसी वन्द व्यक्ति इवारा व्यापाहस्ताकारी के पाल
लिखित में किए जा सकते।

स्वाक्षिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, जो अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मिलकियत जो गाडखोल एस० नं० 61, यथाविधि
दिसम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शही
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 16-7-1982

मोहर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन संचना

भारत प्रकाश

कार्यालय, सहायक अधिकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1737/एक्वी०/23-II/82-83

—अतः सज्जे, आर० आर० आह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है) का नं० 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवरण देना चाहरा है कि स्थावर नियमित नियम विवरण वाजार पर 16,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 453 है, तथा जो अनकलेश्वर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय अनकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सज्जे यह विश्वास करने का कागज है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल नियमितिविहित उद्दीप्त उन्नरण नियित में वास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम का अनुच्छेद 5, देने के अन्तर्गत दायित्व में देने के लिए,

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-जनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहए था, उछान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, नियमितिविहित दरभित्यार्थ, अर्थात् :—

1. श्री ज्ञेवरलाल कन्चन लाल मार्डी,

अनकलेश्वर ।

कुमुमबेन अमाईदाम पटेल,
9, आदर्श सोसायटी,

अनकलेश्वर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ईलाबेन विपिनभाई पण्ड्या,

प-17, गणियन बिल्डिंग, वीजाली सिनेमा के सामने
मादुगा (पश्चिम) ।

वास्ते-16

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करा जाना अनिवार्य अज्ञन के लिए कार्यवाहियां दरता है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्तन के सम्बन्ध से कोहे भी आक्षेप ॥

(क) एस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन द्वारा अवधि या तन्मध्यान्ती दिनों पर भूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाकी में समाप्त होती हो, के अंतर्गत पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अंतर्गत स्थान अवधि सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभासित हैं अर्थ व्यापक रूप से उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

मिलकियत जो एस० नं० 453/1, अनकलेश्वर दिसम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० आह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 16-7-1982

भोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1738/प्रक्री०/23-II/82-83

—अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विवात करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० नं० 419-1-3 (पी) जमीन है तथा जो
अनकलेश्वर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अनकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवात
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिता (अन्तरितेत्या, इत्यादि एवं अन्तरकों के लिए, तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरक सहुई किसी दस्तावेज़ को दावत उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक, ने दायित्व में
किसी करने या उससे बचने से सुविधा के लिये;
और/या(ख) एंसे किसी आय या किसी धन दा अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए:अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीराम हाउसिंग सोसायटी का सदस्य थे :

- (1) श्रीमती विजयलक्ष्मी जगदीश चन्द्र इन्नानी।
- (2) जनकराई रिखाव चन्द्र,
- (3) रिखाव चन्द्र तीर्थ राम
- (4) जगमोहन जगदीश राम
- (5) श्रीमती विद्यावन्ती जगदीश राम
- (6) चन्द्रेशपाल मंबवरवाल
- (7) कुसुमलता सुरेशचन्द्रा

- (8) ऊपराम किशन कुमार
- (9) महावीर श्रीराम कापिला
- (10) आशाराम हंसराज
- (11) श्रीमती गीता दिनेश चन्द्रा
- (12) अरुणा मनमोहन किशन
- (13) श्रीमती गीता एम० प्रभाकरन और दूसरे।

कुल मुख्यार :

श्री आई० एम० महार्णी,

कुल मुख्यार : कुसुमलता सुरेशचन्द्रा

कुल मुख्यार : आर० डी० गर्मी,

कुल मुख्यार : डी० सी० द्विवेदी,

(अन्तरक)

2. श्री प्रकाश चण्डकलाल लोखड़ीश्वाला,

प्रमुख : श्री राम की-आप-हाउसिंग भोसायटी।

वैजिटेबल मार्केट के सामने,

अनकलेश्वर।

(अन्तर्गत)

को यह मूचना जारा करके पूर्ववित नहाना, के अंजन ने लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के उज्ज्वल के सम्बन्ध में जाइ एवं दाखिल :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि तक तत्वावधारी वित्तीय दर संबन्धी
की तारीख से 30 दिन तकी अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के अन्तर्गत प्रत्येक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त रथान्तर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किया जा सके।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो एस० नं० 419-1-3 (पी), अनकलेश्वर
दिसम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 16-7-1982

मोहर :

प्रस्तुप भाई, टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1739/एक्वी०/23-11/82-83

—अतः पुक्स, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 61 है तथा जो घड़खोल में स्थित है (आंग
इससे उपावन्द अनुसूची में आंग जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अनकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर,
1981

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दूसरामात्र
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरामात्र प्रतिफल से, एसे दूसरामात्र प्रतिफल का
पत्त्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. चिमनभाई बेचार भाई पटेल और दूसरे
कुल मुख्यार श्री ईश्वर भाई बेचारभाई पटेल
घड़खोल, तहसील अनकलेश्वर।

(अन्तरक)

2. श्री उलूपी इन्द्रजीत सेठ
रानी तलाब,
मेन रोड,
सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृक्ष
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पव्यक्तिगत :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो एस० नं० 61 (पी) घड़खोल, दिसम्बर,
1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

श्रार० श्रार० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (नियीक्षण)
अर्जन रेज II, अहमदाबाद

तारीख : 16-7-1982
मोहर :

प्रस्तुप भाई, टी.एन.एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1982

निवेश सं० पी० आर० न० 1740/एक्वी०/23-11/82-
83—श्रत. मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० न० 117/(पी), है तथा जो बारदाली में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमति में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बारदाली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उम्मेद दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से निर्धित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से है किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
में अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री हीरा चन्द नाथुभाई शाह
नुहार फलीया, बारदाली।

(अन्तरक)

2 (1) श्री गोविन्द भाई मनजी भाई पटेल
(2) श्री भीम जी भाई खेतनभाई पटेल
तान रोड, बारदाली।

(अन्तरक)

को यह सूचना आरो करके पूर्वान्तर सम्पादित के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मिलकियत जो एम० न० 117 (पी) बारदाली, दिसम्बर,
1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

तारीख : 16-7-1982
माहेश

प्ररूप आई. टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1741/एमी०/23-II/82-
83—अतः मुझे, आर० आर० शाह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसका प्रत्यय 'उत्तर अधिनियम' कहा जाता है), की धारा
239-व (1) अनीन नक्षत्र अधिकारी को उत्तर विष्वास करने का
कारण १ रुपयाएँ ५० रुपयाएँ विविध बाजार मूल्य
५५,०००/- रुपये के अधीन
ओर जिसकी सं० नं० 117, ह तथा जो वारदोली में स्थित है
(ओर इसमें उपावद्व अनुसूची में ग्रोर जो पूरी रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वारदोली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर,
1981 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के तिर अन्तर जो गई है वारदोली यह विष्वास करने का शरण है उत्तरवोक्ता प्रतिति जाउ रहा है वारदोली मूल्य उधर के दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्देह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तराल) में अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षीयों) के बीच में इस जाति का एक ग्राम प्रतिफल मन्त्रिमण्डल द्वारा १०० अन्तराल में एक वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया जाता है

(क) १००२, इन्हीं आय का बाबत उक्त अधिनियम के अन्तर वर्ते के अन्तराल के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रामीया

(ख) १००२, इन्हीं आय का बाबत उक्त अधिनियम (1922 का 11) या १५० आधिनियम द्वारा दायत-करण दृश्यमान १९५७ (1937 का 27) द्वारा जाती अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया जाता या १११ कायाजना चाहे था, छिपाने में दृश्यमान के २५,

अनु: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के अनुसरण में, मैं, इस अधिनियम के बारा 269-व (1) के उपचारा (1) के अधीन, नम्नलिखित यथि निम्न अधोतः—

१ श्री हीरा चन्द नाथुभाई शाह
लुहार फलीया,
वारदोली ।

(अन्तरक)

२ (१) श्री मोहनलाल भीमजी भाई पटेल
(२) शिवजी भाई भीमजीभाई पटेल
तेन रोड, वारदोली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से ४५ दिन में अधिक या तन्मत्ता अपेक्षया पर पूछना
की अनुमति से ३० दिन का प्रबंध, जो भी अवधि बाद
तारीख होती है, वे उत्तरवोक्ति के लिए नहीं दिया जायेगा ।(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उत्तरवोक्ति की हितबद्धि किसी अन्य व्यापत द्वारा अद्वौहृताया के पास
लिखित में फिर जा सकेंगे ।स्पृशीकरण :—इसमें प्रश्ना तारीख तर्दों का, जो उक्त
प्रतिनियत के ब्रह्मा २०-क में परिमाणित
हरी प्रवृत्ति द्वारा अद्वौहृताया के पास
गया है

अनुसूची

मिलकियत जो एस० नं० 117, वारदोली, दिसम्बर,
1981 में रजिस्ट्री की गयी है ।आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 16-7-1982

मोहर:

रुप आहे ती या. ते ——

प्रायकर पत्रेनियम, 1961 (1961-ग 43) की धारा
269-घ (1) के दर्ती सुनना।

ସମ୍ବନ୍ଧ ପତ୍ର

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमद बद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1742/एक्वी०/23-II/82-83—

अतः मङ्गे, आर० आर० शाह.

अधिनियम १०८ (१९०८ की ४३) (जिस काम में इसके परवाने 'उद्दित प्रवित्तिमान' कहा गया है), जो वारा २०९-खं अधीन सम्मान भवित्वा ली गई, यह अपने दरने के लालू है कि स्थावर सम्पत्ति, जो का राजन वाचार मूल्य २०,००० है से अधिक है और जिसकी सं० नं० ४६५, टी० पी० एस० ३, है तथा जो कटारगाम में स्थित है (और इसने उवावड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रथिकारी के कार्यालय मूरत में रजिस्ट्री-करण अधिनियम १९०८ (1908-A 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981 ।

को पुर्वोत्तर गांधीजी के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मृदु यह तिप्पान करने वा कारण है कि यथावृत्तोक्त सम्पादक का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान अंतकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरगतो) आर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नारा, नारा अन्तिक, निम्नलिखित उद्देश्य ने उचित अन्तरण विभिन्न रूपों का नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरराष्ट्रीय में इंडिया किसी द्वाया को नाबाल प्रकल्प अंग-नियम के अधीन कर देने के अन्तरराष्ट्रीय में कार्य करने या उसमें उच्चतम में संविधा 5 लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर आर्धानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भारतीय द्वारा रकट नहीं दिया या या किस जना चाहिए है, जिसे वे सुविधा के लिए; .

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व का उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, उपर्यात् ।—

१. श्री बाबू भाई नाराणदास बोगावारा---खुद और
एच० य० एफ० कर्ना।
श्रीमती जसवन्नी वेन बाबू भाई बोगावाला।
जगदीश बाबू भाई और दूसरे।
भोगानीवाडी, स्टेशन रोड, सूरत।
चम्पकलाल नारायण दास खुद और एच० य० एफ० कर्ना
चन्दनवेन चम्पकलाल। दीनीप इम्पर काल।
रमेश चम्पकलाल और दूसरे।
विपिन चन्द्रा नारायण दास बोगावाला खुद और
एच० य० एफ० कर्ना। चोक वाजार, नेन गोड,
सूरत।
शारदा वेन विपिन चन्द्रा, चोक वाजार मेन रोड, सूरत।
(अन्तर्गत)

2. प्रमुख और सचिव :
 राम एपार्टमेन्ट को-ऑपरेटिव हाउसिंग मोमायटी
 मोहन भाई मकनजी पठेंग
 जादव भाई रामजी भाई पठेंक
 मैयद पुरा, सुरत ।

(प्रन्तरिती)

को दह सूचना जारी करके पूर्वकृत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के उपर के उल्लंघन से कांडे दो इंचे ।

(क) इस घटना के लक्षण में एक भी रही स 45 दिन की अवधि या अधिक नहीं है। एर गूबन की तात्पील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वावत व्यक्तित्व एक दिन तक होता है।

(ब) इस गच्छा के ग्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् स्थाकरी के पास लिंगादित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधार २०-ए के विवरित हैं वही तथा लागू होने वाले विवर २०-ए के विवरित हैं।

अनस छी

मिलकियत जो एम० नं० 465, टी० पी० एम० 3, कटारगाम, दिसम्बर, 1981में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 16-7-1982

मोहर :

प्रृष्ठ प्रृष्ठ आई. टी. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, ग्रहमदावाद

ग्रहमदावाद, दिनांक 26 जुलाई 1982

निदेंग स ० पी० आर० न ० १७४३/एक्वी०/२३-११/८२-८३—
अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

श्रीर. जिसकी सं० नं० 318/2, 318/3, अब्रामा है नथा जो
बलमाड में स्थित है (श्रीर. इसमें उपावह अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बलमाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नान्वित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दर्ने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उसमें बदलने में शुल्किता के लिए;
शौर/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, शिष्याने में
सूचिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नान्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भगत कुमार अमवालाल देशाई और दूसरे
अब्रामा, तहू० बलमाड ।

(अन्तरक)

2. जै० वी० कंस्ट्रक्शन्स, प्राइवेट लिमिटेड,
रस्टम बिल्डिंग, वीर नारीमान रोड,
बाम्बे, बाम्बे-400023

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बदूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी ये
पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,
हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय से दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो अब्राम एस० नं० 318/2, 318/3, दिसम्बर
1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

ग्रार० ग्रार० शाह
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, ग्रहमदावाद

तारीख : 26-7-1982

मोहर :

प्ररूप आई दी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सच्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई, 1982

निदेश मं० पी० आर० नं० 1744/एक्वी०/23-II/82-83-

अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसको मं० 121/बी, 122/बी तितल है तथा जो बलसाड
में स्थित है (आंग इसमें उपावन्न अनुसूची में आंग जो पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बलसाड में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
परिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथवा:—
5—236GI/82

1 श्री वीनीता बाण गोपाल,
11, कमरा पार्क,
पूर्व एक्मटेंगन,
बंगलोर-560001

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती मुनीता बेन कान्ती भाई चामपनेरीया
19, मोणाल, एपार्टमेन्ट, गोगोन पूर्व,
बास्टे-400063
(2) श्री ज्योति प्रमोद शाह,
41-ए, अरुण नारायण,
डब्लेकर रोड, बास्टे-400006

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त पद्धतों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तर्की

मिलकियत जो तीतल, एम० नं० 121/बी, 122/बी,
दिसम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 26-7-1982
मोहर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायानिय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई 1982

निवेश सं० पी० आर० 1745/एक्वी०/23-II/82-83--
अतः मुझे, आर० आर० शाह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), ८० धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹ 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 121/बी, 122/बी, तीतल है, तथा जो
बलमाड में स्थित है (और इसमें उपांग ग्रनुमूर्चि में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायानिय
बलमाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अर्धान दिनांक दिनम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यदापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतर्गतों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकृति
का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(१) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायरे में कमा करना । १० मार्ग
के लिए; और/या

(२) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिसके भारीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, र
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 21)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
स्थिधा के लिए;

अन एव, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुमति
में, ऐसे उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की पधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

१. श्रीमती ज्योति बेन रघु कुम्ह,
काश मंगला,
बैंगलूरु-560034

(अन्तर्गत)

२ (१) श्रीमती गुलाज बेन कान्तामाई चमानेश्वरा
19, माणाली, गोटेंसेन्ट,
गोरेंगोब (पूर्व) बाम्बे-400063
(२) श्री ज्योति प्रमोद शाह
४१८, अरुण नाशवण,
डावेनकार रोड, बाम्बे-400 006

(अन्तर्गत)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड भी जाक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रह
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
दिल्लित में किए जा सकेंगे।

लक्षणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तस्थी

मिलकियत जो एम० नं० 126/3, 122/बी, तीतल,
दिनम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

श्राव आर० शाह
मक्षम प्राधिकारी
गहायक आयकर आयकल (निरीक्षण),
अर्ज : रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 26-7-1982

मोहर्

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई 1982

निरेण सं० पी० आर० नं० 1746/एस्वी०/23-II/82-

83—अतः, मुझे आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० नं० 292, 293, 295, 306, 307 है तथा
जो वापी में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
पारडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अन्तर्गत दिनांक जनवरी, 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बहुत के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त गंपति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल में, एम्से दूर्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितिया) के ग्रीच एम्से अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण नियित में
वास्तविक रूप में कीदित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
प्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था. इनपाने में सुविधा
के लिए;अतः उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—1 (1) श्री प्रतापबेन राजेशकुमार,
कुन मुख्यार: कान्तीलाल मुमंत निसार
घाटकोपर, वास्ते।
(2) श्रो गजेश कुमार कान्ती लाल निसार
कुन मुख्यार: मामन्त निसार
घाटकोपर, वास्ते।

(अन्तरक)

2 श्री एन्टरप्राइजेस
वास्ते।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या लक्ष्यांधि व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितष्टदध
एसी अन्तरिती द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।मिलकियत जो वापी एस० नं० 292, 293, 295, 306,
307 जनवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।आर० आर० शाह
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 26-7-1982

मोहर:

प्रसूप आइ. टी. एन. एस. -----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई 1982

निवेश सं० पी० आर० नं० 1747/एक्वी०/23-II/82-
83—ग्रह: मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 72, तथा जो भोलाव में स्थित है (और
इसमें उपावड़ अनुसूचि में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बोच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे गह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल मिलानीश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप स कीर्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करन या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट हों किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ईमामुहीन बद्रुद्दीन सैयद,
भोलाव, बोच।

(अन्तरक)

2. प्रियनक साखेया
बेनी फ़ीशिरिस द्रस्ट।
द्रस्टी श्री कीर्त्तीभाई लक्ष्मीचन्द्र मारवेया,
प्रीतम सोसायटी,
बोच।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो भोलाव एस० नं० 72, जनवरी, 1982 में
रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 26-7-1982

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1748/एक्वी०/23-II/82-
83—अतः मुझे, आर० आर० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 85/1, कासाक, है तथा जो
ओच में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ओच में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तर्नियम) के बीच गम्भीर अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रातिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीदित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या

(घ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिग्रे
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः तब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री आदम बली मोहम्मद
उमर बली मोहम्मद
मुसा बली मोहम्मद
गफूर बली मोहम्मद
दाउद बली मोहम्मद
यूसुफ बली मोहम्मद
ईसाक बली मोहम्मद
आयूब बली मोहम्मद
फासाक, ब्रांच

(अन्तरक)

2. दी रचना कन्सट्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड,
जै० पी० कालेज के सामने,
पुराना नैशनल हाईवे न० 8,
ओच ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे ।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
महीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो कामाक एस० नं० 85/1, जनवरी, 1982
में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 26-7-1982

मोहर :

प्रस्तुप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II,

ग्रहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई, 1982

निदेश म ० पी० आर० न० 1749/प्रवी०/23-II/82-

83—अन्त मुद्दे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी म० ल्लाक न० 72 है, तथा जो अनकलेश्वर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अनकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का दून्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित भेद वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हैर्स किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः नब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रनोपभाई कालीदास,
गोया बाजार, मुसरारखना,
अनकलेश्वर।

(अन्तरक)

2 सरफुटीन अकबरमिया
प्रेयिक हुवेली फलिया,
अनकलेश्वर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों शूल करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या हत्तेवार्षी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो ल्लाक न० 72, अनकलेश्वर अनबरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख 26-7-1982

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एम०-----

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्रारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II,

अहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1750/एक्वी०/23-II/82-83--

अतः मुझे, आर० आर० शाह

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 74/1, सारंगपुर है तथा जो अनकलेश्वर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण सूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अनकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकित संपत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच हेतु अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखि उद्देश से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में भी, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णि:—

1 श्रीमती फातमा ईममाछल सरिगत।
मादीर ईममाछल सारीगत।
न. अनकलेश्वर।

(ग्रन्तरक)

2. प्रोप्राइटर: एम० एन० विवेदी
श्री पदमा एन्टरप्राइजेज
15, आदर्श मोमायटी,
अनकलेश्वर।

(ग्रन्तरिती)

जो वह सूचना बातों नहीं मानी मानने के अंतर्गत निए कार्यादियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्दूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो सारंगपुर एम० नं० 74/1, जनवरी, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

श्रार० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज- , अहमदाबाद

तारीख: 26-7-1982

मोहर:

प्रस्तुप आइ'. टी. एन एस.-----

१ श्री अब्दुल गनी अब्दुल खान
वापी। नहू पाराडी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना२. हारीना प्राप्टी डब्ल्यूपमेट प्राइवेट लिमिटेड
345-358, जी० ए० डी० मी० ,
वापी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1751/एक्वी०/23-II/82-83-

अतः मुझे, आर० आर० शाह

269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 312, 293, 311, 313, 219-2-2-1
219-3 + 219-7 + 219-8 + 219-9, 294-2+3,
294-1 1295 छूगरी में स्थित है (और डसमे उपावड़ अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
के कार्यालय पारणी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करता को कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखते में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थलोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

मिलकियत जो हुआ ए० न० 312, 293, 311, 313, 291-2-2 + 219-3 + 219-3, + 219-8-1-219-9, 294-2+3, 294-1, 295, जनवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 26-7-1982
मोहर :

प्ररूप बाई^१.टी.एन.एस.-----आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई 1982

निवेश सं० पी० आर० न० 1752/एक्वी०/23-II/82-83-
अतः मुझे, आर० आर० शाह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० आर० एम० नं० 414-7-2, अलकापुरी है,
तथा जो अनकलेश्वर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अनकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन जनवरी, 1982को पर्याकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरीरतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:--(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रबल नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--
6-236GI/821. आयुब अहमद मोटाला
वाई हावा अहमद मोहम्मद
जिमली नाका के पास,
अनकलेश्वर।

(अन्तरक)

2. श्री भगवानभाई करसन भाई
चित्रकुट को-प्रापरेटिव हाउसिंग सोमायटी का प्रमुख।
अनकलेश्वर।

(अन्तरिती)

क्वै यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमूसूची

मिलकियत जो एम० नं० 414-1-2, जनवरी, 1982 में
रजिस्ट्री की गयी है।श्रार० शार० शाह
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 26-7-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई 1982

निवेश सं० पी० आरा० न० 1753/एक्वी०/23-II/82-83-

अतः मुझे, आरा० आरा० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० न० 14, भादकोद्रा, है तथा जो अनकलेश्वर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अनकलेश्वर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
इप में वर्णित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगसार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाया या या किया जाना चाहिए था छिपने में
सहित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

1. (1) श्री साबीर गुलाम रहमान,
(2) श्री ईसुफ गुलाम रहमान
कापोदारा। नहूं अनकलेश्वर।

(अन्तरक)

2. श्री जनकराणी शर्मा
ब्रजेश हाउसिंग सोसाइटी का प्रमुख
भादकोद्रा, अनकलेश्वर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमुद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास
तिलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो एस० नं० 14, भादकोद्रा, जनवरी, 1982
में रजिस्ट्री की गयी है।

आरा० आरा० शाह
मकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 26-7-1982

मोहर :

प्रकल्प आई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई 1982

निवेश सं० पी० आर० नं० 1754/एक्वी०/23-II/82-83—अतः मुझे, आर० आर० शाह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
में अधिक है

और जिसकी सं० नोद नं० 402, वार्ड नं० 5, कान्सक्वी वार्ड,
है तथा जो सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक जनवरी, 1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अंतरिक्त की गई है और मुझे यह विष्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ता अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ए के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपबारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत:—

1. (1) श्री गुलाम हुसैयिन मोहम्मद भाई सानागर,
हरीपुरा, कान्सकी वार्ड,
सुरत।

(2) अहमद भाई सादिक मोहम्मद भाई
नं० 2-8/बनाया दुआ, 37-जी फार्म
जैसे कुल मुख्यार गुलाम हुसैयिन मोहम्मद भाई
सानागर।
कान्सकी वार्ड, सुरत।

(अन्तरक)

2. श्री मियां भाई मियां,
हरीपुरा, कान्सकी वार्ड, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्वित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्तीत हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो नोद नं० 402, वार्ड नं० 5, कान्सकी वार्ड,
सुरत में जनवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 26-7-1982

मोहर :

प्रह्लाद आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1755/एक्वी०/23-II/82-83-

अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नोंद नं० 2122, बारा हाजारी, मोहल्ला है तथा जो सुरत में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ना पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतारण विविध में वास्तविक रूप से कथि। नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में ही निम्नी शाय प्रतिक्रिया की शब्दत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन करने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आप, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपादान (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती शान्ताबेन फकीरचन्द्र,
गोपीपुरा, माली भालीया,
सुरत ।

(अन्तरक)

2. श्री तुलसी दास ताकोर दास,
मानवावाला, भानवी वार्ड, नानपुरा,
सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में तो इसी प्रावेदः—

(क) इस नूचा के राजावत में प्रतापन की तारीख में 45 दिन की प्रतिधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रतिधिया वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस नूचा के राजावत में प्रतापन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाव निश्चित में किए जा सकेंगे।

महादीकरण:—इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और गद्दों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रयोग 20 फूं में परिमाणित हैं, वही प्रथम होंगे, जो उपरांत 20 फूं में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो नोंद नं० 2122, बारा हाजारी मोहल्ला, सुरत में जनवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 26-7-1982

मोहर:

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

1. श्री चीनुभाई रिखाव चन्द शाह,
गोपीपुरा, सुरत ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० आर० आर० १७५६/एक्षी०/२३-II/८२-८३-

अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी नोंद नं० 153, प्लाट नं० 10 है, तथा जो
अतवा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन
दिनांक जनवरी, 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्श्य से उक्त अन्तरण
सिद्धि में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हूँ रुप की किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1. (1) श्रीमती कंचन बेन शोभीलाल शवेरी।
(2) सुनीताबेन बिपिन चन्द्र, शवेरी,
59-बी, वालकेश्वर, बांबे।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां शूरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममूसूची

मिलकियत जो नोंद नं० 155, प्लाट नं० 10, अतवा,
जनवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख 26-7-1982

मोहर :

प्र० आ० टी० ए० ए०

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1757/एक्वी०/23-./82-83-
अतः मुझे, आर० आर० शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० नं० 311, 312 (पी) है, तथा जो कटारगाय
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुनन में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ कि किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हसमुख लाल नगीनदास,
श्री चम्पकलाल नगीनदास
श्री हसबन्द लाल नगीनदास
भूम शेरी, महीदारपुरा,
सुरत ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री जयन्तीलाल ईछाराम—कर्ता एच० य० एफ० का
और खुद ।
- (2) जिनेन्द्रा ताकोरलाल, ताकरलाल ईछाराम,
एच० य० एफ० का कर्ता ।
- (3) गमनलाल ईछाराम—एच० य० एफ० का कर्ता ।
- (4) चन्दुला ईछाराम—एच० य० एफ० का कर्ता ।
- (5) कान्तीलाल ईछाराम—एच० य० एफ० का कर्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्यां करता है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्ति का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया
है ।

मनुसूची

मिलकियत जो कटारगाय, एस० नं० 311, 312 (पी),
जनवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है ।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 26-7-1982
मोहुर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 अगस्त 1982

और जिसकी मं. पी.आर. नं. 23-II/82-83—अतः
मुझे आर.आर. शाह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. नं. 996, ब्लाक नं. 1198, है तथा जो
गांव अडालण, जिला गांधीनगर में स्थित है (और उससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण त्वय से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1909 का 16) के अधीन दिनांक 18-12-1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तर्गती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिये,
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किल
के लिए,1. श्री रामनलाल मणीलाल
कुल मुख्यार श्री चीमनलाल अमता भाई
गांव सुन्दाल, जिला गांधीनगर।
(अन्तरक)2. श्री जोशी, चुणीलाल कुणाल दास,
पीपलावालो खानचो,
जुना, असरवा,
अहमदाबाद।
(अन्तरित)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्त्वावृत्ती व्यक्तियों पर सूचना
की ताप्रिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांतरक्षण के
पास लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो गांव अडालज अधीक्षत नं. 2185, सब
रजिस्ट्रार, गांधीनगर के कार्यालय में दिनांक 18-12-1981
में रजिस्ट्री की गयी है।आर.आर. शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबादअतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जतः :—

तारीख 2-8-1928

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 अगस्त 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1759/एक्वी०/23-II/82-83—
अतः मुझे आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 89/2, 92, 93/2, 93/3, 94/4, है
तथा जो गांव सुगाद, गांधीनगर तहा० में स्थित है (और
इससे उपाबूद्ध प्रनुसूची में और जो पूरी रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधी नगर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-12-82
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को इक्ष्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इक्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इक्ष्यमान प्रतिफल का
पैदाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में
दार्शकिक रूप से कीचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपाधा० (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :—

1. (1) मिस संगिना,
कैलाशकुमार कानोरीया ।
(2) श्रीमती उमिलाबेन कैलाश कुमार कानोरीया
(3) श्री कैलाशकुमार राधाकृष्णन कानोरीया ।
(4) अव्यक्ता बचा साकेत कुमार कैलाश कुमार
कानोरीया ।
सब अमृत पार्क में रहते हैं ।
सौराष्ट्रा सोसायटी
पालटी, अहमदाबाद-380007
(अन्तरक)
2. कानोरीया फेरमीर प्राइवेट लिमिटेड,
श्रमदुपुरा बस स्टैन्ड के सामने,
तरोडा रोड, अहमदाबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाबू में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

मनुसूची

बेटी का जमीन जो गांव सुगाद, गांधीनगर, जिला में
स्थित है, बिक्रीखत नं० 2274-2276 पर सब रजिस्ट्रार
गांधीनगर, के कार्यालय में दिनांक 28-12-1982 में सम्पूर्ण
वर्णन पर रजिस्ट्री की गयी है ।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख 2-8-1982

मोहरः

प्रूषप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त

अर्जन रेंज-II,

अहमदाबाद, दिनांक 3 अगस्त 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1760/एक्षी०/23-II/82-83-

अतः मुझे आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 1217, 1218/1 और 1222 है तथा जो
हारमी सिंह, बेरोड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय बेरोड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 22-12-1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दूसरमान प्रतिफल से, एसे दूसरमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की भावत, उक्त
अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-236GI/82

1. श्री पुरुषोसम भाई रनछोड़भाई पटेल और दूसरे।
नागरवाला, गेट फलीया,
बेरोड़ा।

(प्रत्तरक)

2. प्रमुख :

अमीतानगर को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड
जामुदी सोसायटी के पीछे,
वाटर टानक के पास, कारेली भाग,
बेरोड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुला जमीन जो हारणी सीम में स्थित है बिक्रीखत नं०
6957 पर सम्पूर्ण वर्णन पर सब रजिस्ट्रार बेरोड़ा के कार्यालय में
तारीख 22-12-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 3-8-1982

मोहर :

इष्टप्र शाहै. डॉ. श. श. श. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II,

ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 अगस्त, 1982

निदेश सं. पी० आर० आर० शाहै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भाव
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. नं. 572 और 576 भाग हैं तथा जो रत्नजी
पाटी, नडीयाड में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
नडीयाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 15-1-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्फत यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा हो जिये;
और/या

अनुसूची

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती दृवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री कालीभाई मोतीभाई पटेल,
स्टेशन रोड, नडीयाड ।
- (2) रत्नांशु भाई लल्लूभाई पटेल,
नडीयाड ।

(अन्तरक)

- यान्त्रकृपा को-आपरेटिव हाउसिंग सोमायली लिमिटेड
रेलवे फार्सिंग के पास,
नडीयाड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- इस सूचना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

खुला जमीन जो रत्नजी पाटी, विस्तार में नडीयाड टाउन
में स्थित है बिक्रीखत नं. 83 और 84 में नडीयाड में सब
रजिस्ट्रार के कार्यालय में दिनांक 15-1-1982 में रजिस्ट्री की
गयी है ।

आर० आर० शाहै
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 3-8-1982
मोहर :

प्रह्लाद भाई. टी. एन. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II,

महादेवाद, दिनांक 3 अगस्त 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1762/एक्वी०/23-II/82-83-

अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'जुक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० ४८० पी० नं० ४७७ (भाग), सब प्लाट
और जिसकी सं० एफ० पी० नं० ४७७ (भाग) सब प्लाट नं० ६
एफ-२, टी० पी० एस० नं० १, हैं तथा जो आनंद में स्थित हैं
(और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आनंद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-1-82
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. नवरचना कार्पोरेशन भारीवारों के द्वारा :

(1) अहमद भाई हसन भाई और दूसरे
पोलसण देयरी रोड,
आनंद ।

(अन्तरक)

2. श्री अब्दुल करीम सुलेमान मुल्ला और दूसरे
बोरावाडे, आनंद,
आनंद तालुका ।

(अन्तरिती)

कर्ते यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेंड भी आकंपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हृतबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
हैं, वही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
गया है ।

अनुसूची

जमीन और मकान जो टी० पी० एस० नं० १, आनंद में
स्थित है विक्रीखत नं० १७७, रपर आनंद सब रजिस्ट्रार के
कार्यालय में तारीख 17-1-1982 में रजिस्ट्री की गयी है ।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, महादेवाद

तारीखः 3-8-1982

मोहरः

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

अहमदाबाद, दिनांक 3 अगस्त, 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1763/एक्वी०/23-II/82-83-

अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 188 (भाग) है, तथा जो चीकोन्दा सीमा,
आनद तह० में स्थित है (और इससे उपावड़ द्वारा अनुसूची में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
आनद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 8-1-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रांतशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) एमी किसी आय या किसी भन या अन्य आमिन्यों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरीक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तातः:—

1. श्री शिवबेन मगल भाई दयाभाई का विद्यवा और दूसरे
वाडी, चीकोन्दा, विलेज। आनद तह०।

(अन्तरक)

2. पटेल मुकुलभाई गोवरदन दास और दूसरे
सरदार पटेल कालोनी,
म्रमूल डेवरी रोड, आनद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो चीकोन्दा, आनद तह० में स्थित है। विक्रीखत
नं० एक, पर सब रजिस्ट्रार आनद के कार्यालय में तारीख
8-1-1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 3-8-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

श्रहमदाबाद, विनांक 3 अगस्त 1982

निवेश सं० पी० आर० नं० 1764/एक्वी०/23-II/82-83-अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), वी भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 461, आर० एस० नं० 2887/1, टी० पी० एस० नं० 1 है, तथा जो आनंद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय आनंद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-1-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किस जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वाह, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

माहूर :

1. चिमतभाई इश्वरभाई पटेल

भारती चाउकी,

मोटा अदाद, आनंद।

(अन्तरक)

2. श्री ममहरलाल मगनलाल जामी,

पुष्पकुंज सोसायटी,

भालोज रोड, आनंद।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्वाई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितवृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

माहूर

खुला जमीन जो टी० पी० एस० 1, आनंद में स्थित है विक्रीखत न० 36 पर आनंद सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 6-1-1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीखः 3-8-1982

मोहरः

प्रलूप आई. टी. एन. एस. -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II,

ग्रहमदावाद, दिनांक 3 अगस्त, 1982

निदेश सं. पी० आर० आर० नं. 1765/एक्वी०/23-II/82-83-

अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर० एस० नं. 114 (भाग) सी० एस०
तथा नं. 1514 है जो जेतलपुर, बेरोडा में स्थित है (और
इससे उपादान अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बेरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-1-1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के घटाय 20-क में यथा परिभाषित
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी भग्न या अन्य आसिथियों
को जिन्हे भारतीय आद्य-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्ततः:—

1. श्री बालचन्द्रा शिवप्रसाद मेहता,
साईशाया, खार सान्ता कूस,
बोम्बे-52

(अन्तरक)

2. शान्ताबेन जयन्तीलाल तालाबती और दूसरे।
नेहरू नगर, श्रमबाबाडी,
बेरोडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुला जमीन जो जेतलपुर में स्थित है विक्रीजात नं. 427
पर बेरोडा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 21-1-1982
में रजिस्ट्री की गयी है जिसकी सं. आर० एस० नं. 114
(पी) है।

आर० आर० शाह
सहम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, ग्रहमदावाद

तारीख: 3-8-1982

मोहर :

प्रकाश बाई, टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, संस्थापक आयकर आयुक्त,
अर्जन रेज-II,
अहमदाबाद, दिनांक 3 अगस्त, 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1766/एक्ची०/23-II/82-
83—अतः मुझे आर० आर० शाह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर ममता, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. में अधिक है

और जिसकी सं० नं० 762 (भाग) है तथा जो गांधी, बेरोड़ा में
स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेरोड़ा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 19-1-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसमें किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे कमने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. अरुण भाई भाई लाल भाई पटेल ।
के द्वारा : अमूल व्यक्तियों,
आर० सी० दत्ता रोड,
बेरोड़ा ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स उमा विलिंग्स
के द्वारा अमूल व्यक्तियों,
आर० सी० दत्ता रोड,
बेरोड़ा ।

(अन्तरिती)

क्वो यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयक्षण
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

लक्ष्मी

खुला जमीन जो गांधी, बेरोड़ा विक्रीकरण नं० 306 और
307 पर सम्पूर्ण वर्णित में बेरोड़ा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय
में तारीख 19-1-1982 में रजिस्ट्री की गयी है ।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 3-8-1982

मोहर :

प्रृष्ठा आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज- II,

ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 अगस्त 1982

निदेश सं. पी० आर० आर० शा० 1767/एक्सी०/23-II/82-

83—अद्यतः मुझे आर० आर० शा०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-व के अधीन संक्षेप प्राधिकारी का, यह विषयात्मक करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 774-784, टाट 10, 13 और 14, है तथा जो गोदी गांव, में स्थिति है (और इससे उपाधिध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-1-1982 के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयात्मक करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पैद़ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बनने के अंतरक के कार्यालय में कली करने या उससे बनने में सुविधा के लिए; गैर/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्रीमती गीता बेन रस्मिकान्त पटेल
कुल मुख्यारा० जो:
(1) मेजर शम्भूनाथ मिह०
(2) श्रीमती कमलाबेन हरी प्रसाद पटेल,
86-कुंज सोसायटी
ग्रामपाली, बेरोडा।

(अन्तरक)

- मैरसरी शिवम कारपोरेशन
के द्वारा भगवती देवर्स०
लेहरी पुरा, नई रोड,
बेरोडा।

(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृप्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला जमीन जो गांव गोदी, बेरोडा, बिक्रीखात नं. 410 और 411 पर सम्पूर्ण वर्णीत पर बेरोडा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 27-1-1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शा०
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

तारीखः 3-8-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II,

अहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1768/एम्बी०/23-II/82-
83—अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 292, 293, 295, 306, 307 है,
तथा जो बारी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय
पार्किंग में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती व्यावरण प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

8—236GI/82

1. (1) श्रीमता ऊबेन अनिलकुमार नीसार
(2) श्री अतुलकुमार कान्तीलाल नीसार
ऊबेन का कुल मुख्यार :
श्री कान्तीलाल सामन्त नीसार
गोडापर, बास्के ।

(अन्तरक)

2. भारता बेन बाल कृष्ण
पीपा बाला, बास्के ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है ।

अनुसूची

मिनकियत जो एम० नं० 292, 293, 295, 306 और
307 जनवरी, 1982 में रजिस्ट्रा की गयी है ।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 26-7-1982

मोहर :

प्रस्तुत आर्द्ध. दी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II,

अहमदाबाद, दिनांक 6 अगस्त, 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1769/एस्ट्री०/23-II/82-
83—अतः मुझे आर० आर० शाह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 563-5 है, तथा जो बेरोडा, कास्बे में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय बेरोडा में
रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 10-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि मध्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आमतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहै भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती व्यापार प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अन्तरण
में, सै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चन्द्रकान्त चिमतलाल पारीख

कुल मुख्यपार : कुण्ठ कान्त चिमतलाल पारीख रतन,
सुआनपुरा नामा,
आर० सौ० सर्किल,
बेरोडा।

(अन्तरक)

2. मैसर्स आलोक एसोसियेट्स

के द्वारा भागीदार :
चन्द्र कान्त सौ० पटेल और दूसरे।
23, अलकापुरी,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बुला जमीन ज बेरोडा कास्बा विक्री खत नं० 6718 पर
मम्पूर्ण वर्णित पर बेरोडा मब रजिस्ट्रार के कार्यालय में
तारीख 10-12-81 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 6-8-1982

मोहर :

प्रस्तु आई. टी. एन. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II,

अहमदाबाद, दिनांक 6 अगस्त, 1982

निवेश सं० पी० आर० नं० 1770/एक्सी०/23-II/82

83—श्रत. मुझे आर० आर० शाह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के अधीन संशम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है यह स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फाइल ब्लाट नं० 63टी० पी० एस० 1, है तथा जो मौजे मेहसाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेहसाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-12-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिल्ड में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; या/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती शरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्भात् :—

1. (1) श्री राम भाई फूला भाई देसाई
(2) श्रीशिंह भाई गोविंदभाई देसाई
(3) बीनभाई जीवाभाई देसाई
सब श्रुति मिनेमा, मेहसाना के पास रहते हैं।

(अन्तरक)

2. श्री उमीया सोपस और श्रीफीसस मानिको पारबती मेनशन, विथाल पार्क नामा, मेहसाना ।

(अन्तरिती)

को यह पूछा जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजाव ये प्रश्नाशन को तारीख से 45 दिन की प्रतिक्रिया तात्प्रत्यक्षी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रतिक्रिया जो भी प्रतिक्रिया वाले समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजाव में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा, अधोलिखाती के पास विविध में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण :—इसमें परुन शब्दों योर यदों का, त्री उक्त अधिनियम के अन्तर्याम 20-क में परिभाषित है, वही प्रथा होगा, जो उम प्रध्याय में विया गया है।

मन्त्री

बुना जमीन जो मेहसाना टी० पी० 1, एक० पी० नं० 63, बिकीड़न नं० 2940 पर सम्पूर्ण वर्णित पर मेहसाना, सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 2-12-81 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राप्तिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख: 6-8-1982

मोहर :

राज्य भाई, टी. एल. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II,

अहमदाबाद, दिनांक 6 अगस्त 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1771/एसवी०/23-II/82-

83—अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 589-590, सी० एम०
नं० 3006, है तथा जो कस्तूरवा नगर, सोसायटी अलकापुरी
बेरोडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बेरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 30-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और भझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ति
(अन्तरीरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ह्रौं किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी कहीं या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए और/या

लह: लह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री मणिभाई माधव भाई पटेल,
असोपालवा, कस्तूरवा नगर,
अलकापुरी, बेरोडा ।

(अन्तरक)

2. जयजेश ट्रेडिंग, कं० प्राइवेट लिमिटेड,
57, राज रत्न सोसायटी,
शंकर लेन, कान्ती बाले,
बास्टे-4

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के विधाय 20-के में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस विधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो कस्तूरवा नगर, सोसायटी
अलकापुरी, बेरोडा विकीवत नं० 7061 पर सम्पूर्ण बर्णीत
पर बेरोडा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 30-12-81
में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, अहमदाबाद

तारीख : 6-8-1982

मोहर :

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II,

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त, 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1772/प्रम्बी०/23-II/82-
83—अतः मुझे आर० आर० शाह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पांचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा
269-प के अधीन संपत्ति प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 2396 (पी) प्लाट पर आतवा है
तथा जो सुरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रनुसूची में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित घटेश्यों में उक्त प्रस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से रखित रहो किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अक्षितियों अनुसार:—

1. श्री कान्ताबेन लाल भाई देसाई
ज्येष्ठ बेन लाल भाई देसाई
ज्योत्स्ना बेन लाल भाई देसाई
उनके कुल मुख्यार नानुभाई खांडभाई देसाई
सिद्धुमाता, शेरी,
वाडी फलीया, सुरत ।

(प्रत्तरक)

2. प्रमुख और सचिव,
गिरधर एपार्टमेंट को-आ परेटिव हाउसिंग सोसायटी :
(1) श्री बकुभाई मफत लाल शाह,
गोपीपुरा, काजी ग्राउन्ड,
सुरत ।
(2) भीकुभाई कान्तीलाल पटेल,
सगरामपुरा, सुरत ।

(प्रत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोइ आवेदन:—

(क) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरियी अविकल्पों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकल्पों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय द्विस्तरक हिस्से
अवधि अविकल्प द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं; वही
प्रार्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो नोद नं० 2396 (पी) अतवा, सुरत,
दिसम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
मक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 7-8-1982
मोहर:

प्रकृष्ट प्राईडी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II,

अहमदाबाद, विनांक 7 अगस्त, 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1773/प्रकृष्टी०/23-II/ 82-
83—अतः मुझे आर० आर० शाहआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० नोद नं० 1755, 1756, 1740, है तथा जो
पारशीवाड वाड नं० 11, सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हृद किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे इच्छने में सुविधा के लिए;
बीमा/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्तः :—1. श्री जालेजोर केखसाह कापडिया
मठलीपीठ, उसमान मोहल्ला, सुरत।
अभी 46, चीकुबाडी, आशाबाद, नवसारी।

(अन्तरक)

2. प्रवीण चन्द्र नटवरलाल धीवाला
श्री कन्चनलाल नटवर लाल धीवाला
गोपीपुरा, बाखर वालो खानछो,
सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांदे भी आधेष्टः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारोख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तात्त्विकी से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
भाव लिखित में जाभाए जा भवतः;स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

जमूसूची

मिलकियत जो नोद नं० 1755 1756, 1740 पारसी वाड
नं० 11, सुरत में दिसम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबादतारीख : 7-8-1982
मोहर :

प्रश्नप्राई ३० एन० एस०

आयतन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II,

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1982

निदेश सं० पी० आर० न० 1774/एक्वी०/23-II/82-

83—अतः मुझे आर० आर० शाह

प्रायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन संशोधन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विषय उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 2366/1-ए/1-ए/ मलाबतपुरा है तथा जो दोरिया वाई, सुरत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्णस्वयं में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्णांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रमाणक (अन्तरकों) प्रोर अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अंकित नहीं किया गया है:—

क) अन्तरण में दुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय का किन्तु प्रति या अन्य प्राप्तियों को, जिसके सारीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था । किया जाना चाहिए था, लिखाने में सुविधा के लिए।

उत्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम ने धारा 269-ए की ३प्रश्ना (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

- (1) श्री हंसमुख लाल रत्नालाल
(2) गौरीबेन, रत्नालाल
जयकिशन दास की विधवा
इन्दरपुरा, खनी वाड, सुरत ।

(अन्तरक)

- श्री कोकीलाबेन कीरती लाल
लीमडा चौक, धानती गोरी,
सुरत ।

(अन्तरिती)

लो यह सूचना आरो वरके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रवृत्ति के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के संबंध में कोई भी आलोचना

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो नोद नं० 2366/1ए/ए, सलाबतपुरा, दरिया वाड, दिसम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
मक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख: 7-8-1982

मोहुद

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़ II,

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त, 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1775/एक्वी०/23-II/82-83—अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्त्रि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये ने अधिक है

और जिसकी सं० नोद नं० 2024-2-2024-7 है तथा जो उमरवाडा, मुरत मे स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मे और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिकरण के लिए तर गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धरण ने उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण मे दुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व मे कमी करने या उसमे बचने मे सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ग्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या छिपाने मे सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुवरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रा प्रवीण चन्द्रा नानालाल शाह
- (2) श्रा नानालाल जी वराज शाह
- (3) श्री दिलीप सोबासमल मेहता
- (4) श्रा दीपक सोबासमल मेहता
- (5) वीरात सोबासमल मेहता

अतवा लाईनस सूरत ।

(अन्तर्क)

2. भागोदार, सागर एपार्टमेंट, अरविन्द सोबासमल मेहता वीरात एपार्टमेंट अतवा लायन्स, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथित के सम्बन्ध मे कोई भी ग्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजरत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अवितरणों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवितरणों मे से किसी अवित द्वारा ;
- (ब) इस सूचना के राजरत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मन्त्रि मे हितवद्ध किसी अन्य अवित द्वारा, अधीक्षित अधिकारी के पाम लिखित मे किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है ।

अमृसूची

मिलकियत जो नोद नं० 2024-2—2024-7, उमरवाडा, दिसम्बर, 1981 मे रजिस्ट्री की गयी है ।

आर० आर० शाह
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़ II, अहमदाबाद

तारीख : 7-8-82

मोहर :

प्रस्तुप प्राई-टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II,

अहमदाबाद, दिनांक 6 अगस्त, 1982

निवेश मं० पी० आर० नं० 1776/एक्वी०/23-II/82-
83—अतः भुक्ते आर० आर० शाह
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, ग्रिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० नोद नं० 1651-1652-बी, वार्ड नं० 12
है तथा जो मुरन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मुरन में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान
प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और प्रत्यक्ष
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित
उक्त अन्तरण नियित में वास्तविक रूप में कठित
नहीं किया गया है:—

(५) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बात उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये और/या

(६) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
अनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अधीक्षित:—
9—236GI/82

1. श्री गुलाम मोहम्मद गुलाम नबी,
शेख अमबायाडी, कालीपुरा,
मुरत ।

(अन्तरक)

2 (1) श्री अब्दुल रजाक दुसेन भीया और दूसरे
(2) श्री मोहम्मद इकबाल कादर भीयां और दूसरे
सैयद बाड, शापुर, मुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कायांवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की प्रवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त अधिकारी परिवर्त्यों में से किसी अधिकता द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अधिकारी द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
नियित में किये जा सकेंगे ।

हास्टोकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं,
वहों अवृं होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है ।

अनुसूची

मिलकियत जो नोद नं० 1651-1652, वार्ड नं० 12,
तुणतवाड़, शापुर दिसम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है ।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, अहमदाबाद

तारोख : 6-8-1982

मोहर :

प्ररूप आहू. टी. एन. एस.
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II,

अहमदाबाद, दिनांक 6 अगस्त, 1982

निदेश सं ० पी० आर० नं० 1777/एक्वी०/23-II/82-
४३—अतः मुझे आर० आर० शाह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका नं० नोद नं० 269-त्री, वार्ड नं० 4 है तथा जो
हरीपुरा, पीरगाड़ी रोड, मुरादाबाद में स्थित है (प्रीर डैम
उपावद्ध अनुमूल्य से और जो पूर्ण स्वयं वर्णित है) रजिस्ट्री कर्ता
अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908
1908 का 16) ने अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृमते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में

1. श्रीमती आशाबेन जगद्दीपा चन्द्र
शेतवाला नवापुरा, गांधीशरी,
सुरत ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति रमालालेन धनसुखलाल
गांव सोनगापुर
तह० चोरयासी,
सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बावध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्पद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्भ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

मिलित जो नोद नं० 269-वा० वार्ड नं० 4,
पीरगाड़ी रोड, दिसम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, अहमदाबाद

असः बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारेख: 6-8-1982

मोहर:

प्रध्य आई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अगस्त 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1778/एक्वी/23-II/82-
83—यतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० ल्लाक नं० 63, (वा), गब बारेली है तथा
जो तह० पालमाना में स्थित है (शोर इससे उपाबद्ध अनुमूर्ति में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेक्टर प्राधिकारी के कार्यालय
कामरेज में रजिस्ट्रेक्टर अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 1 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सपत्नित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरीतयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
यास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातुः—

1. (1) बेलरभाई मोहनभाई पालण नडिया,
गांव हरिपुरा, तह० पालमाना ।
- (2) रमेश भाई बेलरभाई गांव हरिपुरा तह० पालमाना ।
- (3) शान्ताबेन गुलाब भाई नाइक
नाकुन्जन सोसायटी, नीमलीया बाड़, सुरत ।
- (4) ध.क्षाबेन धयाभाई नायिक काजी मेवन
गोपीपुरा सुरत ।
- (5) बालू भाई जीवन जी नायिक
हरिपुरा, तह० पालमाना ।
- (6) बेलबन्त राई नामुभाई देशाई
दोहन, तह० श्रोलपाड़ ।
- (7) शान्ताबेन बालू भाई नायिक,
हरोपुरा, तह० पालमाना ।

(अन्तरक)

2. कृष्णा एन्टर प्राइवेज,
प्रोप्राइटर—बालजी द्रस्ट,
लामडा चौक, गणज.पोरी,
सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्कालीन व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
भवध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्यय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो बारेली, ल्लाक नं० 63 वी, दिसम्बर,
1981 में रजिस्ट्री की गयी है ।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, अहमदाबाद

तारीख : 6-8-1982

मोहर :

प्रकृष्ट आई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त, 1982

निदेश सं० पी० आर० न० 1779/एक्टी०/23-II/82-83—ग्रतः सुनो आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 15(बी), 33-वी है, तथा जो विलेज बरेली, में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कायरेज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विभिन्न में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य वस्तु को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रन, उक्त अधिनियम की वारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की वारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकतयों, वर्णतः :—

1. (1) श्री दयाभाई बनयाकी भाई
- (2) ईश्वरलाल दयाभाई
- (3) सुरेश भाई दयाभाई
- (4) गुर्जीताबेन, दयाभाई
- (5) गंगा बेन दयाभाई

गांव हरीपुरा, तह० पालसामा ।

- (6) छोटालाल बाल किशन बेराजी, विलेज बारेली, तह० पालसामा ।

(अन्तरक)

2. राजकुमार सीलक मिल्स प्राइवेट लिमिटेड सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकतयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकतयों में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु किसी अन्य अधिकत द्वारा, अधोइस्तानारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो बारेली, ब्लाक नं० 15 (बी), ब्लाक नं० 33-बी, विलेज, 1981 और जनवरी, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर० आर० शाह

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज II, अहमदाबाद

तारीख: 7-8-1982

मोहर :

प्रस्तुत भाई, टी. एन. एस.-----
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अहमदाबाद II

अहमदाबाद, दिनांक 9 अगस्त 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1780/एक्वी०/23-II/82-
83—अतः मुझे, आर० आर० शाह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टीका नं० 19, सी० एस० नं० 2 और 3
आर० एस० नं० 2814-बी है तथों जो काकरखड़ पाटी,
विसार नडीयाड में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
अधीन दिनांक 4-12-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और उसे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीय को,
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) पुलीन कुमार परखोत्तम दास
- (2) दिनेश कुमार परखोत्तम दास
- (3) गिरीश कुमार परखोत्तम दास
तीनों का कुल मुख्तयार :
परखोत्तम दास उमेद भाई पटेल
भद्रुक निवास, मीशन रोड,
नडीयाड ।
- (4) कान्तीलाल बेचर भाई
- (5) आर० दिलीप भाई बेचरभाई

कुल मुख्तयार :
जयन्त कुमार कान्ती लाल
नडीयाड ।

(अन्तरक)

- (1) मरीयन बेन मोहम्मद शहदी करीम भाई
चकला सीथा, नडीयाड ।
- (2) अम्बुल सतार सुलेमान
अलाड, नडीयाड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित अधोलिखित अधीन
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखित :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और जना मकान जो काकरखड़ विसार, नडीयाड
टाउन में स्थित है विशेषता नं० 1617, पर नडीयाड संबंध
रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 4-12-1981 में रजिस्ट्री की
गयी है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 9-8-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. —————

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1,

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 2063/23-I/82-83—अतः
मुझे, आर० आर० शाह,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
प (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है
और जिसकी मं० प्लाट 1227-28/ए-2 है, तथा जो धोधा सर्कल,
भावनगर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 2-12-1981

के पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य के यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निर्दिष्टि निर्देश में उक्त अन्तरण निर्धारित
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हैर्स किसी आय की आवास उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः :—

1. श्रीमती शकुन्तलाबेन किशनलाल दवा वाला,
1227-28/ए-2,
धोधा सर्कल,
भावनगर ।

(अन्तरक)

2. कोठारी एपार्टमेन्ट को-आप० हा० सोसायटी (प्रोपोज्ड)
प्लाट नं० 3, जवाहर कालोनी,
बोरडी गेट, भावनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन का अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
नामील ने 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर सम्पत्ति में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी
प्रत्यक्षित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही वर्त्त होंगा जो
उस अध्याय से दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका जमीन का क्षेत्र फल 668.88 वर्ग गज है
जो धोधा सर्कल भावनगर में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार
भावनगर रजिस्ट्रीकर्ता विशेषज्ञता नं० 2749/2-12-81 है।

आर० आर० शाह
सभम प्राधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-8-1982

माहर :

प्ररूप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-J अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1982

निवेश सं० पी० आर० नं० 2062/23-I/82-83—अतः
मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन राजस्व प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2233/एस है, तथा जो डील ड्राइप,
भावनगर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुमूल्यमें और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
भा वनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 16-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पथपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सहाय्य
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रदूष नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहाय्य
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नसिद्धि व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

1. श्री रमेश चन्द्र प्रभुदास शाह
खीजडायाली शेरी,
पट्टवा, भावनगर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रेखाबेन दिलीप कुमार पारेख
पीपलावाली शेरी,
मामा कोठा रोड,
भाव नगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख गे
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियाँ भी में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
एकमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 234.64 वर्ग यार्ड है जो
हील ड्राइप भावनगर में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार भावनगर
रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 2890/16-12-81 है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-J, अहमदाबाद

तारीख : 7-8-1982

मोहर :

प्ररूप आहू. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1,

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त, 1982

निदेश मं० पी० आर० नं० 2061/23-1/82-83--अत-
मुझे आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० लेह नं० 338-489 है, तथा जो जयनाथ
लाट नं० 17, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
श्रान्तिसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
के कार्यालय राजकोट ने रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-12-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में दास्तावेज रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, चिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री फिरोजशाह बरजोरजी मरोलीया,
जागनाथ प्लाट नं० 17,
'कुबर कोटेज',
राजकोट ।

(अन्तरक)

2. ग्रामीण बिल्डर्स :

(1) श्री चन्द्रकान्त गगाराम और अन्य
'श्री वर्षा', बीमानगर शेरी नं० 1,
रेया रोड, राजकोट ।

(2) श्री चन्द्रकान्त लबजीभाई और अन्य
2, शक्तिशेरी, श्रीनगरियास, मोरगी,
जिला राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान जिसका जमीन का कुल क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है
जिसका लेह नं० 338-489 है, जो राजकोट में स्थित है तथा
सब-रजिस्ट्रार राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 9364/
24-12-81 है ।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख 7-8-1982
मोहर ।

प्रस्तुत आई० दी० एन० एस०-----

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1,

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त, 1982

निर्देश सं० पी० आर० न० 2060/23-I/82-83—अन्त-
मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु में अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे न० 462, पैकी है तथा जो गिरधर गोकुल प्लॉट, आमपाली टाकिज के नजदीक में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-12-81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-प के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—
10—236GI/82

1 श्रीमनी इन्दुगनी चन्द्रकान्त दोषी
पान-30, गुजरात हाउसिंग बाउं
महिला कालेज के नजदीक,
कलापड़ गोड राजकोट ।

(प्रत्यक्ष)

2 अमर विल्डर्स,
श्री नवीन जे० कोषारी,
'दी' चेम्बर्स,
आर्य समाज विल्डिंग के सामने,
देवर गोड, राजकोट ।

(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्दू दिव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उग्र अध्याय में दिया गया है।

ननूसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 503-1-0 वर्ग मार्ड है जो गिरधर गोकुल प्लॉट, आमपाली टाकिज के नजदीक तालुका राजकोट में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत न० 1711/16-12-81 है।

आर० आर० शाह
मकान प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, अहमदाबाद

तारीख 7-8-1982
मोहर :

प्रह्लप बाई टॉ.एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1982

निदेश म ० पी० आर० नं० 205९/२३-१/८२-८३--ग्रन्त

मुझे, आर० आर० शाह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है तथा जो रघुवीर परा शेरी, नं० 9,
राजकोट में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 1-12-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन २० दिनों के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, 'निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः'--

1. श्री जीलुभा नानाभाई, गामभाई नानभाई,
गाव बामनबोर,
तालुका : चोटीला,
जिला : राजकोट (मौर्गाड़)

(अन्तरक)

2. स्वास्तीक चेम्बर एसोसियेशन,
सेक्रेटरी : श्री सुधीर कुमार जयन्तीलाल
9, रघुवीर परा, गढ़ीया,
राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही होना करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कांड़ भी व्यक्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकल
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिता इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान जिसका जमीन का क्षेत्र फल 110 वर्ग यार्ड है, जो
9 रघुवीर परा राजकोट में स्थित है तथा मव रजिस्ट्रार राजकोट
रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 8909/1-12-81 है।

आर० आर० शाह
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 7-8-1982

मोहर :

प्रेसप बाइ^१, टी. एन. एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, विनांक 7 अगस्त 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 2058/23- /82-83—अतः
मुझे, आर० आर० शाह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उन अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० में अधिक है
और जिसकी सं० पी० टी० सी० प्लाट नं० 41 और 40 है,
तथा जो इन्डस्ट्रियल एस्टेट, के पीछे, गोडल रोड, राजकोट में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-12-81

को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अत-
रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायितव में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ प्रस्तावी द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए।

उक्त धन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 मैसर्स सनदीप एन्टरप्राइज,
3 मावड़ा प्लाट,
सनदीप एस्टेट,
राजकोट-2

(अन्तरक)

2 मैसर्स रीगल इंजीनियरिंग एन्टरप्राइज,
37-बी, इन्डस्ट्रीयल एस्टेट,
राजकोट-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त व्यक्ति के अवैन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रवैन 6 संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं,
वही अर्थ हींगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मृत्यु

जमीन जिसका क्षेत्रफल 229.80+229.80 वर्ग मीटर
है जो पी०टी० सी० एरिया, राजकोट में स्थित है तथा सब
रजिस्ट्रार राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 6650 और 6652/
17-12-1981 है।

आर० आर० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१, अहमदाबाद

तारीख : 7-8-1982

मोहरः

प्रारूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1982

निर्देश मं. पी० आर० आर० 2057-अर्जन रेज-23-1/82-83—

अंत: मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. सर्वे नं. 853 पैकी है तथा जो खानदान नगर,
जेतपुर जिला राजकोट में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य के यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में किसी करने या उससे बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपर्याप्त :—

(1) जय शक्ति प्रोमेसर्स की ओर से भागीदार, श्री
नीलेश कुमार हरीहर प्रसाद और अन्य, बोखला
दरवाजा, जेतपुर, जिला राजकोट।

(अन्तरक)

(2) रोयल टैक्सटाइल प्रोसेसर्स की ओर से श्री भरन
कुमार बाबुलाल खानपुरा शिवजी खांडसरी जेतपुर
धीरगंजी रोड, गांव पथाला तालुका जेतपुर, जिला
राजकोट।

(अन्तरिती)

क्व यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तस्त्वची

फक्ट्री शेड जिसका जमीन का क्षेत्रफल 1950 वर्ग याड़ है
जो खानदान नगर, जेतपुर में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार
जेतपुर रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 2021/दिसम्बर, 1981 है।

श्रार० आर० शाह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 2-8-1982

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के पश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1982

निर्देश सं ० पी० आर० न० 2056 अर्जन रेज-23-1/82-83-
अत मुख्य, आर० आर० शाह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं ० फैक्ट्री रोड है तथा जो जेतपुर, जूनागढ़ रोड,
राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
राजकोट म १९०८ (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1981पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
ने बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के पश्चीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा गा किया जाना आहिए वा, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात् :—(1) श्री नवनीत लाल हिम्मत लाल काम्यानी और अन्य
खोड़पुर, जेतपुर, जिला राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री चंदुलाल माधवदास भट्टीजा 786 किशनराज
गली मुलजी जेठा मार्किट, वोम्बे-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेद भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित,
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फैक्टरी रोड जिसका जमीन का कुल शेक्षण 1548-7
वर्ग यार्ड है जो जेतपुर जूनागढ़ रोड जेतपुर में स्थित है तथा
मब रजिस्ट्रार जेतपुर रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 1941/
दिसम्बर 1981 है।आर० आर० शाह,
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाददिनांक 7-8-1982
मोदूर,

प्रेस बाई. टी. एन. एस. —————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1982

निर्देश सं ० पी० आर० न० 2055 अर्जन रेज 23-I/82-83—

अतः मुझे, आर० आर० शाह,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 249 वाँ के अधीन अक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारब है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं मात्र है तथा जो रामकृष्ण शेरी नं ० १३ राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए स्थावरित को बई है और मुझे यह विश्वास करने का कारब है कि यहाँपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदूषक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे स्थावरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कारब नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिसे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वाँ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-वाँ की उपाधा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हसमुखलाल मनहरलाल 30, प्रल्लाद प्लॉट, राजकोट

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अंपाबेन गोरखनदास शाह 13, रामकृष्ण नगर, राजकोट

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयित्व करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में बदल होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य अविक्षिय द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीत पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका जमीन का कुल क्षेत्रफल 145-5-0 वर्ग यार्ड है, जो 13, रामकृष्ण नगर, राजकोट में स्थित है तथा यह रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं ० ३७४८/९-१२-८१ है।

आर० आर० शाह,
मकान प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक 7-8-1982
मोहर

प्रलूप आई. टी. एन. एम. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन मूल्य

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1982

निर्देश सं० पी० आर० न० 2054/23-1/82-8 3—अतः

मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में प्लाट नं० १ है तथा जो भक्तिनगर सोसायटी 80 फीट रोड, सर गोपालदास रोड, में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्नर अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरको) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी पन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) सवीताबेन वजेशंकर दत्ते भक्तिनगर सोसायटी 40 फीट राड, शक्ति विलिंग के नजदीक राजकोट

(2) 1. मोहनभाई कानजीभाई
2 श्री विनोद मोहनभाई 'शक्ति' विलिंग, भक्तिनगर सोसायटी 80 फीट रोड मर गोपालदास रोड पंचशील के मामने, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्वक्ता

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 300 एकड़ है (दुकान के साथ) जो भक्तिनगर प्लाट नं० 36-ए/1 राजकोट में स्थित है, पैकी सब रजिस्ट्रार राजकोट रजिस्ट्रीकर्नर विक्रीखत नं० 2705/29-12-81 है।

आर० आर० शाह
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

दिनांक : 7-8-1982

मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2053/23-1/82-83—अतः

मुझे आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी मं० सर्वे नं० 320-1-ए, ब्लाक नं० 487, सर्वे नं०
320-1-वी, 320-2 है तथा जो ब्लाक नं० 485, गांव शीलज
जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधियनयम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उभके दस्यमान प्रतिशत में, एसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने में अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या खन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्थारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः इव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, वे, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

(1) मेगाबेन केशवलाल पटेल

2. पृष्ठानंद वार्द्धमार्द गट्टन

3. बाइमनी सोमाभाई पटेल गाव शीलज, तालुका
दस्तराय, ज़िला अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) सुमंत हीरालाल पारेख और अन्य सनराईजपार्क,
रो० हाउस नं० 8, ड्राइव इन मिनेमा के नजदीक,
थलतोज, अहमदाबाद।

(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
दात्र या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिमका क्षेत्रफल 1 एकड़ 31 गुंठा, 1 एकड़ 2 गुंठा
और 2 एकड़ 7 गुंठा है जो गांव शीलज, तालुका दस्तराय, जिला
अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद
विक्रीखत नं० 14031, 14059, 14012/दिसम्बर, 1981
है।

आर० आर० शाह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक 7-8-1982

सोहूर :

प्रस्तुप आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1982

निर्देश सं० पी० आर० 2052/23-१/82-८३—अत्
मुझे, आर० आर० शाह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन संशम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि प्रधावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० टी० पी० एस० 3, एक० पी० नं० 442, हिम्मा
नं० 3 है तथा जो चंजीसपुर सीमा, अहमदाबाद में स्थित है
(और इससे उपान्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से बनित है).
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पापा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से है इसकी किसी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायितव में
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए प्रौद्योगिकी

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उसके अधिनियम,
या द्वारक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए.अतः, उक्त अधिनियम, की धारा की 269-ब के अनुमरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपषारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11 - 236GT/82

(1) श्री कार्तिका प्रगतियाम पटल या— १३, पहलवांग
नेहरू रोड, बीले पारले, बोम्बे—५७

(अन्तरक)

(2) प्रम० गन० पटेल फैमिली ट्रस्ट ट्रस्टी—मानीबेन
पटेल, “नीलम” चिल्ड्रन अस्पताल के नजदीक,
मीठाखाली, एनिसबीज, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए
कार्यालयों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्पोहस्ताकरी के पास
सिवित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।मकान जो मीठाखाली, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब
रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्नरी बिक्रीखत न० 15158/
दिसम्बर, 1981 है ।आर० आर० शाह,
मकान प्राविकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक 31-7-1982

मोहर :

प्रस्तुप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 अगस्त 1982

निर्देश सं० पी० आर० न० 2051/23-I/82-83—अन्तर्क्रिया की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में सभापति ही होती है, के भीतर प्रवृत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य 119, 122, 123, 124, 126, 128, 137 पैकी, एस० पी० न० 63 है तथा जो वस्त्रापुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्ननिम्न भद्रदेश में उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्ष किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी फरने या उसमें बचने में मरिया के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों पर, जिसके अन्तर्गत आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री रसीकलाल श्रोतुवलाल कटोरिया द्वेतवाड़ी, बोम्बे।
(अन्तरक)
(2) श्री जयस्त कुमार विहारीलाल 82, प्रीतमनगर, एलिसब्रीज, अहमदाबाद।
(अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में सभापति ही होती है, के भीतर प्रवृत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताकरी के पास लीखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मृत्यु

जमीन जिसका श्रेष्ठफल 428 वर्ग यार्ड है जो बांड अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता द्वितीय अन्तरित नं० 14367 और 14368/7-12-81 है।

आर० आर० शाह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक: 2-8-1982

मोहर:

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 अगस्त 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2050/23-१/82-83—अतः
मुझे, आर० आर० शाह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 119, 122, 123, 124, 126, 128, 137/
पैकी एस० पी० नं० 63-66 है तथा जो वस्त्रापुर, अहमदाबाद
में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक, 7 दिसम्बर, 1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हृहृ किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
साथित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;(1) श्री रसीकलाल ओळवलाल कटोरिया खेतवाड़ी
बोम्बे ।

(अन्तरक)

(2) हमुमतीबेन शशीकात शाह के०/आ० आर० जी०
अमीन, 82, प्रीतमनगर, एलिसब्रीज, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना को तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवर्ध्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 428 वर्ग यार्ड है जो वार्ड
अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद
रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 14366 और 14365/7-12-81
है।आर० आर० शाह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-, अहमदाबादज्ञात दृष्टि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
ये अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् —

दिनांक : 2-8-1982

मोल्ड.

प्रूपे आई. टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 अगस्त 1982

निर्देश सं० पी० आर० न० 2049—अर्जन रेज-23-I/82-83
—अतः मृ०, आर० आर० शाह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० टी० पी० एम०-1, एफ० पी०-11 है तथा जो
गनीय, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7 दिसम्बर, 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृ० द्वारा यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पृथक्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के नियन्त्रण पाया गया प्रति-
फल, निम्ननिर्दित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियन्त्रण में वास्त-
विक रूप में कीथित नहीं किया गया है :-(1) रेवांदेन, खोडा जी मोहन जी की विधवा पत्नी, गंव
गनीय, जिला अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) राजेश्वरी गनीय को०-ओ०-हा० सोसायटी लिमिटेड,
श्री जी० के० शर्मा के०/ओ० याशवंधनाथ कार्पोरेशन,
आश्रम रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आधेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
अवैध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिस्तम में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।(क) अन्तरण से हूर्हे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तर्गती व्यावर प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;जमीन जिसका कुल भेत्रफल 11027 वर्ग मीटर है
जो गनीय, जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा मब रजिस्टर
अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत न० 14360, 14361,
14358 और 14359/7-12-1981 है।

आर० आर० शाह,

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक 2-8-1982

गोपनीय:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के द्वारा निम्ननिर्दित व्यक्तियों, प्रधान --

प्रृष्ठ आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 अगस्त 1982

निर्देश मं० पी० आर० नं० 2048-अर्जन रेंज-23-I/82-83

—श्री. मुकेश, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी म० एफ० पी० न० 106, टी० पी० एस० 29, मवें नं० 150 है तथा जो बाड़ अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपांडठ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि दूर्यमान प्रतिफल संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से होई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आवधियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, रेंज, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन, नीमालिखित व्यक्तियों, अधीक्षित:

(1) श्री बलबंद भाई चिमलाल पटेल वंचशील सोमायटी उम्मानपुरा, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) पल्लप अपार्टमेंट ओनर्स एमोसिएशन एवेन्यू फ्लेट्स के सामने, अंकुर रोड, नारायणपुरा, अहमदाबाद-380013

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 714.80 वर्ग मीटर-236.11 वर्ग मीटर है जो बाड़ अहमदाबाद में स्थित है, तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 14842 और 14845/15-12-1981 है।

आर० आर० शाह,
सक्रम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 2-8-1982

मोहर:

प्रहृष्ट आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष 1) अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 अगस्त 1982

निवेश स० पी० आर० न० 2047-अर्जन रेज-23-1/82-83
—अन्. मुझे, आर० आर० शाह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी स० एस० पी० न० 1 स० 3 टी० पी० एस० न० 3
है तथा जो नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें
उपबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधि-
कारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7 दिसम्बर,
1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अतिरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्भित में उत्तीर्ण के
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) गत्सरण से हुई किसी आय की बात है, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उसमें बचाने में संविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
संविधा के लिए;मिल्कत जिसका क्षेत्रफल 2110 वर्ग फीट है जो नवरंग-
पुरा अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद
रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं. 14280/7-12-81 है।आर० आर० शाह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबादअतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—दिनांक : 2-8-1982
मासूर .

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

(1) भैसर्म यार्कलैंड कार्परिंग्सन सम्झूत, हाईकोर्ट रोड, ग्रहमदाबाद-9

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) गिरधर लाल मगनलाल शाह (एन० य० एफ०) शाह हाउस, पी-34, ईंडिया एक्सचेंज नेस, कलकत्ता-1

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 2 अगस्त 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2046-अर्जन रेज-23-1/82-83

—अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० पी० नं० 1 से 3, टी० पी० एम० नं० 3 है तथा जो शेषपुर-बानपुर, नवरांगपुरा ग्रहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण सूची में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदूषण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए लेत पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण ये उक्त अन्तरण तिर्यक में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हैर्ड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के शायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-उत्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से मुविधा के लिए;

अनुसूची

मिलकत जिसका थोक्फल 1020 बर्गफीट है जो नवरांगपुरा ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विश्रीकृत नं० 14274/7-12-81 है।

आर० आर० शाह,
मक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

दिनांक 2-8-1982

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1982

निर्देश मं. पी० आर० नं० 2045-अर्जन रेंज-23-I/82-83

—अतः भुज, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. एफ० पी० नं० 187/1, टी० पी० एस० नं० 3
एस० पी० नं० 7 और 6/1 है तथा जो नवरंगपुरा, अहमदाबाद
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 7 दिसंबर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य से यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से एसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिरी
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दू किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अन अ०, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः:—

(1) आंख की असातान की आर में ग्र० रमण नन्द नगा-
भाई देसाई, जोधपुर टेकरा, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री भीखुमाई फैमिली ट्रस्ट ट्रस्टी सर्गतावेन भीखुमाई
श्रीमाली मोमायटी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी हाई करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

-

अनुसूची

मिलकत जैसे आफिस नं० 17, 18, 27 और 28 जो
टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 187/1 जिसका 2/75 शेर,
70²/₁₅ वर्ग यार्ड है जो जमीन नारनपुर अहमदाबाद में स्थित है
तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं०
14332/7-12-1981 है।

आर० आर० शाह,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 31-7-1982

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2044-अर्जन रेंज-23-I/82-83
—अतः मुझे आर० आर० शाह,आयकर अधिनियम' 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सभी प्राविकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 23,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० एन० पी० नं० 7747 से 7751, एस० पी० नं०
35 ए है तथा जो सर्वे० नं० 42-43, सैजपुर बोधां, अहमदाबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिसम्बर, 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
चुनौत्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कहित
नहीं किया गया है।—(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; प्रीरया(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत: ।—

12-236 GI/82

(1) श्री परशोत्तम भाई शामजीभाई पटेल और अन्य
आनंद टाकिज के सामने, नरोड़ा, अहमदाबाद
(अन्तरक)(2) श्री लखमीचंद मोहनदाम मलानी और अन्य फ्लेट
नं० 5, सिंधु फ्लेट्स, न्यू बंगला, सैजपुर बोधां,
अहमदाबाद
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधानां 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका क्षेत्रफल 412 वर्ग यार्ड है जो सैजपुर
बोधा अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार
अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विशेषत नं० 2036/दिसम्बर,
1981 है।आर० आर० शाह,
सक्षम प्राविकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक: 31-7-1982

मोहर:

प्रस्तुत भारतीय १०००० एम०-

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा

269-वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2043-अर्जन रेंज-23-I/82-83

—अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-वा के प्रधीन सत्र प्राधिकारों को यह विश्वास करने का गारंग है। उक्त स्थान सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० एफ० पी० नं० 320, एम० पी० नं० 8, फ्लेट नं० बी०-6 है तथा जो मीठाखली, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17 दिसम्बर, 1981 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्वेषण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं दिया गया है।—

(क) प्रन्तरण में दुई किसी प्राप्त को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदले में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसो किसी आप या किसी वन या अन्य प्रास्तियों ने जिन्हे भारीप पान-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वा प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी दारा प्रकट नहीं किया गया वा या इया जाना चाहिए था, छिपाने में विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-वा के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;—

(1) मीनल लैण्ड डंबलनेपमेट की ओर से प्रमोदभाई, रनीलाल और अन्य 'श्रेयम' नवरंगपुरा, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) पन्लवी पार्क एपार्टमेंट ग्रोनमै एसोसिएशन
1. डा० चौधाराम आर० गांधी और अन्य
2 श्रीमनी रन्नाबेन मी० गांधी, पन्लवीपार्क, एपार्टमेंट्स नवरंगपुरा, अहमदाबाद
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजां के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के पीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाकारी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

संषोधीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-वा में परिभाषित हैं, वही अर्थ देंगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 136-57, बी०-6, जो मीठाखली अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्री-खत नं० 14914/17-12-1981 है।

आर० आर० शाह,
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 31-7-1982

मोहर :

प्रस्तुत बाईं. टी. एन एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2042-अर्जन रेज-23 I/82-83

—अतः मझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० न० 320, एस० पी० न० 8, फ्लेट
न० 4 है तथा जो मीठाखली, अहमदाबाद में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
17 दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इसमान प्रांतफल से, एक दूसरे इसके इनफल वा
पंद्रह अंतिशत से अधिक है और अंतरक (अंत रक्कों) और अंतरिती
(अन्तार्निर्दिती) के बीच एस० अन्तरण के लिए तथा पाण गया प्रांत
फल निम्नलिखित सुदृढ़देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इसी किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तातः:—

(1) मीनल लैण्ड डेवलपमेंट की ओर से प्रमोटर्स रत्नाला
और अन्य "श्रेयस", नवरंगपुरा, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) पल्लपीपार्क एपार्टमेंट ऑनर्स एसोसिएशन श्री यीयूप
रत्नाला शाह "श्रेयस", नवरंगपुरा, अहमदाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन को लारील से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवाक्ष
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहमताक्षरी क
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट जिसका कुल क्षेत्रफल 136.57 वर्ग यार्ड है जो
मीठाखली अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद
रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 14913/17-12-1981 है।

आर० आर० शा०,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 31-7-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1982

निवेश सं० पी० आर० नं० 2041/23-1/82-83—प्रतः

मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 137, हिस्ता नं० 6/2, है तथा जो राजपुर, हीरपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23 दिसम्बर, 1981

को पर्वतित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजार, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुनिभा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रदोषनार्थ अन्तिरिक्त बाजार प्रकट नहीं किया जाया था या किया जाना जाए है या, छिपाने में सुनिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री जमनादास वेलजीभाई इफ्फर रायपुर भील के नजदीक, गुजरात हाऊसिंग सोसायटी ब्लॉक नं० 24, आर० नं० 94, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्रमर सिंह भाई प्रेमजी भाई दलसानिया रणजीत भाई हरीभाई सोलंकी की चाली, रखीयाल, सुखरामनगर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई श्री कालोपुः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 661 वर्ग यार्ड है जो राजपुर हीरपुर अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 15928/23-12-81 है।

श्रार० श्रार० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 31-7-1982
मोहर:

प्रस्तुप आइ०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1982

निर्देश स ० पी० आर० नं० 2040/23-I/82-83—अत मुझे,

आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी म० सर्वे न० 150 प की ऐस० पी० न० 15
तथा जो वाडज अहमदाबाद मे स्थित है (और इसे उपाबद्ध
अनुसूची मे पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अहमदाबाद मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ्वह इतिशत मे अधिक है और अतरक (अतरको) और अन्तरिती
(अतरितियो) के बीच एसे अतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वाम्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है —(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व मे कमी करन या उसमे बचने मे सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मे
सुविधा के लिए,(1) अनील एन्टरप्राइजेज की ओर से कान्तीलाल हीरालाल
(एच० ए० एफ०) लीमडावाली पोल, सरसपुर,
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) न्यू रूपल एपार्टमेंट को० ओ० हा० सोमायटी
प्रोमोटर्स—चद्रकान्त पी० शाह और अन्य लीमडावाली
पोल, सरसपुर, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित मे किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित
हैं, वही वर्थ होंगा जो उस अध्याय मे विद्या
गया है ।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 843 वर्ग यार्ड है जो वाडज
अहमदाबाद मे स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्री-
कर्ता विक्रीखत न० 15436/दिसम्बर 1981 है ।आर० आर० शाह
मध्यम प्राधिकारी
महायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१, अहमदाबाददिनांक 31-7-1982
मोहरअतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, प्रान्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

प्र० र० आर्द्ध.टो.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1982

निर्देश स० पी० आर० न० 2039/23-I/82-83 अत—
मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० एफ० पी० न० 701 ती० पी० एस० 6 सब
प्लाट न० 5 है तथा जो छड़ावड़, मादलपुर अहमदाबाद में स्थित
है (और इसमें उपावड़ अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21
दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मूँहे थहर विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त भर्त्ता का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धत प्रतिशत में अधिक है और अतर्क (अतर्क) और अतरिक्त
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए,

(1) श्री बालकृष्ण चद्गलाल मोदी "खेतान भवन", पाचवा
मजिला 198-जी, ताता रोड, चर्चगेट, बोम्बे

(अन्तरक)

(2) नीयती एड अपर फैमिली इस्ट श्री बालकृष्ण सी०
मोदी बसन्त महल, 'सी' रोड, चर्च गेट, बोम्बे

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप .--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनूसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 990 वर्ग यार्ड है, जो छड़ावड़,
मादलपुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदा-
बाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत न० 15109/21-12-81 है।

आर० आर० शाह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज J, अहमदाबाद

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

दिनांक 31-7-1982
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री पूर्ण चन्द चंदा सुपुत्र स्वर्गीय लाला भगवान दाम
चंदा, निवासी 197 न्यू पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता
प
(अन्तरक)

(2) मैं ध्रुव कन्द्रक्षण का प्रा० नि० 1205, न्यू दिल्ली
हाउस, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 17 अगस्त 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० I/एस० आर०-3/12-
81/1530—अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी मं० 110 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली-
48, में स्थित है (ओर इसे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिसम्बर, 1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या ऐसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती बाबा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
निधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एस० 110 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली-48,
भूमि का भाष्य 300 वर्गगज,एस० आर० गुप्ता,
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली-110002दिनांक : 17-8-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री पप्पू मूर्यनारायणा
मद्रास मोटार फाइनांस

(अन्तर्क)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीर वेरनटी कम्पनी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अगस्त 1982

निदेश सं० 16882,—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 5, है, जो सौत माठा स्ट्रीट मद्रास-4 में स्थित
है (प्रौढ़ इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास—सौत (डाकूमेंट सं०
3312/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 81का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

अनुसूची

(ल) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सहायता
के लिए;भूमि और निर्माण—5 सौत माठा स्ट्रीट, मद्रास-4
(डाकूमेंट सं० 3312/81)

आर० पी० पिल्लै

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रासअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः :—दिनांक : 5-8-1982
मोहर :

प्ररूप शार्दूल टी० एन० एस०

(1) श्री वल्लयम्माल आचि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० विजय कुमार और अदस

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अगस्त 1982

निदेश सं० 16874—यत मुझे, आर० पी पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 156 और 156/1 है जो जुन-गमपाखम (डाक्यूमेट सं० 2862/81) में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अल. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 13-236G1/82

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि आर० एस० सं० 156/1 और 156 जूनगमपाखम (डाक्यूमेट सं० 2862/81)

आर० पी० पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक : 5-8-1982
मोहर

प्रह्लाद आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती कामचना देवी और अदर्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री जवाहरलाल

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अगस्त 1982

निदेश सं 11850—यत. मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, को धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. सं अधिक हैऔर जिसकी सं 10/103, है, जो वेस्ट वेनकटस्वामी रोड,
कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपावड्ड अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर
(डाक्यूमेंट सं 6320/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—क्वे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बवधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।उपर्योगितरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी माप की नोबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि और निर्माण—10/103, वस्ट, वेनकटस्वामी रोड,
कोयम्बतूर (डाक्यूमेंट सं 6320/81)(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्रती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;श्रार० पी० पिल्लै
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रासअतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्स अधिनियम की भाग 269-ष की उपायारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—दिनांक : 2 अगस्त, 1982
मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एस० एस०

प्राप्ति अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
संघर्ष अधिकारी, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 अगस्त 1982

त्रिवेश सं० 16873—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व
के अधीन संघर्ष अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 1567/10 है, जो ब्लाक
सं० 31, मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
टी० नगर (डाक्यूमेंट सं० 2853/81) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
भौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भत्ता या अन्य वार्तायों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, क्षणने
में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, भौर, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1() श्री आर० मनजुनात सै प्रौर अदर्दम

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अविना आर० श्रीहरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के
लिए कार्यवाहिया करता है ।

उक्त समानि के अंतर्वेदन में कोन सी ग्राहनें :—

(ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख ते 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाइंद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में तितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोह्यताभरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण आर० एस० 1567/10, ब्लाक सं०
31, मद्रास-4 (डाक्यूमेंट सं० 2853/81)

आर० पी० पिल्लै
संघर्ष अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अंतर्वेदन रेज-८, मद्रास

दिनांक : 5 अगस्त 1982

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती मीतालकशमी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्री रामू गमस्वामी पिल्लै
नटेसम पिल्लै

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अन्तरिती)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त 1982

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

निदेश सं० 9595—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० टी० एस० 96, है, जो ट्रिची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वीरेयूर (डाक्यूमेंट सं० 3261-3263, 3315-3317/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्तराधार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या बचत में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि टी० एस० 96 ट्रिची (डाक्यूमेंट सं० 3261-3263, 3315-3317/81)

आर० पी० पिल्लै
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भूमि उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 6-8-1982
मोहर :

प्रस्तुप बाहूँ.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एम० सी० जेयशंकर और अदर्श

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री किशोर घोकलदाम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 जुलाई 1982

निदेश मं० 98/दिसम्बर/81—यस : मुझे, एस लहिंगी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का दारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है

और जिसकी सं० 17, है, जो हालस रोड, मद्रास-10 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमुक्ती में और पूर्ण रूप से अर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट (डाक्यूमेट सं० 1665/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुद्धित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विस्तीर्ण अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण में दुई ऐसी प्राप्ति जी बाबा, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वारितयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में संविधा के लिए;

भूमि और निर्माण-17, हालस गोड मद्रास-10

एस० लहिंगी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 28-7-1982
मोहर .

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----
प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 31 जुलाई, 1982

निवेश मं० 94/दिसम्बर, /81—यतः मुझे, एस० लहिरी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ग के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 2, है, जो अप्पा बार ठन रोड, मद्रास-10 में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट (डाक्यूमेंट
सं० 1193/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक विसम्बर, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि पश्चापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल हा पद्धति प्रतिशत अधिक है और
अन्तरण (अन्तरात्मा) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त पन्नरण विविध में वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरात्मा के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में गृहिष्ठा न हिंग;

(1) श्री के० ग्रामवादार और अदर्म

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रजिया एरिफ

(अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या न्तसंबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन ही प्रतिप्रिय, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अशोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अथ होगा, जो उस अध्याय में स्थित है।

मनूसूची

भूमि श्रीर निर्माण-2, अप्पा बारठन रोड, मद्रास-10
(डाक्यूमेंट सं० 1193/81)

एम० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 31-7-1982

मोहर :

प्रखण्ड आई. टी. एन. एस. --
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

(1) श्री आरोचिय पिलौ
 (अन्तरक)
 (2) श्री कौ. पेरियस्वामी
 (अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास
 मद्रास, दिनांक 31 जुलाई 1982

निवेश सं. 24/दिसम्बर, /81—यतः मुझे, एस० लहिरी,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
 मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे 207/6, 10, है, जो नारायण स्ट्रीट अलगा-
 पुरम, सेलम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम
 (डाक्यूमेंट सं. 7571/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981
 को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित 30 गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एं दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृढ़
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाहत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करना या उससे बचने में सुविधा
 के सिए, और/या

(ख) एस० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती कारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
 लिए;

अनुसूची

भूमि और निर्माण-10, नारायण स्ट्रीट अलगापुरम,
 सेलम (डाक्यूमेंट सं. 7571/81)

एस० लहिरी
 सक्षम प्राधिकारी
 महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-1, मद्रास

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
 में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अनुतः—

दिनांक : 31-7-1982
 मोहूर : _____

प्रलूप ग्राइंडी० टी० एन० एस०—

(1) श्री एस० नारायणस्वामी

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अश्विनी कुमार प्रदे

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अगस्त 1982

निदेश स० 68/विसम्बर, /81—यत्, मुझे, एस० लहिरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० ग्रीनकर है, जो प्लाट 11, चेट्टियार रोड, कीटैकानल में स्थित है (और उससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कीटैकानल (डाक्यूमेंट स० 525/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक दिसम्बर, 1981 को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नव पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, वर्षात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइँ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या न्यूनतम अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकता द्वारा, प्रधोदनाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीहरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ण होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—ग्रीनकर 11, चेट्टियार रोड, कीटैकानल (डाक्यूमेंट स० 525/81)

०१०० लहिरी
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक : 7-8-1982
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री पी० सीतारामन

(अन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

(2) श्री मोहम्मद शेरीफ

(प्रत्यक्षित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपात्र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अगस्त 1982

निवेश सं० 69/दिसम्बर/81-यत. मुम्भे, एम० लहिरी,
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी मं० कूल बरन, है जो 101 सी, अबसरखेटरी रोड,
कोडेकनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडेकनाल
(डाक्यूमेट सं० 538/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिसम्बर, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं० कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत गं अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिता
के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, लिपाने में मरिपा के लिए;

ममूल्या

भूमि और निर्माण—कूल बरन 101 सी, अबसरखेटरी रोड,
कोडेकनाल (डाक्यूमेट सं० 538/81)

एम० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
14-236GT/82

दिनांक : 9-8-1982

मोहर :

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती रा० सीतालक्ष्मी

(प्रत्तरक)

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को बारा
269-ए(1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री पी० रत्नवेल, ग्राममुहम, और चित्तराजू
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त 1982

निवेश सं० 66 और 67/दिसम्बर/81—यतः मुझे, एम० नहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वा० एवं चित्तदास द्वारा का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 730/4 ए. डै, जो दिनडुगल में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिनडुगल (डाक्यूमेंट सं० 2396 और 2397/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हस्यमान प्रतिफल से, ऐसे हस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 730/4 ए, दिनडुगल
(डाक्यूमेंट सं० 2396 और 2397/81)

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जारीनियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकत्र नहीं हिदा दी थी या किया जाना चाहिए था, द्वितीय से भवित्वा के लिए;

०८० लहिरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेज, मद्रास

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अन्तरण के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
में अधीन निम्ननिश्चित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक : 11-8-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री सी० पी० सिवगारम और ग्रदसे

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राम० चिन्नस्वामी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त, 1982

निवेश स० 11771—यत मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है
और जिसकी स० 282-290, 290ए, 291, 292, 292ए,
292 बी, 293, 294, 295 हैं तथा जो टेलुमनगुपालयमें
स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर
(डाक्यूमेंट स० 5769/81) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वांश्यत्व में कमी करने या उससे अच्छने में सूचिधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी जाना चाहिए था छिपाने में सूचिधा
के लिए,

उत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व वे उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षण —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्द और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—282-290, 290 ए, 291,
292, 292ए, 292 बी, 293, 294, 295 टेलुमनगुपालयम,
कोयम्बतूर (डाक्यूमेंट स० 5769/81)

आर० पी० पिल्लै
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

दिनांक 6-8-1982
मोहर .

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त 1982

निदेश सं० 11771—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, -
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 282, 290, 290ए, 291, 292, 292ए, 292 बी, 293, 294, 295, है तथा जो टेलुगुपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाक्यूमेंट सं० 5770/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1981 के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ अक्षय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने पै संविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सी० पी० सिनगारम और अदर्स

(अन्तरक)

(2) श्री मुत्तप्पन और आरमुहम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—282-290, 290ए, 291, 292, 292ए, 292 बी, 293, 294, 294, 295, टेलुगुपालयम कोयम्बतूर ।

(डाक्यूमेंट सं० 5770/81)

आर० पी० पिल्लै
सक्षम 'प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

दिनांक : 6-8-1982

मोहर :

प्रलेप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री सी० पी० सिंगारम और ग्रदरस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अष्टनासियप्पन

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त 1982

निदेश मं० 11771 अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै' आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 282, 290, 290 रा०, 291, 292, 292 रा०, 292 बी०, 293, 294, 295 है, जो टेलुगुगुलालय में स्थित है (और इसे उपाबन्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कोयम्बत्तूर (डाक्यूमेंट सं० 5771/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्षे) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्झ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सूचिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिनक्षत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तस्तूषी

भूमि और मिर्माण—282-290, 290 रा०, 291, 292, 292 रा०, 292 बी०, 293, 294, 295, टेलुगु-पालयम् ।

(डाक्यूमेंट सं० 5771/81)

आर० पी० पिल्लै
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (रीक्षण)
अर्जन रेज-II सद्राम

दिनांक : 6-8-1982

मोहर :

प्रकप आई० टी० एन० एस०---

(1) श्री सी० पी० सिनगारम और अदर्स

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन मूल्य(2) श्री चेपिमले धोड़र
रनगस्तामी धोड़र

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त 1982

निदेश सं० 11771—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० 282-290, 290 रा०, 291, 292, 292 रा०, 292 बी०, 293, 294, 295 है, जो टेलुनगुपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाक्यूमेंट सं० 5772/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति ना उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुई किसी प्राय की वावत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, संक्ष प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्बन्ध में कोई भा आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन ने 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हाष्ठीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है, वही पर्व होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—282-290, 2890 रा०, 291, 292, 292 रा०, 292 बी०, 293, 294, 295, टेलुनगुपालयम (डाक्यूमेंट सं० 5772/81)

आर० पी० पिल्लै
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 6-8-1982
मोहर :

प्रृष्ठ पाइ. टी एन एस -----

(1) श्रीमती तुलसिमनी और ग्रहसं

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना(2) गांधीजी को० आपरेटिव
बिल्डिंग सोसाइटी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 अगस्त 1982

निदेश सं० 11764—यह मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 365 है, जो सूरियमपालयम में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मवानि (डाक्यूमेंट सं०
3025, 3026, 3027/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यभान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से ग़ा़से दृश्यभान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए:
और/या

(ग) ग़ा़सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

मृत्यु/या

मूलि सर्वे सं० 365, सूरियमपालयम
(डाक्यूमेंट सं० 3025-3027/81)आर० पी० पिल्लै
सक्षम प्राधिकारीमहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उण्ठाना (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

दिनांक 3-8-82
मोहर :

प्रश्न नार्ह टी.ए.एस.प्र०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 11 अगस्त 1982

निवेश सं 11760—यतः मुझे, आर० पी० पिलै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 1158-1161, पोल्लाची है, जो मरिचनायनपालयम में स्थित है (और इससे उपचाल में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, आनैमलै डाक्यूमेंट सं० 1608/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के स्थान प्रतिफल के लिए असरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हर्दि किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दिने के अन्तरक के विवित में कोई करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) दोस्री किसी बाय या किसी भूमि का अन्य आस्तीयों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कुम्पुस्वामी घोड़र और अदर्स

(अन्तरक)

(2) श्री सुम्मेयन और अदर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाटी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—सर्वे सं० 1158, 1159, 1160, 1161,
मरिचनायनपालयम, पोल्लाची
(डाक्यूमेंट सं० 1608/81)

आर० पी० पिलै
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक : 11-8-1982

मोहर :

प्रलेप प्राइवी टी० एस० एस०

(1) श्री टी० एस० के० भारी

(अन्तरक)

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री हमीद और
बहीना हमीद

269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त 1982

मिवेश सं० 11765—वक्त: मुक्ते, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सैट सं० 6, है, तथा जो रामचन्द्रा ले आउट तेलुगु-पालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बत्तूर (डाक्यूमेंट सं० 5277/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यव/पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल हा पर्यह प्रतिशत से अधिन है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(a) अन्तरण में ही किसी पाय को बाबन आयकर अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के कार्यित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(b) देसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगानन्दे अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अनुसूची

भूमि और मिर्माण—सैट 6, रामचन्द्रा ले आउट, तेलुगु-पालयम, कोयम्बत्तूर (डाक्यूमेंट सं० 5277/81)

आर० पी० पिल्लै,

सभी प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

दिनांक : 6-8-1982

मोहर :

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुमति में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अनुरित :—
15-236GI/82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) डॉक्टर सी० राव सनतानम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कासी हेच० शा०

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त, 1982

निदेश सं० 11769—यत् मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 13/2, 17/1 ए०, 18/1 और 18/2 है, जो
श्रीराम ने आउट कीमारपालयम में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध
अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी,
के कार्यालय कोयमबत्तर (डाक्यूमेंट सं० 5647/81) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित
(अन्तरितिया) के बाजे ए० से अन्तरितिया के बाजे नया पाया गया, तो
कल निम्नलिखित नदूदर्श भू उक्त अन्तरण अन्तरित मा वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हृइ० किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक क
वायिस्प बै० कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए;

अनूसूची

भूमि सर्वे 13/2, 17/1 ए०, 18/1 और 18/2 श्रीराम
ने आउट, कोमारपालयम (डाक्यूमेंट सं० 5647/81)

आर० पी० पिल्लै
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

जत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 6-8-1982

मोहर :

प्रस्तुत अर्थ, टी. एन. एस.-----

(1) श्री कुण्ठमाल

(अन्तरक)

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वी. सिवरामन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त, 1982

निदेश सं. 11773—यत. मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाहास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सर्वे 562 है तथा जो तेलुगुपालयम् कोयमबत्तूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय, कोयमबत्तूर (डाक्यूमेंट सं. 5824/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसंबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विवाहास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण ऐ ही किसी आप तो चावन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के पन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य ग्रासितियों दो, जिन्हें भारतीय आगन्त्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ ग्रन्तिनी द्वारा प्रदद नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविंग के निम।

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

को उक्त सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन निपायावाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन न सम्बन्ध में कोई भा आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति द्वारा हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधारी के ताम लिखित में किए जा सकेंगे।

दण्डनीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उपर अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं. 562 और टी० एस० 12/44, नेलुगुपालमम्, कोयमबत्तूर (डाक्यूमेंट सं. 5824/81)

आर० पी० पिल्लै,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

दिनांक 6-8-1982

मोहर :

प्रण आहू. टी. एल. एस.-----

(1) श्रीमती राधिका देवी

(प्रत्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गणनिष्ठामी शौडर

(अन्तरिती)

भारत मराकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त, 1982

निदेश मं. 11761—यत् मुझे, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी वेत्ता, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिमवात् उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है
और जिसकी मं. संवेद 1523, 1523/1 मी. है, जो कोट्टर में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध में और पूर्ण स्वप में वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मानेमलै (डाक्यूमेंट मं. 16
1600/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिसंबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्के यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में से दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कीथस नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दवेते के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,
और/या

(ख) एम्बी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिल्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बत्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त स्लॉ और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मानसूची

भूमि संवेद 1522, 1523/1 मी, कोट्टर
(डाक्यूमेंट मं. 1600/81)

आर० पी० पिल्लै
मक्षम प्राधिकारी
महामंडप आमदार आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

दिनांक : 6-8-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री चोविन्दराजू और दलकशमी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ए (1) के अधीन सूचना
भारत भरकार.

(2) श्रीमती कुणाधी और
श्रीमती मरम्ती

(ग्रन्तिर्गती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयत्क (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

मध्यास, दिनांक 6 अगस्त, 1982

निदेश सं. 11763—यतः मुझ, आर० पी० पिल्लै,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर समर्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी मं. 7, 7 ए, 7 बी, 7 सी, और 7 ई है, जो
बवानी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बवानी (डाक्यूमेंट
सं. 2832/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से एसे दृश्यभान प्रतिफल का पूर्वोक्त
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने से संविधा
के लिए; और/या

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में
मूल्यांकन के लिए;

भूमि और निर्माण—7इ, 7ए, 7बी, 9 और 7ई
बवानी।
(डाक्यूमेंट सं. 2832/81)

आर० पी० पिल्लै
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

दिनांक 6 अगस्त, 1982
मोहर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.

(1) श्री पलनियम नाडार और अवसं

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्री बी० चिंदा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अन्तरिमी)

अर्जन रेज मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त, 1982

निवेश सं० 11768—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- से अधिक हैऔर जिसकी सं० संबंधी 749, 722, 751/3, 748 है, जो
कलिखनायद्वनपालयम कोयमबतूर में स्थित है (और इसमें
उपावड में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, कोयमबतूर (डाक्यूमेंट सं० 5641/81) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिसम्बर, 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल तिम्लिलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
तिलित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उसने अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
संविधा के लिए;भूमि संबंधी सं० 749, 722, 751/3, 748 कलिखनायद्व-
नपालयम ।

(डाक्यूमेंट सं० 5641/81)

आर० पी० पिल्लै
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रासअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, तिम्लिलित व्यक्तियों, अर्थातः—दिनांक 6-8-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री दीपक कुमार कान्तिलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) रमेश चोपरा और श्रीमती बन्दना चोपरा
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 जुलाई, 1982

निर्देश सं० ए० सी०/रज-II/कल/1982—यत मुझे,
के० सिंहा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी म० 23 ए०/142 है तथा जो डाईमण्ड हारबार
रोड, कलकत्ता में स्थित है (और हमसे उपादान अनुसूची में प्रीर
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डि०
आर० अलीपुर, 24-परगना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-12-81
को प्रवृद्धत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवृद्धत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसें दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(घ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक रूप से
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके प्रवृद्धत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
45 दिन की अवधि या तस्वीधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रवृद्धत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रवाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हृदृ-
बृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।क्षेत्र . 5 कट्टा, 7 छटाक, 11 वर्ग फुट मय बिल्डिंग 1 भवन
सं० 23 ए०/142, डाईमण्ड हारबर रोड, ब्लॉक "जी" न्यू
अलीपुर, कलकत्ता—53।के० सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II
54, रफी अहमद किंवद्दि रोड,
कलकत्ता—16दिनांक : 19-7-1982
मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 16 जुलाई, 1982

निर्देश स० ए० सी०/रेज-II कन०/1982—यतः मुझे,
के० सिङ्गा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इनमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
को धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह
विवाद फरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी म० 1 सी०, राजहन्स है तथा जो 6, पार्क हैंस्टिंग
रोड, कलकत्ता-27 में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
आर० ए०, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-12-1982
को पूर्णकृत समाप्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
कृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त समाप्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यपान प्रतिफल का पश्चृ
प्राप्त अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
उक्तविध रूप न किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिस्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के बयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिर था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

(1) मेसरी अशोक मार्केटिंग लिं.

(अन्तरक)

(2) रगिना दुर्वृ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में नोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संगठी हरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होंगा, जो उम अध्याय में
दिया गया है।

फ्लैट स० १ सी०, राजहन्स (राजहंस)

6, हैंसिंग्स पार्क रोड, कलकत्ता-27

के० सिङ्गा

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II

54, रफी अहमद किंदवई रोड,

कलकत्ता-16

दिनांक : 16-7-1982

माहर :

प्रख्याप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती समीरा मिश्रा

(अन्तरक)

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्से बागीर सिन्थोटेक्स, प्रा० लि०

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 2 अगस्त, 1982

निर्देश सं० ए० सी०/रेज-II/कल०/1982—यतः सुमि०
के० सिल्हा०आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध
से वशी० वशी आविहारों वा०, यदि विश्वास इरान का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति विश्वास उद्दित गाया मूल्य 25 000/-
रुपए में अधिक है और जिसकीसं० 1 ए०, रामा कान्त मेन लेन, उल्टाडागा है तथा जो
थाना—माणिकताना, कलकत्ता 56 में स्थित है (और इस में उपायद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी
के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और सुमि० यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्त्रक (मन्त्रकों) और
ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितीयों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य पर उक्त प्रतिकल लिखित में
वास्तविक रूप से उल्लिखित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से दुई किमी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्र में
कमी करने या उसमें बबत म सुविधा के लिए;
और/या,

मन्त्रक

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए।

क्षेत्र : 1 बिष्णा, 15 कट्टूह, 12 बर्गफुट

1ए०, रामा कान्त मेन लेन, ऊल्टाडागा, कलकत्ता में।

के० सिल्हा०
सभम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेज-II
54, रफी अहमद किदवई रोड,
कलकत्ता-16

दिनांक : 2-8-1982

मोहर

अन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 अगस्त, 1982

निर्देश स० ए० सी०/रेज-II/कल०/1982—यह मुझे,
के० सिल्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ध के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी स० 136/118/1, होची०मिन मरणी है तथा जो
थाना-बेहला, कलकत्ता-8 से प्रियत है (और इससे उपायद्व
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय एस० आर० ए० कलकत्तामें, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
14-12-1981को पर्वतित सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उसमें बदलने में सूचिधा के लिए;
और/या

मनुसंही

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, हिपाने में सविधा
के लिए,अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्रीमती साधासतारा मित्रा

(अन्तरक)

(2) स्मृति भास

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधोप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोन्माकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।क्षेत्र : 2 बिधा, 3 कट्टाह, 40 वर्गफ्लॅट, 136/118/1, हो०
ची०मिन सरणी, थाना-बेहला, कलकत्ता-8।के० सिल्हा
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II,
54, रफी शहमद किल्डई रोड,
कलकत्ता-16दिनांक 2-8-1982
मोहर

प्रेस्प्र बाई० दी० एन० एस०

(1) (1) श्री महाराज कुमार सीमेंद्र चन्द्र नन्दी

(2) रत्ना नन्दी (3) समीत नन्दी,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) मेसर्स आराधणा इनवेस्टमेंट लि०

269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 अगस्त, 1982

निर्देश सं० टी० आर० 262/81-82/आर०-आई०/
एस० पी०/640—यस: मुझे, के० सिल्हा,(3) श्री नीहार रन्सन, धक्कर्ता (2) गिरिजा मारकेटिंग
प्राइवेट लि०, (3) आर० के० जगतेवारी (4)
एस० एन० भरमा (5) पि० एच० भाण्डारी
(6) सम्बृद्धि इनवेस्टमेंट, प्रा० लि० (7) मरगान
श्रीयाकार एण्ड कम्पनी लि० (8) एन० के० ब्रह्मी
(9) रिलायेन्स पर्यांकि इंडिस्ट्रियल प्रा० लि०
(वह व्यक्ति जिसके अभियोग में सम्बन्धित हैं)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. सं अधिक हैऔर जिसकी मं० 2/1 है तथा जो रामे स्ट्रीट में स्थित है और
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
9-12-81को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कठित नहीं किया गया है:-को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मुद्रित

2/1, रासेल स्ट्रीट, कल० में अवस्थित दो तल्ला मकान
जो कि एक बिंदा 14 कट्टा, 8 छटाक 20 वर्ग फुट जमीन पर
अवस्थित और जो 9-12-81 तारीख में डीड नं० 1-10102
अनुसार सब रजिस्ट्रार आफ कलकत्ता के दफतर में रजिस्टर हुआ।के० सिल्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II
54, रफी ग्रहमद किल्डर रोड,
कलकत्ता—16

दिनांक : 31-8-1982

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 5 अगस्त, 1982

निर्देश सं० 62/33264/81-82/एक्वी०/ब००—यतः मुझे,
मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 48, है, तथा जो मावलली टाक बण्ड रोड,
बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवगुडी
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 16-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिष्ठान से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रती-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
शर्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अद्वा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् '—'

(1) श्री एस० राज गोपाल

। एस० अब 15, रुतलाण्ड गेट,
IV आस, मद्रास-600006

(अन्तरक)

(2) श्री के० सुनियम्मा

कामिका पुरम कुप्पम पोस्ट
पुत्तूर तालुक, चित्तूर जिला

(अन्तरिती)

करे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2783 दिनांक 16-12-81) भूमि का
नं० 48, मावलली टाक बण्ड रोड, बैंगलूर।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक : 5-8-1982

माहर :

प्रस्तुत वाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 5 अगस्त 1982

निर्देश सं० 62/33263/81-82/प्रक्री०/व—यत. मुझे,

मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इसमें
इसके पश्चात् 'उन अधिनियम कहा गया है), को धारा
269-व के अधीन पत्रम प्राधिकारी को, यह विवरण वरने
का जारण है कि खावर गणति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैऔर जिनकी सं० 48, है, तथा जो मात्रली टाक, वण्ड रोड,
बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में आंग पूण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वसव-
गुन्डी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 16-12-1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं० कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य के यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरीतीयों) के बीच इसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हृदृश्य किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बद्धन में संविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपध.रा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ४—

(1) श्री प्रसाद राजगोपालन

नं० आई० सी० अब नं० 15, खत्लाण्ड गेट
चौथा स्ट्रीट, मद्रास-600006

(अन्तरक)

(2) श्री जी० मी० ज्योती लक्ष्मी

और जी० मि�० राज शेकर
उनके प्रनिनिधि करने वाली उनकी माता
श्रीमती शंकुनलम्मा

16, गुण्णा रोड, वगनगुन्डी, बैंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूझ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2784 दिनांक 16-12-81)
भूमि का नं० 48, मात्रली टांक बंड नेड, बैंगलूर ।मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक 5-8-82

मोहर :

प्रस्तुप जाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर
बैंगलूर, दिनांक 5 अगस्त, 1982

निर्देश सं 62/35490/82-83/एम्सी०/बै०—यतः मुझे,
मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 45/13 (1/18 भाग) है तथा जो प्रोमनेड
रोड, बैंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 16-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितायों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाजत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सोनिया एवं बनानि और कुछ लोग
नं 2, सिद्धरामप्पा मार्केट
ए० एम० लेन, चिक पेट
बैंगलूर-560053

(अन्तरक)

(2) श्री नारायण के० बलानि
नानिक के० बलानि
चौथा फ्लोर शिवदर्शन
इन्फैट्री रोड, बैंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोइ भी आक्षण्प:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निम्नित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं 833 दिनांक 16-6-1982)
सम्पत्ति 45/13 के 1/18 भाग, प्रोमनेड रोड, बैंगलूर।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक 5-8-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 5 अगस्त, 1982

निर्वेश सं० सी० आर० नं० 62/33247/81-82/प्रकृती०/

बैंगलूर, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 45/13, (1/18 भाग) है, तथा जो प्रोमनेड रोड, बैंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के 'उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ ह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/एवं

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सोन्या एवं बलानि तथा कुछ लोग
नं० 2, सिद्धरामप्पा मार्केट
प० एम० नेत, चिक पेट
बैंगलूर-53

(अन्तर्गत)

(2) श्री लाज एम० मवनानि
श्री मोहनदास सबनानिक पति
नं० 10, सिन्दूर कालोनी
काक्स रवून, बैंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूत्सूची

(दस्तावेज सं० 2784 दिनांक 11-2-81)

सम्पत्ति का 1/18 भाग नं० 45/13, प्रोमनेड रोड, बैंगलूर

मंजु माधवन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक : 5-8-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन एम - ----

(1) श्रीमती सोन्या एत बलानि और कुछ लोग

नं० 2, सिद्धरामप्पा मार्केट
ए० एम० लेन, चिकपेट, बेगलूर

(अन्तरक)

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ष (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बेगलूर

बेगलूर, दिनांक 5 अगस्त 1982

निर्देश स० मी० आर० न० 62/33219/81-82/एक्वी०

बै०—यत्. मुझे, मजु माधवन

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० 45/13, (1/18 भाग) है, तथा जो प्रोमनेड गोड बेगलूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्ननिमित्त उद्द्वेश्य में उक्त अन्तरण निमित्त में बास्तविक रूप में कठित नहीं किया रखा है —

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए,

(1) श्रीमती सोन्या एत बलानि और कुछ लोग

नं० 2, सिद्धरामप्पा मार्केट

ए० एम० लेन, चिकपेट, बेगलूर

(अन्तरक)

(2) एन० इल्लू० बलवानि तथा डि० एन० रेलवानि चौधा फ्लोर शिवदर्शन, इन्फैण्टी रोड,
बेगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उधाहस्ताक्षरी के पाम निमित्त भी किए जा सकेंगे।

स्टाटीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभ्युक्ती

(दस्तावेज स० 2862 दिनांक 18-12-82)

सम्पत्ति 45/13 के 1/18 भाग प्रोमनेड गोड, बेगलूर

मजु माधवन
महायक आगवान आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज बेगलूर

दिनांक 5-8-1982

मोहर

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिमित्त व्यक्तियों अर्थात् —

प्र० 17-236GI/82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 5 अगस्त, 1982

गिरेश सं. सी० आर० नं० 62/33218/81-82/एक्वी०/
व०—यतः मुझे, मंजु माधवन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. 45/13 (1/9 भाग) है, तथा जो प्रोमनेड
रोड बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी
नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 18-12-1981को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में
मास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अंतरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
संविधा के लिए,(1) श्रीमती सोन्या एम बलनि श्री कुछ लोग^१
2, सिंद्धरामप्पा मार्केट
ए० एन० लेन, शिक पेट
बैंगलूर

(प्रत्तरक)

(2) श्रीमती सोन्या एम बलनि
और लाजु एम बलनि
चौथा फ्लोर, शिवदर्शन
इण्डियन गेड, बैंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित भें किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 2861 दिनांक 18-12-81)
45/13 के 1/9 भाग, प्रोमनेड रोड, बैंगलूरमंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूरअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, या, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 5-8-1982

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन.एस.-----

(1) श्रीमती सोन्या एम बलानि और कुछ लोग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

नं० 2, सिद्धरामप्पा मार्केट

269-प (1) के प्रधीन सूचना

ए० एम० लैन

भारत सरकार

चिक पेट, बैंगलूर

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

(अन्तरक)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

(2) श्री मोहन्दास सबनानि

बैंगलूर, दिनांक 5 अगस्त 1982

श्री एन० सबनानि

10, सिन्दि कालनि

कॉक्स ट्विन, बैंगलूर-5

(अन्तरिती)

सी० आर० नम्बर 62/33245/81-82/एक्वी०/ब०-

मत: मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 45/13 (1/18 भाग) है, तथा जो प्रोमनेड रोड बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 11-12-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के व्यक्तिगत के अन्तरक के दायित्व में कभी करने पा उससे अचने में तुलिता के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन वा सम्य प्राप्तियों को जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मंजु सूची

(दस्तावेज सं० 2782 दिनांक 11-12-81) सम्पत्ति 45/13, के 1/18 भाग, प्रोमनेड रोड, बैंगलूर

मंजु माधवन
सभाम प्राधिकारी
राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

मत: धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक : 5-8-1982

मोहर :

प्रस्तुप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूरु

बैंगलूरु, दिनांक 5 अगस्त, 1982

निदेश सं० 62/33217/81-82/एक्वी०/बै०—यतः
मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 45/13 (1/18 भाग) है, तथा जो प्रोमनेड
रोड बैंगलूरु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 18-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उच्चतरे से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ इक्सी की आवत उक्त अंतरण
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त :—

(1) श्रीमती सोनिया एम बलानि और कुछ अन्य लोग
नं० 2, सिद्धरामप्पा मार्केट
ए० एम लेन, चिक पेट
बैंगलूर-560053

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्दिरा जिं भोजवानि
80, बीच केन्ड
बम्बई-400026

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधानकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2860 दिनांक 16-12-191)
सम्पत्ति 45/13 के 1/18 भाग, प्रोमनेड रोड, बैंगलूर।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक 5-8-1982
मोहर

ब्रह्म आई० दी० एच० एस०----

(1) डॉ टी० रामालिंगा सेट्टी पिंता बेंकटरामद्या,

अनकापल्ली ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-प (1) के अधीन सूचना(2) मेसर्स श्री इंडस्ट्रीज, 39-52-4,
मुरलीनगर, विशाखापटनम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अगस्त, 1982

निदेश सं 0 आर० ये० सी० नं० 55/82-83—काकीनाडा
स्कोड—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति घिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं 0 आर० एस० नं० 62/1, बी० और 92/1बी०,
है और पेंदूरती गांव में स्थित है (और इससे पाबद्ध अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
विशाखापटनम् में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, एसे इयमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरीतीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पासा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित महीं किया गया है ।—(क) अन्तरण से हूर्दे किसी भाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व भ्रे
करी करुने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, 'छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

3 एकड़ कुषि भूमि, पेंदूरती, सर्वे नं० 62/1-बी० भीगी;
16. 38 एकड़-6-223 एच० बी० सर्वे नं० 92/1-बी० भीगी;
0.06एकड़, 0-024 एच० रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 10314/
81 रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी विशाखापटनम् ।एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबादयतः बह, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

विनाक : 9-8-1982

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अगस्त 1982

आरो १० सी० नम्बर ५६/८२-८३—काकीनाडा स्काउट—

यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 289/78, है और 290/3 गुनदला
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूली में और पूर्णस्पृष्ट से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नारानिय, विशाखापट्टनम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रशोजनार्थ अन्तर्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री के० अचुत वर्धन राव पिता ऊमा महेश्वर राव
गुनदला ।
(2) श्री के० ऊमा महेश्वर राव गुनदला (मु० श्री०)
विजयवाडा ।

(अन्तरक)

(2) (1) के० एकमात्र और (2) श्री के० राम-
निगेस्वराराव पिता के० सीतापती राव ।
घर नं० २७-३०-२, गवर्नरपेट, विजयवाडा
(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभडी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

संपत्ति सेड नं० 48-7-36, गुनदला, विजयवाडा, आरो
एम० नं० 290/3 और 289/7 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 11988
और 11989/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 9-8-1982

मोहर :

प्रथम वाई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अगस्त 1982

निर्देश नं० आर० ए० सी० नं० 57/82-83/कां. नाडास्कॉड
—यतः सुन्न, एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी मूल्य मूल्य 376 है, जो कासीबुगा में स्थित है (ओर
इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्णस्तुत से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कासीबुगा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिग्म्बर,

1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उदादेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मूल्यांकित
रूप से कीदित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, उपराने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स पल्स ट्रेडर्स और इंडस्ट्रीज मेनेजिंग पार्टनर
श्री बी० मानिक प्रसाद,
घर नं० 14-3-19, नवरोजी रोड, विशाखापटनम
(अन्तरक)

(2) मेसर्स कावेरी सेन फूड्स मेनेजिंग पार्टनर
श्री ही० ए० कुरीयन मॉर्टियर कोर्ट, 64, मॉर्टियर
रोड,
मद्रास-600 008।

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाकेपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा वधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लेखीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मूल्य नं० 376, 2.46 एकड उमागत विस्तीर्ण
73 425 चौ० फुट रजिस्ट्रीकूट विलेव नं० 2621/81 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी कासीबुगा।

एम० जेगन मोहन
सक्रम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 9-8-1982

मोहन

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अगस्त 1982

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 8/82-83/काकीनाडा
स्कॉड—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 156 है, जो स्थावरा गरज गुट्टूर में
स्थित है (श्रीर इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुट्टूर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर, 1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्क) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में मुव्वधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्यावारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में
संविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धाग 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सी० एच० रामाष्ट्रणा रेडी पिना वेंकटा रेडी
स्तंभाला गुरुकु

(अन्तरक)

(2) (1) एम० वेंकटेस्वरूप पिना रागालिंगम्या,
स्तंभालागुरुकु

(2) ह्ली० कोटी रेडी पिना सीतारेमी रेडी, शामला
नगर ।

(3) एम० सीता रामी रेडी पिना कोटी रेडी,
स्तंभालागुरुकु गुट्टूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संम्पत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
कियी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलम्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मन्त्री

सम्पत्ति सर्वे नं० 156, घर नं० 197, स्तंभालागुरुकु, खुली
जमीन विस्तीर्ण 1684 चौ० गज नल्लापाणु सिवारु, गुट्टूर, रजिस्ट्री-
कुत विलेख नं० 12814/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुट्टूर ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक 9-8-1982

मोहर

प्रूप आई० दी० एन० एव०—

ग्रामकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की घारा
269-ष (1) के पश्चात सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रामन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अगस्त 1982

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 59/82-83-काकीनाडा
स्कॉड— यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); को घारा
269-ष के अधीन सक्षम आधिकारी को, यह विवाद करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसको सं० दी० एम० एन० 640, 59 2/72 ओंगल में
स्थित है (प्रौढ़ इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रील्टी अधिकारी के कार्यालय, ओंगल में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक दिसम्बर, 1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मैं यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, प्रैसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तर पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत उक्त अधिक-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में मूल्यांकन के लिये;
और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, इनपाने में मूल्यांकन
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के पश्चात, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—
18—236GI/82(1) (1) श्री के० कांटव्या पिता लिंग्या
(2) श्री के० ल्हो० सुब्बध्या पिता कोटव्या
यराजेरला, ओंगल तालुक

(अन्तरक)

(2) श्री ग० रंग्या पिता श्री रामलु
थोबाकुंटा ओंगल

(अंतरिती)

को यह सूचना बारी सरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किमी अत्यं व्यक्ति द्वारा, प्रवौहस्ताशरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

सरष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में विद्या
गया है।

मनुसूची

घर सम्पत्ति, ओंगल, मुनिसपल वाड़ नं० 3 ब्लाक नं० 3,
दी० एम० नं० 640, 59 2/72 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5222/81
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ओंगल।एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रामन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 9-8-1982

मोहर :

प्रस्तुत काइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अगस्त 1982

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 60/82-83-काकीनाडा
स्कॉड— यस: मुझे, एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 20-15-19 है, जो भीमावर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्पष्ट से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्रधिकारी के कार्यालय, भीमावरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर,
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कीभत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हैर्ड किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के
दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती बुखारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती दी० संकुला पति कृष्णामूर्ति
केनाल रोड, अतीलो

(अन्तरक)

(2) श्री जो० वेकट ऊमा पति डा० वेंकटा विस्वेस्वरा राव
वार्ड नं० 13 का, वेंकट्या नायडू स्ट्रीट, भीमावरम।

(अन्तरिती)

क्वे यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बुध फिरी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास तिलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति घर नं० 20-15-19, वार्ड नं० 14, सुंकरा
पेहर्या स्ट्रीट, भीमावरम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3863/81
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भीमावरम।

एम० जेगन मोहन
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 9-8-1982

मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
 269-ग (1) के अधीन सूचना

(1) (1) डा० लौ० विष्वाया पिता अक्षया
 (2) वेंकट राव पिता वेंकट विष्वाया
 (3) आदिनारामणा पिता वेंकट विष्वाया
 तूरप नायुदू पालम ओंगोल (तालुक)
 (अन्तरक)

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, हैदराबाद

(2) श्री एम० लौ० कृष्णा राव अडोपटे ड पुत्र एम०
 बंनव्या
 साउथ बाजार ओंगोल
 (प्रस्तरिती)

हैदराबाद, दिनांक 9 अगस्त, 1982

निर्देश संलग्न आर० ए० सी० नं० 61/82-823-काकीनाडा
 स्कॉड—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० नं० 640 है, जो ओंगोल में स्थित
 है (और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ओंगोल में भारतीय
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसै दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
 रिती (अन्तरितियों) के बीच एसै अन्तरण के लिए तब पाया गया
 प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक क्षमता की अधिकतमी किया गया है ८—

को यह सूचना चारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहीयों करता है ९—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
 है।

(क) अन्तरण परे हरू किसी आय की दावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
 किसी करने वा उद्देश्य सूचने में सूचित के लिए;
 जीतु/वा

(ख) एसै किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचित के लिए;

मृत्युचक्री

धर सम्पत्ति, टी० एस० नं० 640 प्रसेस मेंट नं० 8405
 ए० तीन मंजिल की हमारत धर नं० 37-1-386(1) ट्रैक
 रोड ओंगोल-523001, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5325/81
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ओंगोल ।

एम० जेगन मोहन
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, हैदराबाद

अब: वह, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
 में, भै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकतम:—

दिनांक : 9-8-82
 माहूर :

प्रस्तु आई. टी. एन. एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अगस्त 1982

निर्देश सं० आर० य० सी० न० 62/82-83-का०कीनाडा
 स्कॉ०—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है
 और जिसकी म० डी० न० 8/3ए, है, जो बड़ावली में स्थित है
 (और इसमें उपांच्छ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नरसाराव पेट में भारतीय
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि व्यथापूर्वकता संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित भौ
 वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अतः ज्यौ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अन्तरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (1) श्री वाइ० पार्थमारथी पिता एन० मूर्ती
 (2) टी० कोटव्या पिता पेदा वेक्या
 (3) टी० सी० एच० ही०, ब्रह्मनंदराव पिता वेक्या
 अप्पव्या
 (4) वाइ० मोहन राव पिता मलव्यम
 नव्यनापल्ली तालूक गुट्टर (डिट)

(अन्तरक)

(2) वाइ० नक्षी कातव्या आंडोपेट, 5 वी० नाइन फस्ट
 क्रास रोड, गुट्टर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि या भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के प्रीतर पूर्वांकित
 व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति, घर नं० 8/3 ए, बड़ावली गांव सतेरायस्ती,
 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5694/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
 नरसाराव पेट।

एम० जेगन मोहन
 सहम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 9-8-1982

मोहर :

प्रलूप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

(1) श्री ह्ली० प० शंकरनारायण उक्त पिता
वेंकटेस्वरा राव
नरसाराव पेट

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अगस्त 1982

निर्देश सं० आर० ए० म० न० 63/82-83-काकीनाडा
स्कॉड—यन॑: मुझे, एम० जेगन मोहन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसका सं० टी० ए० न० 1533 है, जो नरसारावपेट
में (स्थित है) (श्रीरामसंस उपावड अनुसूची में और पूर्णलूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नरसारावपेट में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन काउ देने के अन्तरक के हायिल में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अस्तिती बुलारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहीए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (1) श्री ह्ली० प० शंकरनारायण उक्त पिता
वेंकटेस्वरा राव
नरसाराव पेट

(2) (1) श्री ह्ली० एम० रामचन्द्र राव पिता नारायण
(2) श्री पी० रंगय्या पिता रामय्या
(3) श्री जी० राधवय्या पिता वेंकट अपय्या
(4) श्री जा० पुला राव पिता श्री रामलू
(5) के० नरसोम्हा राव पिता बाल कोटय्या
(6) श्री के० राधाकृष्णमूर्ति पिता ह्ली० के० ह्ली०
सुब्बय्या

(7) ए० बालाकोटेस्वरा राव पिता कोटेस्वरा राव,
नरसाराव पेटा, गुट्टूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त ममति के प्रत्येक किए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
दाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
मद्दृश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लम्बोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममूल्याची

खुली जमीन, टी० एस० न० 1533, नरसारावपेट, ईश्वर
महल के पास, नया बांड 14 असेसमेंट न० 5375, विस्तीर्ण
2130 चौ० गज, रजिस्ट्रीकूट विलेख न० 5728/81 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी नरसाराव पेट।एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, हैदराबाद

दिनांक : 9-8-82

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी ० एन० एस०-----

मापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अगस्त, 1982

आर० ए० सी० न० 64/82-83/काकीनाडा स्कोड—

यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

मापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी स० ए० न० टी० ए० 455 है, जो विजयवाड़ा में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में आंग पूर्णस्पृष्ट संवर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्राप्तफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अंतरण में लिखित वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किमी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; बार/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (1) श्री के० गंगेया पिता पिच्चया
(2) श्रा के० सुखेश पिता पौच्चया
(3) श्री के० कमलाकर राव पिता पिच्चया
(4) पी० वसुमती देवी पति नरसीम्हा राव
(5) एन० विमला देवी पति चंद्रमैलीस्वर प्रसाद
(6) श्रीमती मुण्णोला पति मोहनदास
घर न० 8-14-18/2, रेड फाम स्ट्रीट,
कोकीनाडा

(अन्तरक)

(2) (1) श्री बी० सीता रेड्डी पिता श्रंजी रेड्डी
(2) श्री बी० मधुसुखन रेड्डी पिता सीता रेड्डी
(3) श्री बी० रामप्रमाद रेड्डी पिता सीता रेड्डी
(4) ई० भारती देवी पति पूरनाचंद्रा रेड्डी
(5) श्रीमति के० स्वर्ण कुमारी पति रामानाथा
रेड्डी
विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिन्दित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मूलसूची

खुलो जमीन, मोगलगजपूरम, विजयवाड़ा डा० ए० न० टी०
ए० 455, वार्ड न० 10, ब्लॉक न० 19, असेमेट न० 1
एल० आर० 726 विस्तीर्ण 4200 चौ० गज० रजिस्ट्रीक्ट
विलेस न० 11987/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 9-8-82
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 अगस्त 1982

निवेदा सं० अमृतसर/82-83/174-यतः मुझे, आनन्द मिह,
आई.टी.एन.एस.०आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट जो न्यू गार्डन कालोनी,
अमृतसर में स्थित है (ग्रोर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप में कीर्तित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण में हृइ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें वर्धने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मार्विधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्री वेदप्रकाश पुत्र पूरन चन्द्र बासा अर्जीस नगर
ग्राम और मुख्यताःश्राम मिस जानवर फर्म में० रमेश
पाण्ड फैसला कटडा आहलूवालिया, अमृतसर
(अन्तरक)(2) श्री उजागर मल पुत्र मेंद लालवासा कटडा आहलू-
वालिया कूचा कल्यान दास भाटिया, अमृतसर
(अन्तरिता)(3) जैमा लपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ता-
करों जानता है विं वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तर्जाल

एक भूमि का प्लाट नं० 7-8 मिन (1/5 भाग) 203 व
ग० जो सरकुलर रोड अमृतसर न्यू गार्डन कालोनी में है जैसा
कि सेल डीड नं० 16433/7-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।आनन्द सिंह (आई.टी.एन.एस.०)
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-३ चन्द्रपुरी, अमृतसर

दिनांक : 27-8-1982

मोहर :

प्रलेप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 जुलाई 1982

निदेश मं० ए०ए०म० आर०—८२-८३/१७५—यतः मुझे,
आनन्द सिंह, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी मं० एक भूमि का इलाट जो न्यू गार्डन कालोनी,
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबृह अनुसुन्धी में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थिरान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थिरान प्रतिफल से एसे स्थिरान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के
वापित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिये था लिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वेद प्रकाश पुत्र पूर्ण चन्द वासी अर्जीत नगर
श्राप और मुख्तार श्राम मिन जानव फर्म मै० रमेश
पाण्डि कम्पनी वटड़ा आहलूवालिया, अमृतसर ।
(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश लाल पुत्र नंद लाल
कटड़ा आहलूवालिया अमृतसर कूचा कलयानदास
भाटिया, अमृतसर ।
(अन्तरिती)

(3) जैमा फि लूपर नं० 2 में कोई किरायेवार हो (वह
व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ता-
क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

एक भूमि का इलाट नं० 7-8 मिन (1/5 भाग) 203 व०
ग० जो सरकुलर रोड अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं०
16434/7-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज
है।

आनन्द सिंह (आई० आर० एस०)
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3 चन्द्रपुरी, अमृतसर

दिनांक : 27-7-1982

मोहर :

प्रूप आइ. टी एन. एस. —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्त रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 जुलाई 1982

निदेश मं० ए० एम० आर०/82-83/176—यत मझे,
श्रानन्द सिंह, आइ० आर० एम०,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु से अधिक है

और जिसकी मं० ए० एम० भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू गार्डन
फालोनी अमृतसर में स्थित है (और उसमें उपावद अनुसूची में
और फिर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रन्त्रात्मी अधिकारी के
कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरीतीवाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रति-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अस उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

19-236 GI/82

(1) श्री वेद प्रताप पुत्र पूरन चन्द्र वासी अर्जीत नगर
आप प्रौर भुजनाराम मिन जानब फर्म मै० रमेश
पाण्डि अमृता लेट्रा ग्राहलवालिया, अमृतसर ।
(प्रतापर)

(2) श्री कार्त्ति लाल पुत्र नन्द लाल वासी गर्ला ललयान
दाम चाटिया, अमृतसर ।
(अन्नरत्न)

(3) जैसा कि उपर न० 2 में कोई किरायेदार हो (वह
व्यक्ति, जिसके अधिकारों में सम्पत्ति है)
(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ता-
क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अर्थात् 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गय है।

अमृतसरी

एक भूमि का प्लाट न० 7-8 मिन (1/5 भाग) 203
व० ग० जो मरकुलर गोड अमृतसर में है जैसा कि भेल डीड न०
16431/7/12/81 ग्रन्ट्राकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज
है।

श्रानन्द मिश्र, आइ० आर० एम०
मक्षम अधिकारी
गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्त रेज-3, चन्द्रपुरी, अमृतसर

दिनांक 27-7-82

माहर :

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 जुलाई 1982

निरेंग सं० ए० एम० आर०/८२-८३/१७७—यत् ममे,
अनन्द सिंह, आई० आर० एम०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पद्धति 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और त्रिमी सं० एक प्लाट भूमि का न्यू गार्डन कालोनी है तथा जो सरकूलर रोड, अमृतसर में स्थित है (आंग टम्बे उपावड़ अनुसुची में और पूर्ण रूप से में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसंबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल दिनांकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्भित में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया जया है—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक राजितियों में कमी करने या उसमें अधिने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ असरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) श्री वेद प्रकाश पुत्र पूरन चन्द्र वासी अर्जन नेगर आग और मुख्तारप्राम मिन जानव रमेश एण्ड म्यन। फम कटडा आहलवालिया, अमृतसर (अन्तरा)

(2) श्री प्रेम कुमार पुत्र नन्द लाल वामी कटडा आहलवालिया कृष्ण कलयान दाम भाटिया, अमृतसर (अन्तरती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) आंग कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तन्त्वान्धी व्यक्तियों पर मूच्छ की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसरी

एक भूमि का प्लाट नं० 7-8 (1/5 भाग) 203 व० ग० जो सरकूलर रोड न्यू गार्डन कालोनी आवादी अमृतसर में है जैसा ऐन ईड नं० 16430/7/12/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द मिह, आई० आर० एम०

मक्षम अधिकारी

महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, चन्द्रपुरी, अमृतसर

दिनांक : 27-7-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 जुलाई, 1982

निदेश सं. ए. प्रस्तुत आयुक्त/82-83/178--यत. मुझे,
आनन्द सिंह आई.टी.एन.एस. 0,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. १ एक भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू गारडन कालोनी
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावड़ ग्रन्तुची में और पूर्ण
रूप से में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का
पद्धत प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्त
(अन्तरीतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीभित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरीती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री वेद प्रकाश पुत्र पूरन चन्द्र वासी ग्रन्तीत नगर
आप और मुख्ताराम अमृतसर ।

(अमृतसर)

(2) श्री किशन लाल पुत्र नन्द लाल वासी कटड़ा आहल-
वालिया अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं. 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बजेन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
बास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वहों अर्थ होंगा जो उस बध्याय में दिया
गया है।

अमृतसरी

एक भूमि का प्लाट (1/5 भाग 1019 व०ग.० सरकुलर
रोड न्यू गारडन कालोनी अमृतसर में है जैसा कि सेलडीड नं.
16432/7/12-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज
है।

आनन्द सिंह आई.टी.एन.एस. ०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-३, चक्रपुरी, अमृतसर

दिनांक : 27-7-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी एन.एस. -----

जाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जुलाई 1982

निवेश स० ए०ए०आर०/८२-८३/१७९—यतः मुझे,

आनन्द सिंह आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकास प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो गली लाली वाली
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रखयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके रखयमान प्रतिफल से, ऐसे रखयमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उक्त रूप से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसी की आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायितव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भू, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कांती नगीना पुत्री बाबा मनीराम विद्या वती
विधवा हीरा लाल, शारदा खोसला पत्नी आर०
एल० खोसला संतोष बाबा विधवा आनन्द सुरूप
बिमला पत्नी ओ० पी०, सावित्री देवी पत्नी किदार-
नाथ सत्या सेठ पत्नी एस० एन० सेठ द्वारा
के० के० चौपड़ा पुत्र प्रतोप चन्द्र चौपड़ा
वासी अमृतसर और 1222 सेक्टर-सी० चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी गोपाल दास,
निम्नला देवी पत्नी हरी ओम, पदमकुमार

पुत्र ठाकुर दास, विजे कुमार पुत्र ठाकुर दा
विजे कुमार पुत्र ठाकुर दास, सुनीत कुमार पुत्र ठाकुर
दास वासी सकीम न० १ कटड़ा शेर सिंह अमृतसर,
शकुन्तला के० पाल पत्नी बलदेव राज वासी ठाकु
खाटी का अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा न० २ ऊपर में और कोई किरणेदार है
गिरधारी लाल ३०/- गिरधारी लाल २०/-, अयुध्या
नाथ ३०/-, गनपत राय १०/-, पी० सी० खोसला
१०/-, मुनशी राम १०/-, शोरी लाल १४/-, लक्ष्मी
बाई ८/-, गजानन ८/- (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

विलटप्रप दुकानों व रिहायशी मकानों जो गली लाला वाली
कटड़ा आहलूवाला अमृतसर में हैं जैसा सेल डील न० १६३३९/
४-१२-८१ रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द यिह आई० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, ३ चन्द्रपुरी, अमृतसर

दिनांक ३०-७-१९८२

मोहर :

प्रस्तुत आदृत टी० एन० एम०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जुलाई 1982

निदेश सं० ए० एस० आर०/82-83/180—यतः मुझे, आनन्द सिंह आदृत आर० एस०, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इधके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने ला कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद जो गली लालावाली अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूरा रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981 को पूर्णीकृत वप्तव्यात्मक के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थावर प्रतिक्रिया के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पूर्णीकृत वप्तव्यात्मक ना उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिकोण से ऐसे दृष्टिकोण परिकल्पना का पक्ष है प्रतिशत अधिक है और प्रतिशत (अन्तर्को) और अन्तर्वर्ती (अन्तरितात्मा) के बीच ऐसे अन्तर्गत के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित प्रतिक्रिया न दर्शन अन्तर्गत विविध में वास्तविक है में कार्यात्मक नहीं किया गया है—

(क) अन्तर्गत गुरुर्देवा नाम का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करना या उससे बचने में मुविद्या के लिए; और/या

(ख) एमा निमा आर या किसी वन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविद्या के लिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम का धारा 269-व के प्रत्यक्षरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपस्थापा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) श्रीमती गारदा खोसला पत्नी आर० एन० खोसला सन्तोष बाबा विधवा आनन्द सर्वप, बिमला पत्नी श्री श्री० पी० सावित्री देवी पत्नी केदार नाथ सत्या सेठ पत्नी एस० एन० सेठ द्वारा के० के० चौपड़ा पुत्र प्रताप चन्द्र चौपड़ा वासी अमृतसर श्रव 1222 अंकटर-सी चण्डीगढ़।

(प्रत्यक्षरक)

(2) श्री प्रेम बासी पुत्र राज कुमार बासी कटड़ा शेर सिंह कीम न० 1 अमृतसर शकुंतना के० पाल पत्नी बलदेव राज बासी दाव खटीकां अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर स० 2 में कार्ड किग्रेंदार हो गिरधारी नाम 30/-, गरधारी नाम 20/-, अयुध्या नाथ 30/-, गनपत राय 10/-, पी० नी० खोसला 10/-, मन्थी राम 10/-, गोरी नाल 14/-, लक्ष्मी बाड़ 8/-, गजानंद 8/- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रींग कार्ड (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन—

(र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से ममात्प द्वारी द्वारा, के भीतर यूर्ध्वान्त व्यक्तियों में से किसी परिस्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कार्य जा सकेंग।

सातवीकाठा २००५ गुरुवारी पूर्वो रात, तो उक्त अधिनियम के अधाय २०-क म परिभाषित है, वही पर्यंत होगा, जो उस अधाय में दिया गया है।

अनुसूची

बिलट अप दुकानों और रिहायसी मकानों जो गली लालावाली कटड़ा आहलूबालिया अमृतसर में हैं जैसा सेलडीड न० 16337/4-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

आनन्द सिंह आदृत आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-३ चन्द्रपुरी, अमृतसर

दिनांक : 30-7-1982

मोहर :

प्रश्ना आदृ. टॉ. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अगस्त 1982

निवेश सं० प०ग्स०आर०/82-83/181-यतः मुझे,
आनन्द मिह, आदृ० आर० प०ग्स०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के
अधीन सक्षम अधिकारी कों, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी भ० एक जायदाद रेस कोर्स रोड अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य के यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण वे हैं जिनकी वाद की वायद, उक्त
अनुसूची को व्यापीकरण करने के अन्तरक के व्यापीकरण
वे कभी करने या उसके बजाने में सूचिता के लिए¹
शादृ/वा

(ख) एंटी ट्रिक्सी वाद या एंटी थक वा वाय नारिस्तशी
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रति नारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी कुसम सुरी पुत्री दंद्रसेन वसी 30 रेस कोर्स
रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एला राय पुत्री जसवंत राय 30 रेस कोर्स
रोड, अमृतसर।

(अन्तर्गती)

(3) जैमा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, और भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वहाँ दर्शाया जाएँ उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

1/8 भाग कोठी न० 30 जो रेस कोर्स रोड अमृतसर में
(173 1/4 व० ग०) जैमा मेलडीड न० 17560/30-12-81
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह आदृ०आर०एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जनरेज-3 चन्द्रपुरी, अमृतसर

दिनांक : 6-8-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अगस्त 1982

निवेश सं० ए० एस० आर०/82-83/182-यन: मुझे, आनन्द
सिंह, आड० आर० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर मंपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. मेरीधिक है

श्रीर जिसकी भूमि एक जायदाद है तथा जो रेस कोर्ट रोड अमृतसर
में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद अनुमूल्यी में और पूर्ण मूल्य में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर,

1981

को पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्य) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
व्यप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण में ही किसी आय की बोक्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचते में मंदिरां
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था दिया जाना चाहिए था, लिखित में
गढ़िया के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, से, उक्ता अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती कुसम सूरी पुत्री इंद्रेने
वामी 30 रेस कोर्ट रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीगती मधु चावला पुत्री इंद्रेने
30 रेस कोर्ट रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैमा ऊपर सं० 2 मेर्स कोई किरायेदार है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिनके वारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
गूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी
अवधिध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसरी

1/8 भाग कोठी नं० 30 वो रेस कोर्ट रोड, अमृतसर में
(173 व० ग०) जैमा मेलडीड नं० 17579/30-12-81, रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द मिह (आड० आर० एम०)

मकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3 अन्दपुरी, अमृतसर

दिनांक : 6-8-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई टी.एन एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियन्त्रण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 अगस्त 1982

निदेश सं ० ए०ग०स०आर०/८२-८३/१८३—यतः मुझे,
आनन्द सिंह, आइ० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो गांव रायजादा में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर,
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने
में मुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पुरन सिंह पुत्र लाल सिंह, गांव रायजादा
तहसील, जिला गुरदासपुर

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदीप सिंह पुत्र करतार सिंह
वामी गयजादा तहसील जिला अमृतसर

(अन्तर्गती)

(3) जैसा ऊपर सं ० २ में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि आद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा प्रशोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 24 कनाल जो गांव रायजादा तहसील जिला
गुरदासपुर में है जैसा सेल डीड नं० 5736/3-12-81 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी गुरदासपुर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, (आइ० आर० एस०)
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (नियन्त्रण)
अर्जन रेंज-३ चन्द्रपुरी, अमृतसर

दिनांक : 4-8-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 अगस्त 1982

निदेश मं० प्र० एम० आर० ०८२-८३/१८४—यतः मृमे,
आनन्द मिह, आष० आर० एम०,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन संभव प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी मं० भूमि है तथा जो गांव बुटरे कलां तहसील, गुरदाम-
पुर में स्थित है (शौग इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुरदामपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वीक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दर्शमान प्रतिफल से, ऐसे दर्शमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-
फल (निम्नलिखित उदाहेत्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है) :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिए;
और/या

(म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सहिता
के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
20-236 GI/82

(1) श्रीमती गुरजीत कौर
गांव गांव बुटरे कला तहसील, जिला गुरदामपुर
(अन्तरक)

(2) श्री दलबीर मिह पुत्र माधु मिह
गांव बुटरे कला तहसील, जिला अमृतसर
(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर मं० 2 में कोई किसायेदार हो (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की भामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास सिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि 33 कनाल 17 मर्ले जो गांव बुटरेकलां तहसील,
जिला गुरदामपुर में है जैसा मेल डीड नं० 5745/3-12-81
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुरदामपुर में दर्ज है।

आनन्द मिह, (आष० आर० एम०)
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, 3 चन्दपुरी, अमृतसर

दिनांक : 4-8-1982

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 अगस्त 1982

निदेश स० ग० एम० आर०/82-83/185—यत मृमे,

आनन्द सिह, आड० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उत्तम अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के प्रधीन संथाम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी म० एक प्लाट है तथा जो रघुनाथपुरा अमृतसर में
स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर,
1981

को पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझ यह विषयास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तिवाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल में ऐसा दृश्यमान प्रतिफल जो पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बाच एवं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य में उत्ता अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में के यत तहों किया गया है:-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उत्ता
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके व
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1923
(1923 का 11) या उत्ता अधिनियम, या
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तिम द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या जिस जाता वात्रिए था छिपाने में
सुविधा रहा,

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

(1) श्री काहन चन्द नारग पुत्र जयकिशन नारग और
चपा वती विधवा जय किशन नारग
वासी बम्बई द्वारा आर० ए० वोगा मखनाराम
द्वारा जोगिन्दर सिंह
वासी गाव मुदल मुखनाराम

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गेतू खसा पत्नी विजे खसा वासी लारेम रोड,
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैमा ऊपर म० 2 में कोई किंगयेदार हो। (वह व्यक्ति
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इप्रत्यना के राजपत्र प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख में 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वान्त
व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उत्तम स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टटीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही प्रत्येक एवं जो उप प्रश्नाय में विद्या
गया है ।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 250 व० ग० जो रघुनाथपुरा अरबन
नजदीक टी० बी० हम्पताल अमृतसर में है जैसा सेल डी० न०
17548/30-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में
दर्ज है ।

आनन्द सिंह (आड० आर० एस०)
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज ३ चन्दपुरी अमृतसर

दिनांक 5-8-1982
मोहर

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269 व(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, अमृतसर
 अमृतसर, दिनांक 5 अगस्त 1982

निदेश मं० ए० एस० आर०/82-83/186—यत् मुझे,
 आनन्द मिह आइ० आर० ए०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशेष इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो रघुनाथपुरा अमृतसर
 में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 दिनांक दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विवास
 करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 परद्दहूँ प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 ना पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण
 निर्णित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(१) प्रतिरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 समिक्षा में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए, और/या

(२) ऐसी फिरों पर या किसी भूत या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना आविहै था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(१) श्री काहन चन्द नारंग पुत्र जय किशन नारंग और
 चपा बती विद्वा जय किशन नारंग
 वासी बम्बई द्वारा आर० ए० बोगा पुत्र ए० इ०
 बोगा वासी जी० टी० रोड अमृतसर द्वारा जोगिन्द्र
 मिह मुदल पुत्र नाहर सिंह वासी गांव मुदल तहसील
 जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(२) कोमल खना पुत्री रजिन्दर खना
 वासी लारेंस रोड अमृतसर।

(अन्तरिती)

(३) जैमा ऊपर म० २ में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति,
 जिसके अधिभोग में मम्पति है)

(४) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में
 अधोदृस्ताक्षरी जानता है कि वह मम्पति में हितबद्ध
 है)

को यह सूचना आयी उर्जे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रबन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५५
 दिन की अवधि या तस्मान्दी व्यक्तियों पर सूचना की
 तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 ममाल होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५५
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

सरटीकरण:—इसमें प्रवृत्त गद्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अधाय २०-क में परिभाषित
 है, वही अर्थ होगा, जो उस अधाय में
 दिया गया है।

प्रनुसूची।

एक प्लाट 166.6 वर्ग मी० जो रघुनाथपुरा अरबन अमृत-
 सर में है जैमा मेल डीड नं० 17551/30-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता
 अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द मिह (आइ० आर० एस०)
 मध्यम अधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज ३ चन्द्रपुरी, अमृतसर

दिनांक 5-8-1982

गोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 अगस्त 1982

निदेश सं १००४०/आर०/८२-८३/१८७-यत: मुमे,
आनन्द सिंह आठ० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं १० एक प्लाट जो रघुनाथपुरा अमृतसर में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुमती में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नित भा वास्तविक
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:--

(ब) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने दा उमग वजन में मूर्चिका
के लिए, और/या

(स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुनिधा के लिए;

मैं अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की आय 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यवितयों, जथोत: ---

(1) श्री काहूत चन्द नारंग पुत्र जयकिशन नारंग और
चम्पा बसी विध्या जय किशन नारंग
वासी बम्बई द्वारा आर० ए० बोगा मुख्तारेयाम
द्वारा जोगिन्द्र मिह
वासी मुद्रल मुख्तारेयाम विजे खना पुत्र शिव प्रकाश
खना
वासी लारेंस रोड अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैमा ऊपर मं २ में काई किरायेवार हो (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उचित
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थलोकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 250 ब० ग० जा रघुनाथ पुरा अरबन
नजदीक टी० बी० अस्पताल, अमृतसर में है जैसा सेलडीड नं०
17572/30-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में
दर्ज है।

आनन्द सिंह आठ० आर० एस०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, ३ चन्द्रपुरी, अमृतसर

दिनांक : ५-८-१९८२

मोटूर :

प्रस्तुत वाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 प्रगम्भ 1982

निदेश सं० ए०ए०म०आर०/८२-८३/१८८—यत. मृद्दि, आनन्द मिह आड० आर० ए०स०, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संबंध प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी मूल्य एक लाठ है तथा जो रघुनाथपुरा अमृतसर में स्थित है (प्रीत इसमें उपावद अनुमूली में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1981

का पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरगत (अन्तरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अंतर—

(1) श्री काहन चंद नारंग पुत्र जयकिशन नारंग और चपा वनी विधवा जय किशन नारंग वासी बम्बई द्वारा आर० ए० ब्रोंगा द्वारा जोगिन्द्रा मिह वासी मुद्रल मुजारेमा

(अन्तर्गत)

(2) श्री गगन खना नावालिंग पुत्र राजदर खना वासी लारेम रोड अमृतसर द्वारा राजदर खना गारड़ियन वासी लारेम रोड अमृतसर

(अन्तर्गती)

(3) जैसा ऊपर म० २ में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पारा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, , के अध्याय 20-क में पर्याप्त व्यक्तियों द्वारा अर्थ होगा जा उम अध्याय में दिया गया है।

अमृतसरी

एक भूमि का प्लाट 166 6 ब० ग० जो रघुनाथपुरा अरबन नजदीक दी० बी० अस्पताल अमृतसर में है जो मेन डीड न० 17568/30-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द मिह आड० आर० ए०म०
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 3 चन्द्रपुरी, अमृतसर

दिनांक 5-8-1982

गोदार

प्रस्तुप आई टी एन एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 अगस्त 1982

निदेशमं ० ए० प्रस० आर० ८२-८३/१८९—यत. मुझे,
आनन्द सिंह आई० आर० ए०,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी मं० एक ज्ञाट है नथा जो रघुनाथपुरा अमृतसर में
स्थित है (और इसमें उपाबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिक्ती
(अंतरितिदा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिलपौर्ण
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के सिए;

अब त्रिव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
में अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री काहूत चन्द नारंग पुत्र जयकिशन नारंग और
नारा वती विध्वा जय किशन नारंग
वासी बम्बई डारा आर० ए० बोगा डारा जोगिन्दर
सिंह
गाव मुदल मुखतारेआम

(अन्तरक)

(2) श्री रजिन्दर खना पुत्र शिव प्रकाश खना वासी
नारेस रोड अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर स० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(2) और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते०
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ हैंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 166. 6 व०ग० जो रघुनाथपुरा अरबन
नजदीक टी० बी० अस्पताल अमृतसर में है जैसा सेलडीड नं०
17565/30-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में
दर्ज है ।

आनन्द सिंह आई० आर० ए०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अपेक्षा (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, 3 चन्द्रपुरी, अमृतसर

दिनांक 5-8-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1982

निर्देश सं० १० एस०आर०/८२-८३/१९०—यतः मुझे,
आनन्द मिह आठ० आर० एम०,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह प्रिश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी मं० १० एक भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू गार्डन कालोनी
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमति में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक दिसम्बर, 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
प्रिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) उक्त रामेश्वर में हुई नियोग आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूल्यांकन के लिए शोर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में प्रविधि के लिए;

अतः प्रते, उक्त प्रधिनियम नो धारा 269-1 के प्रनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की जगहा
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—(1) श्री वेद प्रतापा पुत्र पुरन जन्म
वामी अर्जीत नगर आप श्री अमृतांगना
मैं० रमेश एण्ड कं० कटडा आहलन्वालिया
अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) डा० सुखविन्दर मिह वालिसा पुत्र बलवन्त मिह
आहलन्वालिया वामी 75 गोलडन पैकेन्यू हैंड ब्राउन
वर्क्स रोड, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैमा ऊपर मं० २ में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)(4) ग्रोर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अद्वोहस्ताक्षणी
जानता है कि वह सम्पत्ति में नितव्य है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षणी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रोर पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा जो उम्म
अस्याय में दिया गया है।

अनूसूची

एक भूमि का प्लाट नं० ४८ (253.33 व० ग०) जो
न्यू गार्डन कालोनी अमृतसर में है जैमा सेलडीड नं० 16655/
11-12-81 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज
है।

आनन्द मिह आठ० आर० एम०

मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-३ चन्द्रपुरी अमृतसर

दिनांक : 7-8-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 अगस्त, 1982

निर्देश गा. पानामूलारा/82-83/191—गत मुद्दे.
आनन्द मिह आइ. आरा. पाग. ०,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो गाव चावा में स्थित है
(और इसमें उपावड्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ना प्राधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर,
1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल रोपेंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच रोपेंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) रोपेंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अ०. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तेंजा सिंह पुत्र सुरेन मिह
वार्गी गांव नं० १२३। ग्राम। राज०

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मननाम मिह रनजीत मिह जगजीत मिह जान
मिह बीर मिह, कुलविन्दर मिह पुवान दीदार मिह
वासी चवा तहसील अमृतसर

(ग्रन्तरिती)

(3) जैमा उपर मं० २ में कोई व्यक्ति किरायेदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और काई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तमील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 35 कनाल 3 मर्गे जो गाव चवा तहसील अमृतसर
में है जैसा मेल डीड नं० 17240/23-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द मिह आइ. आरा. पाग. ०

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण)

अर्जन रेज-३ चन्द्रपुरी, अमृतसर

दिनांक 9-8-1982

मोहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के प्रधीन मूल्य

भारत सरकार

राजीनामा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 अगस्त, 1982

निरेश मं० ए० एम०आर०/82-83/192—यन्त्र मुद्रे,
आनन्द मिह आड० आर० एम०आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,और जिसकी सं० क्रृपि भूमि है तथा जो गांव धून डाए वाला में
स्थित है (और इसमें उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रजिस्ट्री-
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक
दिसम्बर, 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
परदृश्य प्रतिशत अधिक है और अल्परक (अन्तर्को) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अवधारक के
वायिक्षण में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

21-236GI/82

(1) श्री तेजो, पुली उत्तमी विधवा बृदा सिंह
वामी धुन डाए वाला तहसील तारन
अमृतसर।

(अन्तर्क)

(2) श्री काबुल सिंह कंधारा सिंह निरमल मिह पुत्रान
प्रीतम मिह वामी गांव धुन डाए वाला तहसील
तारन।

(अन्तर्गती)

(3) जैसा ऊपर मं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायवाहिंग करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंदिर में कोई भी आक्षेत्र:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में हिया
गया है।

अनुसूची

क्रृपि भूमि 49 कनाल 4 मर्ले जो गाव धुन डाए वाला
तहसील तारन अमृतसर में है जैसा मेलडीड नं० 4557
21-12-81 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तरन तारन में दर्ज है।

आनन्द मिह आड० आर० एम०।

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, चन्द्रपुरी अमृतसर

दिनांक 9-8-82

मोहर :

प्र० र० बाह० टी. एन. एस

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त, 1982

निदेश मं० ए० एस० आर०/82-83/193—यतः मुझे, आनन्द सिंह आद० आर० एस०,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की आरा 269-व के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्वाक्षर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो दयानन्द नगर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक दिसंबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण में हई किसी आय की वादन उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के व्यविधि में कमी करने या उससे बधाये में संविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अथ आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आनन्द कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधीनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की आरा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मनिन्द्र कोर पत्नी डॉ सुखपाल मिंह वानी 169 भवानी नगर मजीठा रोड, अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री विलोक चन्द जैन (गञ्ज ० य० एफ०) पुत्र लाल चन्द मारकत मै० जैन को० आलज ट्रेडरज ग्राम्प्री मार्कीट अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिणी शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तस्थी

एक प्लाट भूमि का न० 186 व० ग० जो दयानन्द नगर गली न० 2 अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड न० 16060/2-12-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद मिह, आई आर एस.

मध्यम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

दिनांक 7-8-1982

मंहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती शान्तिलता साहू, स्वामी गोपीनाथ साहू
गुसाई नांगांव जिला गन्जम
(अन्तरक)मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री प्रताप चन्द्र चौधुरी
पिता रघुनाथ चौधुरी
हिला पाटना साहि, बरहमपुर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 30 जुलाई 1982

निर्देश सं० ९/एक्यू०/१९८२-८३— अतः मुझे, पी० के०
मिश्र,मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक हैऔर जिसकी म० 3774 है, जो हिलपाटना में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बरहमपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-12-
1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण में हूँ किसी आय की वापत. उक्त
अधिनियम के अधीन कर दरने के अंतरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1)
के क्षेत्री निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —क्ये यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास निवित रूप से किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन के साथ धर, पट नं० 13, जुआई नं० 16,
हिलपाटना, साहि, बरहमपुर, जिला गन्जम।पी० के० मिश्र
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भुवनेश्वर

दिनांक : 30-7-1982

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 31st July 1982

No. A. 12025 (ii)/4/80-Admn. III.—The President is pleased to appoint the following persons nominated on the basis of the Civil Services Examination 1980 *vide* D. O. P. & A. R. O. No. 9/3/82/CS-I dated 1st June, 1982, as probationers in the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission with effect from the dates indicated against each and to place them on training in the Institute of Secretariat Training & Management, R. K. Puram, New Delhi, with effect from the same dates :—

S. No.	Name	Date of appointment
1.	Smt. Kalpana Narain	1-7-82 (F.N.)
2.	Shri Inderjit Singh	1-7-82 (F.N.)
3.	Shri R. P. Saroj	2-7-82 (F.N.)

The 7th August 1982

No. A. 11016/1/81-Admn. III.—The President is pleased to appoint the following Section Officers of the Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the office of the Union Public Service Commission for the periods indicated against each or until further orders whichever is earlier :—

S. No.	Name	Period	Remarks
S/Shri			
1.	Jai Narain	3 months w. e. f 3-8-82	
2	Jit Ram	3 months w. e. f. 3-8-82	
3.	N. K. Dhingra	5-8-82 to 12-9-82	

2. The above officers shall draw special pay *vide* Rs. 75/- per month in terms of D. O. P. & A. R. O. M. No. 12/1/74-CS-I dated 11th December 1975.

Y. R. GANDHI,
Under Secy. (Adm.)
Union Public Service Commission

New Delhi, the 10th August 1982

No. A. 32015/1/80-Admn. II.—In partial modification of this office Notification of even number dated 22-7-1982, Shri R. D. Kshatriya, Research Investigator officiating as Junior Research Officer (R&S) stands reverted to the post of Research Investigator in the office of Union Public Service Commission w.e.f. 2-8-1982 (F.N.)

KULDEEP KUMAR,
Section Officer
for Secretary,
Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 19th August 1982

No. A-19025/1/82-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri Zubair Hussain as Sr. Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation with effect from 26-7-82 (forenoon) in a temporary capacity until further orders.

The 19th August 1982

No. A-20023/7/82-AD-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Tej Pal Singh as Public Prosecutor/CBI with effect from 22-7-1982 (Forenoon) in a temporary capacity until further orders.

No. 1-23/81-CFSL (Ad.V).—The President is pleased to appoint Shri V. K. Goyal, Scientific Officer (Bio) Forensic Science Laboratory, Mohali (Punjab) as Senior Scientific Officer (Bio.) in the Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., New Delhi in a temporary capacity w.e.f. forenoon of 7th August 82, until further orders.

R. S. NAGPAL,
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 31st July 1982

No. E-16013(2)/1/78-PERS.—On retirement on attaining the age of superannuation, Shri Banar Singh, IPS (Har. 67) relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, N. F. L. Nangal with effect from the afternoon of 30th June, 1982.

No. E-16013(2)/2/82-PERS.—On transfer on deputation, Shri Kali Churan, IPS (HP. SPS) assumed charge of the post of Commandant, CISF Unit, IOC Gujarat Refinery, Baroda with effect from the forenoon of 21st June, 1982.

No. E-16015/7/82-PERS.—On transfer to Mazagon Dock Ltd, Shri A. N. Bhala relinquished the charge of the post of Assistant Inspector-General (Adm), CISF HQs, New Delhi with effect from the afternoon of 26th June, 1982.

No. E-32015(2)/2/81-PERS.—On expiry of his re-employment term Shri Daljit Singh relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, BHEL, Hardwar, with effect from forenoon of 24th June, 1982.

No. E-38013(4)/5/82-PERS.—On attaining the age of superannuation Shri J. Gomes relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF, Group HQs, Bombay with effect from the afternoon of 31st March, 1982.

SURENDRA NATH,
Director General

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110066, the 17th August 1982

No. O.II 529/69-Estt.—The President is pleased to invalid out from service Shri H. B. S. Dhillon, Asstt Comdt from CRPF Force w.e.f. 13-8-82(AN).

No. F.II 49/82-Estt(CRPF).—The President is pleased to confirm the following Medical Officers as General Duty Officer Grade-I (Asstt Commandant) in the Central Reserve Police Force:—

1. Dr. S. K. Misra
2. Dr. (Msc) B. F. D'Souza

A. K. SURI,
Assistant Director (Estt)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 18th August 1982

No. 1'/5/82-Ad I.—The President is pleased to appoint, on deputation, the undermentioned officers working in the offices as mentioned against each, to the post of Assistant Director (Data Processing) in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis for a period not exceeding one year, with effect from the date as indicated against each or till the post is filled in, on a regular basis, whichever is earlier:—

S No.	Name and designation of officers	Name of office	Date of appointment	Prescribed Headquarters
1	2	3	4	5
S/Shri				
1	R. C. Bhargave, ADCO(T)	D.C.O., Rajasthan	8-6-82	Jaipur (F/N)
2.	T. D. Agarwal, ADCO(T), <i>ad-hoc</i>	D.C.O., Uttar Pra- desh	8-6-82	Lucknow (F/N)
3	J. P. Baranwal, Investigator	D.C.O., Uttar Pra- desh	8-6-82	Lucknow (F/N)
4.	S. S. Kashyap, ADCO(T)	R. G. I Office	9-6-82	New Delhi (F/N)
5.	S. M. Nabil Hossain, Investigator	D. C. O., Bihar	16-7-82	Patna (F/N)
6	R. C. Kathuria, ADCO(T)	R. G. I. Office	21-7-82	Ne. Delhi (F/N)
P. PADMANABHA, Registrar General, India				

MINISTRY OF LABOUR

LABOUR BUREAU

Simla-171004 the 4th September 1982

No. 23 3/82-CPI.—The All India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 increased by eight points to reach 478 (Four hundred and seventy eight), during the month of July, 1982. Converted to Base: 1949-100 the index for the month of July, 1982 works out to 581 (Five hundred and eighty one).

A. S. BHARDWAJ,
Director

FINANCIAL COMMISSION

New Delhi, the 5th August 1982

No. 8FC 2(11)-A 82.—Consequent on his transfer from the Department of Revenue, New Delhi, Shri S. L. Mathur, Grade I Officer of C.S.S. and Under Secretary, has been appointed as Under Secretary in the Eighth Finance Commission in the scale of Rs. 1200-1600 with effect from the afternoon of 31st July, 1982 and until further orders.

N. V. KRISHNAN,
Secretary

New Delhi, the 5th August 1982

No. 8FC 2(10)-A 82.—Consequent on his transfer from the Planning Commission, New Delhi, Shri V. P. Bhatia, Research Officer, has been appointed as Research Officer in the Eighth Finance Commission in the scale of Rs. 700-1300 with effect from the afternoon of 31st July, 1982 and until further orders.

The 16th August 1982

No. 8FC 2(13)-A 82.—Consequent on his transfer from the Bureau of Public Enterprises, Ministry of Finance, New Delhi, Shri M. I. Bhatia, Stenographer, Grade 'B' of the C. S. S. S. has been appointed as Private Secretary in the Eighth Finance Commission in the scale of Rs. 775-1200 with effect from the forenoon of 11th August, 1982 and until further orders.

The 18th August 1982

No. 8FC 2(14)-A 82.—Consequent on his transfer from the Planning Commission, New Delhi, Shri R. K. Juneja, Research Officer, has been appointed as Deputy Director in the Eighth Finance Commission in the scale of Rs. 1100-1600 with effect from the afternoon of 13th August, 1982 and until further orders.

S. L. MATHUR,
Under Secretary

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF E.A.)
INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 24th July 1982

No. 886 A.—In continuation of Notification No. 596/A dt. 12-6-82 the *ad-hoc* appointment of Shri S. A. Khan as Deputy Control Officer, India Security Press, Nasik Road, is regularised w.e.f. 7th June 1982.

P. S. SHIVARAM,
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR
GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 21st August 1982

No. CAT 6-82.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has been pleased to order that Director of Audit, Indian Accounts Washington and return to India Shri R. R. Chakravorty, Section Officer (Commercial) may be promoted to officiate as Audit Officer (Commercial) and posted to the office of the Director Indian Audit & Accounts service, staff college, Simla with effect from 31-3-1982.

M. A. SOMESWARA RAO,
Joint Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
HARYANA

Chandigarh, the 13th April 1982

No. P-P-MP-Admn I 4.—Shri P. N. Mittal, Section Officer was granted 88 days earned leave with effect from 3-7-1978 to 28-9-1978 by the Senior Regional Manager, Food Corporation of India Regional Office Haryana, Chandigarh. On the expiry of the aforesaid leave, he did not join duty but instead applied for piecemeal extension of leave from United States of America for treatment of his ailing wife. His last application for extension of leave for 120 days with effect from 30-1-1980 was received on 13-2-1980 and thereafter no application was received. He has, therefore, been absenting himself from duty without any further intimation. It was informed of the consequences of wilful absence from duty vide this office memo No. Admn.I 25-I/SO/80-81/5121, dated 14-2-1980 and No. 883 dated 31-5-1980 but he still continues to be absent from duty. He was, therefore, charged for wilful absence from duty.

2. Whereas disciplinary proceedings were instituted against Shri P. N. Mittal, S. O. Vide memo No. Admn.1/72-Discip 80-81 3500 dated 3-11-1980 to make such representations as he might wish to make against the proposal for taking action against him under rule 14 of the CCS(CCA) Rules, 1965.

The Charge-sheet was sent to him under registered cover at his permanent home address at Jullundur as well as his leave address in U.S.A. available with this office. The registered letter sent to him at his permanent home address was received back undelivered. The charge-sheet sent on his leave address in U.S.A. has, however, not been received back and no statement of defence has been received from him. The individual has for quite sometime been in the United States and it has not been possible to locate his present whereabouts. Shri Mittal has not indicated his address in the latest application and the Doctor who was attending on his wife has informed on 12-6-1980 that Shri Mittal's wife was last seen by him on 22-6-79 and that she was moving from that area.

3. And whereas in exercise of the powers conferred by rule 19(II) after taking into account the facts and circumstances of the case as also the past developments I have come to the conclusion after due consideration that it is not reasonably practicable to hold an enquiry in the manner provided in the rules. Taking into account the facts and circumstances as well as the evidences on record, Shri P. N. Mittal, is proved guilty and wilful absence from duty without permission or authority.

4. Now therefore, I, under the powers conferred on me by rule 12(2) (b) CCS(CCA) Rules, 1965, do hereby impose on the said Shri P. N. Mittal, Section Officer the major penalty under rule 11(ix) ibid of dismissal from service with immediate effect which shall ordinarily be a disqualification for further appointment under the Govt.

5. In case Shri P. N. Mittal, wishes to appeal against the orders, he may do so within 45 days of the receipt of the orders to the Appellate Authority viz. C.A.G. of India, under rule 25 of the C.C.S. (C.C.A.) Rules, 1965.

6. A copy of this order is being placed in his confidential Report File.

Sd/- Illegible
ACCOUNTANT GENERAL

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, UTTAR PRADESH-I

Allahabad, the 9th June 1982

No. O. O. Admn.1/11-144, Notification/67.—The Accountant General-I, U.P. has appointed the following officiating Accounts Officers in substantive capacity in Accounts Officers Cadre in the pay scale of Rs. 840-40-1000-E.B.-40-1200 with effect from 1 May 1982.

S. Shri

1. Chandra Kumar Asthana
2. Harshu Lal Misra
3. Hira Lal Srivastava
4. Shrinivas Agrawal
5. Shivendra Kumar Gupta
6. Kali Prasad
7. Bhagwan Sahai
8. Balwant Singh
9. Ram Beni Prasad Tewari
10. Mahendra Nath Gaur

S. J. S. AHLUWALIA
Sr. Dy. Accountant General(Admn)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 18th August 1982

No. 2477, Admn/130/82.—On attaining the age of superannuation Shri S. L. Anand, Substantive Audit Officer.

of the Audit Department, Defence Services, retired from service, with effect from 31st July, 1982 (A.N.).

R. S. GUPTA.
Jt. Director of Audit
Defence Services

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700 016, the 16th August 1982

No. 40/G/82.—On attaining the age of superannuation 58 years Shri A. N. Mitra, Offg. AM/Ad-hoc (Subst. and Permit. S. H.) retired from service w.e.f. 30th Sep. 1981 (AN).

V. K. MEHTA,
Director

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 11th August 1982

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROLS ESTABLISHMENT

No. 1/2/82-ADMN(G)/4604.—The President is pleased to appoint Shri Dalip Chand, (CSS Grade I Select List—1980) to continue to officiate in grade I of the CSS until further orders with effect from 1-1-1982 and as Deputy Chief Controller of Imports and Exports (of CSS) in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for the period from 1-4-1982 to 17-5-1982 (Forenoon).

ANOKH SINGH KAUL,
Dy. Chief Controller of Imports & Exports
For Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES
DIRECTORATE OF VANASPATI, VEGETABLE OILS & FATS

New Delhi-110019, the 31st July 1982

No. A-11013/1/79-Ext.—In continuation of this Directorate's Notification of even number dated the 23rd February, 1982, the *ad hoc* appointment of Shri P. S. Rawat, officiating Senior Hindi Translator in the Ministry of Civil Supplies, as Hindi Officer, has been continued in the Directorate of Vanaspati, Vegetable Oils & Fats in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on purely temporary and *ad hoc* basis with effect from 1st July, 1982 (FN), to 31st December, 1982 (AN), or till the regular incumbent is appointed, whichever is earlier.

P. C. CHEEMA,
Chief Director.

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 18th August 1982

No. A.19018(223)/75A(G) Vol. II.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Mitra, Asstt. Director (Gr. I) (Chem.) Br. Small Industries Service Institute, Silchar as Deputy Director (Chem.) on *ad hoc* basis at Small Industries Service Institute, Solan with effect from the forenoon of 29-6-82 until further orders.

The 19th August 1982

No. 12(524)/66-Admn.(G) Vol. II.—The President is pleased to appoint Shri S. L. Bhattacharjee, Assistant Director (Gr. I) (Leather/Footwear), Small Industries Service In-

stitute, Patna as Deputy Director (Leather/Footwear) at the same Institute with effect from the forenoon of 11-3-1982 until further orders

C. C. ROY.
Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 21st August 1982

No. A-17011/194/81-A6.—Shri Syed Mahmood Pasha, Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection, Bombay has been reverted to the post of Examiner of Stores (Engg.) w.e.f. the afternoon of 31st May, 1982.

N. M. PERUMAI
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 20th August 1982

No. A.19011(50)/70-Estt.A.—On his deputation to the Manganese Ore (India) Limited as Chief Geologist, Shri M. L. Singhvi, Regional Mining Geologist, Indian Bureau of Mines has relinquished the charge of the post of Regional Mining Geologist in Indian Bureau of Mines on the afternoon of 30th June, 1982.

No. A.19012(154)/82-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri Y. M. Sontakkey, Senior Technical Assistant (Mining) has been appointed to the post of Assistant Mining Engineer in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30th July, 1982.

No. A.19012(155)/82-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri M. Venkateswara Rao, Senior Technical Assistant (Ore Dressing) is appointed to the post of Assistant Research Officer (Ore Dressing) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 30th July, 1982.

No. A. 19012(156)/82-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri M. Suryaprakash Rao, Senior Technical Assistant (Ore Dressing) is appointed to the post of Assistant Research Officer (Ore Dressing) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 30th July, 1982.

B. C. MISHRA,
Head of Office,
Indian Bureau of Mines.

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 8th August 1982

No. A-31014/1/82-SV.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. L. Bhardwaj, a permanent Administrative Officer (Junior Grade) and presently working as Deputy Director (AT), Staff Training Institute Programme, All India Radio, New Delhi in a substantive capacity in the post of Inspector of Accounts in Directorate General, All India Radio with effect from the 1st March, 1980.

S. V. SESHADRI
Dy. Director (Admn.)
for Director General.

New Delhi-1, the 18th August 1982

No. 6(141)/63-SI.—On attaining the age of superannuation Shri R. Guusubramanian, Programme Executive, All India

Radio, Madras retired from Government service with effect from the afternoon of 30th June, 1982.

No. 4(59)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Vijay Kumar Banerjee, as Programme Executive, AIR, Calcutta in a temporary capacity with effect from 27th April, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200.

The 21st August 1982

No. 4(56)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri S. Sabarinathan, Programme Executive, All India Radio, Madras in a temporary capacity with effect from the 26th April, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200.

H. C. JAYAT
Dy. Director of (Admn.)
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
PUBLICATIONS DIVISION

New Delhi, the 8th July 1982

No. A-12025/1/80-Admn.I.—Shri Israr Ahmed, an U.P.S.C. nominee is hereby appointed as Artist in the Publications Division w.e.f. 9-2-81 (F.N.), purely on *ad hoc* basis at an initial pay of Rs. 650/- p.m. in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200, upto 4-6-1982.

P. B. BARTHAKUR.
Director

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 18th August 1982

No. A 22013/1/81-CGHS.I.—Consequent on her transfer from Bangalore to Delhi, Dr. (Kum.) Chanda Joshi, Homoeopathic Physician, relinquished charge of the post of Homoeopathic Physician under Central Govt. Health Scheme, Bangalore with effect from the afternoon of 15-7-82 and assumed charge of the post of Homoeopathic Physician under Central Govt. Health Scheme, Delhi with effect from the forenoon of 19-7-82.

The 20th August 1982

No. A.19018/24/81-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Smt.) Nafeesunnisa to the post of Unani Physician in the Central Govt. Health Scheme, Hyderabad on temporary basis with effect from the forenoon of the 2nd August, 1982. Until further orders are issued from this Directorate

T. S. RAO
Dy. Director Admn. (CGHS)

Bhabha ATOMIC RESEARCH CFNTRF
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 16th August 1982

No. PA/73(1)/82-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Ravindra Anant Kamath as Resident Medical Officer in Medical Divn. of the Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of July 31, 1982, until further orders.

B. C. PAI
Dy. Establishment Office

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 9th August 1982

No. A.19011/135/81-F.I.—On attaining the age of superannuation Shri A. G. Narasimha, Assistant Director of Com-

munication in the Office of the Director General of Civil Aviation retired from Government service on the afternoon of 31st July, 1982.

S. GUPTA,
Dy. Director (Admn.)

New Delhi, the 10th August 1982

No. A. 32014/2/82-EC.—The President is pleased to appoint the following Communication Assistants in the Civil Aviation Department to the grade of Assistant Communication Officer on adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-1200 with effect from the date indicated against each and to post them to the stations indicated against each :—

S. No.	Name	Present Stn. of posting	Stn. to which posted	Date of taking over charge
S/Shri				
1.	V. G. Sundaramurthy	Madras	Madras	30-4-82 (FN)
2.	V.K. H. Sharma	Madras	Madras	30-4-82 (FN)
3.	P. C. Abraham	Bangalore	Bangalore	30-4-82 (FN)
4.	A. Kumar	Varanasi	Varanasi	30-4-82 (FN)
5.	M. C. Paul	Madras	Madras	30-4-82 (FN)
6.	R. Arul Pragasam	Madras	Madras	30-4-82 (FN)
7.	T. G. Nair	Madras	Madras	30-4-82 (FN)
8.	P. M. Pillai	Madras	Madras	30-4-82 (FN)
9.	H. N. Randharia	Ahmedabad	Ahmedabad	30-4-82 (FN)
10.	R. K. Bepari	Delhi	Delhi	29-4-82 (FN)
11.	Balbir Singh	Delhi	Delhi	29-4-82 (FN)
12.	M. S. Singhal	Delhi	Delhi	29-4-82 (FN)
13.	M. S. Deol	Delhi	Delhi	29-4-82 (FN)
14.	H. S. Tuli	Delhi	Delhi	30-4-82 (FN)
15.	M. G. Sundal	Delhi	Delhi	29-4-82 (FN)
16.	G. Subramanyam	Delhi	Delhi	30-4-82 (FN)
17.	Cheman Singh	Delhi	Delhi	30-4-82 (FN)
18.	T. Paul	Delhi	Delhi	30-4-82 (FN)
19.	J. P. Gupta	Delhi	Delhi	29-4-82 (FN)
20.	C. L. Sen Choudhuri	Delhi	Delhi	29-4-82 (FN)
21.	P. R. Choudhury	Ranchi	Jamshedpur	26-7-82 (FN)

PREM CHAND,
Asstt. Dir. of Admn.

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 18th August 1982

No. 16/389/82-Ets-I.—The President, FRI & Colleges, is pleased to appoint Shri R. S. Shah, R.A.I. (S.G.), to the post of Asstt. Mensuration Officer in the pay scale of Rs. 650-1200 in a temporary capacity, w.e.f. 18-5-82, until further orders. He will be on probation until further orders.

The 19th August 1982

No. 16/375/82-I sts-I.—The President, FRI & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Nirmal Ram, R.A.I. (S.G.), M.F.P. Branch to the post of Research Officer in Environmental Research Station, Siliguri w.e.f. 24-7-82 (FN), until further orders

RAJAT KUMAR,
Registrar

Forest Research Institute & Colleges.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110011, the 16th August 1982

No. A-32012/1/81-Estt. V(Vol.II).—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman, Central Water Commission appoints the following Officers officiating as Extra Assistant Director/Assistant Engineers on *ad hoc* basis in the Central Water Commission, on a regular basis in the same post in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the *forenoon* of the dates shown against them :—

S. No.	Name	Date of appointment as EAD/AE on regular basis.
1.	Shri Jatinder Lal	11-6-82
2.	Shri A. K. Kukkilaya	11-6-82
3.	Shri Yogendra Prasad Singh	14-6-82
4.	Shri J. P. Anthony	14-6-82
5.	Shri Pradeep Chander Jha	1-7-82

2. The above mentioned officers will be on probation in the grade of EAD/AE in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid dates.

A. BHATTACHARYA
Under Secy.,
Central Water Commission

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION

(DEPARTMENT OF SUPPLY)

Calcutta-27, the 18th August 1982

No. G-65/S.O.—The Director General, National Test House, Alipore, Calcutta has been pleased to appoint Sri Satyapriya Roy, Scientific Assistant (Mech.), National Test House, Calcutta as Scientific Officer (Mechanical) in the office of the National Test House, Alipore, Calcutta on regular basis with effect from 26-6-82 (F/N), until further orders.

A. BANERJEE,
Dy. Director (Admn.)
for Director General

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Anoop Construction Private Limited*

Gwalior, the 31st July 1982

No. 1422/A/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Anoop Construction Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. K. SAXENA,
Registrar of Companies
Madhya Pradesh, Gwalior.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Indo French Traders Private Limited*

Bombay-2, the 13th August 1982

No. 629/5936/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Indo French Traders Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Elegant Crafts Pilvate Limited.*

Bombay-2, the 21st August 1982

No. 630/20790/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the

name of the Elegant Crafts Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. JAIN,
Addl. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Hyderabad the 17th August 1982

ORDER

No. 237.—The undermentioned Income tax Officer is confirmed as Income tax Officer, Class-II with effect from the date noted against his name at Column No. 3.

S. No.	Name of the ITO & Designation & place at which working	Date from which the vacancy has arisen	How the vacancy confirmed
1	2	3	4

1. Shri V. Murahari Rao, Income tax Officer, A-Ward, Nizamabad	1-8-82	Due to retirement of Sri P. Srirama- murthy ITO, Class-I (Confirmed as Class-II)
--	--------	--

2. The date of confirmation is subject to modification at a later date, if necessary.

M. S. NARAYANAN
Commissioner of Income tax,
Andhra Pradesh-I, Hyderabad.

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Nanubhai Nichhabhai Desai, Vapi, Tal. Pardi
(Transferor)

(2) Shri Jalaram Development Corporation, Vapi, Tal. Pardi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th July 1982

Ref. No. P.R. No. 1723 Acq 23-II/82-82.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 2301, 1105 (P) Vapi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on Dec., 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property at Vapi S. No. 230/1, 1105 (P) registered in December, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,

Date : 16-7-1982.
Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shri Amatyal Lalbhai Desai, P.A. Holder of Dolatbhai Lalbhai Desai; Vapi, Tal. Pardi.
(Transferor)

(2) Shri Vijay Builders; Vapi, Tal. Pardi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th July 1982

Ref. No. P.R. No. 1724 Acq 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 1072/A/1(P) situated at Vapi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on Dec., 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Vapi, S. No. 1072/A/1 (P) land registered in December, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1982.
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shri Shah Naginchandra Chunilal; 2. Shri Khimchand Maganlal; Vapi, Tal. Pardi.
(Transferor)

(2) Shri Maneklal Bhagvandas Reshamwala; Chala—Tal Pardi, At present : Kot Safi Road, Surat.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICIAL OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th July 1982

Ref. No. R.R. No. 1725 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No 443, 226, 445, 444 (P) situated at Chala Vapi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on December 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Chala—S. No. 443, 226, 445, 444 (P) land registered in December, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 16-7-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Rameshchandra Hiralal Shah; Surat.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Bherumal Dolatram Jangiyani; 2. Shri Jamiyatmal Dolatram; 3. Shri Dolumal Tilumal; 4. Shri Ghanshyam Gopaldas; 5. Shri Varsimal Jamumal; Opp. Madresa School, Navsari.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICIAL OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th July 1982

Ref. No. R.R. No. 1726 Acq 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No.

R.S. No. 632 (P) Tika No. C.S. No. 2065 situated at Navsari,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari on Dec., 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 632 (P) Tika No. 50, C.S. No. 2065, Navsari, registered in December, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 16-7-1982.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, IIHANDIUM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th July 1982

Ref. No. P.R. No. 1727 Acq 23-II/82-82.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Tika No. 57, S. No. 2946, Sandhkuva, situated at Navsari, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari on December, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Smt. Jamnaben Dayalji Patel; 2. Shri Narhabhai D. Patel; 3. Shri Arvindbhai D. Patel; 4. Shri Mukundbhai D. Patel; 5. Shri Vinubhai D. Patel; 6. Smt. Savitaben D. Patel; herself and guardian of minor Kamlesh B. Patel, minor Mahesh U. Patel and minor Vinaben B. Patel, all residing at Daman Tal. Navsari, Nos. 1 and 2 by their constituted attorney Shri Bhimbhai D. Patel and Nos. 3, 5 & 6 by their constituted attorney Shri Mukund D. Patel.

(Transferee)

(2) 1. Smt. Lilavati Hiralal Mehta; 2. Anila Rashiklal Mehta; 3. Smt. Shilpa Sudhir Mehta; 4. Smt. Kausik Sunil Mehta; & 5. Manoj Rasiklal Mehta; All at 65, Pedar Road, 6th Floor, Shanti Building, Bombay-400027.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property at Tika No. 57, S. No. 2946, at Navsari registered in December, 1981.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1982.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th July 1982

Ref. No. P. R. No. 1728 Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 12 (P) Bholav,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on December, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Hiralal Muljibhai Patel; Hasmukh Muljibhai Patel and their P.A. Holder; Shri Bhupendra Venkeshwarbhai Patel; Ramanbhai Muljibhai Patel; Zadeshwar, Tal. Broach.

(Transferor)

(2) 1. Kashibhai Bhajibhai Patel—Nikora, Tal. Broach.
2. Maheshbhai Gangaram Patel—Nikora, Tal. Broach.
3. Vipinbhai Harmanbhai Patel, Bharuch Patel Society, Broach. 4. Raginiben Prabodhchandra Shukla, Talbhaini Pat, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 1 (P) Bholav, registered in December, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1982.
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) 1. Suleiman Haji Mohmad Adam; Moti Dungari, Distt. Broach. 2. Chandrasinh Kalidas Jamadar; Dandia Bazar, Behind Police Chowky, Broach.
(Transferor)

(2) Alibhai Haji Umarji Memorial Trust; Trustee : Yakubbhai Haji Umarji Patel; 47, Mor Land Road, Bombay-8
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009 the 16th July 1982

Ref. No. P.R. No. 1729 Acq 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 96/4, & 95, Dungari, Broach,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on December, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 96/4 & 95 ,Dungari, registered in December, 1981.

R. R. SHAH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 16-7-1982.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) The Broach Udyognagar Sahakari Sangh; Bholav
Distt Broach
(Transferor)

(2) Farat Fabrics Pvt. Ltd. Bholav Dist. Broach
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th July 1982

Ref. No. P.R. No 1730 Acq 23-II/82-83 —Whereas, I,

R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Plot No. A/36 to A/39 Bholav, situated at
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Broach on December 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Property at Plot Nos. A36 and A39, Bholav registered in
December, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—
23—236 GI/82

Date 16-7-1982
Seal

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Bharatbhai Shanabhai; Chavaj, Tal. Broach.
(Transferor)

(2) Partners of Asiana Enterprise; Shri Gulam Mohamad
Abdul Rehman Amroliwala & others; Baranpuri
Bhagal, Surat.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th July 1982

Ref. No. P.R. No. 1731 Acq 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 303, Chavaj—Tal. Broach, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on December, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Chavaj S. No. 303, registered in December, 1981.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1982,
Seal :

FORM ITNS

(1) Partner of Modi Associates; Shri Arvind Chimanlal Modi & others, Sarverhajor, Broach.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Smt. Suryakanta Vasantlal Chokshi; Vadapada Road, Broach.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th July 1982

Ref. No. P.R. No. 1732 Acq 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 1 (P) land at Kanbivaga situated at, Broach, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on December, 1981,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 1, Kanabivaga, registered in December, 1981.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 16-7-1982.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Haribhai Chhaganbhai Patel, Chavaj, Tal. Broach
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009 the 16th July 1982

Ref. No. P.R. No. 1733 Acq 23-II 82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 157, at Chavaj Tal. Broach, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on December, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Partner of Real Land Enterprise; Shri Ramesh-chandra Hasmukhlal Thakkar, Dhela Khadi Shiv Pole, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Chavaj, S. No. 157, registered in December, 1981.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property on the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1982.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Ahmedabad-380 009, the 16th July 1982
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.

Ahmedabad-380 009, the 16th July 1982

Ref. No. P.R. No. 1734 Acq 23-II/82-83.—Whereas, I
R. R. Shah

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. R. S. No. 13 A & 61 (P) land at Ali situated at
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908) (16 of 1968) in the office of the Registering Officer
at Broach on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

(1) Shri Umarji Esap Adam
Shri Musabhai Esap Adam;
Shri Isabhai Esap Adam;
Shri Ahmad Esap Adam,
Sherpura, Tal. Broach.

(Transferor(s))

(2) Kailash Estate;
C/o Gajendra Nanalal Betwala;
Lal Bazar, Khalasvad, Broach.

(Transferee(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R. S No. 13/A & 61(P) at Ali, registered in
December, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date, 16-7-1982.

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Rajesh Vithalbhai Patel,
Shri Vithalbhai Ishvarbhai Patel,
Zadeswar, Dist Broach

(Transferor)

NOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009 the 16th July 1982

Ref No P R No 1735 Acq 23-II/82-83.—Whereas, I, R R SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No R S No 18/1+2, 19/2+5 situated at Zadeswar, Dist Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on December, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) M/s Mahavir Estate,
"Usha Darshan" 2nd Floor,
R. A. Kidwai Road, King Circle,
Bombay

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at R. S. No 18/1+2, 19/2+5, Zadeswar, registered in December, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date - 16-7 1982.
Seal.

FORM ITNS

(1) Chimanbhai Becharbhai Patel & others;
through : P. A. Holder Shri Ishvarbhai Becharbhai;
Gadkhola, Tal. Ankleshwar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Regini Ambalal Patel;
Soni Falia, Hanuman Sheri, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 16th July 1982

Ref. No. P. R. No. 1736/Acq 23-II/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 61, Gadkhola situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Gadkhola—S. No. 61, July registered in December, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 16-7-1982.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Zaverlal Kanchanlal Modi, Ankleshwar,
Kusumben Amaidas Patel;
9, Adarsh Society, Ankleshwar.

(Transferor)

(2) Ilaben Vipinbhai Pandya;
A 17, Asian Building,
Opp. Bijali Cinema, Matunga (West),
Bombay-16.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 16th July 1982

Ref. No. P. R. No. 1737/Acq 23-II/82-83.—Whereas, I,

R. R. SHAH

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No.

S. No. 453, Ankleshwar situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 453/1, Ankleshwar, registered in December, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 16-7-1982,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad 380009 the 16th July 1982

Ref No P R No 1738/Acq 23 JI/82 83—Whereas I, R R SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No S No 41913(P) land situated at Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ankleshwar on December, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

(1) Members of Shri Ram Housing Society,
1 Smt Vijaylaxmi Jagdishchandra Inani,
2 Janaklal Rikhavchand
3 Rikhavchand Tuathram
4 Jagmohan Jagdishram
5 Smt Vidyavanti Jagdishram
6 Chandreshpal Sabbaival
7 Kusumlata Sureshchandra
8 Usharam Kisankumar
9 Mahavni Shrinam Kapila
10 Asharam Hansraj
11 Smt Gita Dineshchandra
12 Aruna Manmohan Kisan
13 Smt Gita M Prabhakaran & others,
Shri I M Sahani P A Holder,
Kusumlata Sureshchandra P A Holder
R D Sharmi P A Holder,
D C Dwevedi, P A Holder

(Transferees)

(2) Shri Prakash Champaklal Lokhandwala
President Shri Ram Coop Housing Society,
Opp Vegetable Market Ankleshwar

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property at S No 41913(P) at Ankleshwar registered in December 1981

R R SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 16 982
Seal.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely
24—236 GI/82

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 16th July 1982

Ref. No. P. R. No. 1739/Acq 23-JI/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. S No.61, Ghadkhol situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ankleshwar in December, 1981 for on apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Chimanbhai Becharbhai Patel & others; P. A. Holder; Shri Ishvarbhai Becharbhai Patel; Ghadkhol, Tal. Ankleshwar. (Transferor)

(2) Ulupi Indrajit Sheth; Rani Falav, Main Road, Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 61(P) Godkhol registered in December, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 16-7-1982,
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

FORM ITNS

(1) Shri Hirachand Nathubhai Shah, Luhar Palia, Bardoli
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad 380009, the 16th July 1982

Ref No P R No 1740/Acq 23-II/82-83 —Whereas, I, R R SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing S No 117 (P) situated at Bardoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bardoli on December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) 1 Govindbhai Manjibhai Patel, (2) Bhimjibhai Khetabhai Patel, Ten Road, Bardoli
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S No 117(P) at Bardoli registered in December, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Hirachand Nathubhai Shah; Luhar Falia, Bardoli.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Mohanlal Bhimjibhai Patel; 2. Shivjibhai Bhimjibhai Patel; Ten Road, Bardoli.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 16th July 1982

Ref. No. P. R. No. 1741/Acq 23-II/82-83.—Whereas, I,

R. R. SHAH
being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearingS. No. 117, situated at Bardoli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bardoli on December 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 117, Bardoli registered in December, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-7-1982.
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 16th July 1982

Ref. No. P. R. No. 1742/Acq 23-II/82-83.—Whereas I, R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 465, TPS. 3, situated at Katargam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Babubhai Narandas Boghawala—Self and Karta of HUF. Jasvantiben Babubhai Boghawala; Jagdish Babubhai & others, Boghanivadi, Stn Rd. Surat. Champaklal Narandas—self and Karta of HUF. Chandanben Champaklal; Dilip Champaklal; Ramesh Champaklal & others; Bipinchandra Narandas Boghawala—self and Karta of HUF. Chok Bazar Main Rd. Surat, Shardaben Bipinchandra.—do—

(Transferor)

(2) President & Secretary of Rama Apartment Coop. Hsg. Society, Mohanbhai Makanji Patel; Jadavbhai Ramjibhai Patel; Sayedpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 465, TPS. 3, Katargam registered in December, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date : 16-7-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bharatkumar Ambalal Desai & others; Abrama,
Tal. Valsad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 26th July 1982

Ref. No. P. F. No. 1743/Acq 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 318/2, 318/3, situated at Abrama-Valsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Valsad on December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Abrama—S. No. 318/2, 318/3 registered in December, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date : 26-7-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Binita Banu Gopal; 11, Kamara Park, East Extension, Bangalore-560001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 26th July 1982

Ref. No. P.R. No. 1744/Acq 23-JI/82-83.—Whereas I, R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 121/B, 122/B Tithal situated at Valsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Valsad on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) 1. Sunitaben Kantibhai Champaneria; 19, Sonal Apartment, Goregaon, East, Bombay-400063.

2. Joti Pramod Shah; 41-A, Arun Narayan, Dabekar Road, Bombay-400006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within **45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette**.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Tithal S. No. 121/B, 122/B registered in December, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date : 26-7-1982.
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Jyotiben Raghu Kurup;
Kara Mangla, Bengalore-560034.
(Transferor)

(2) 1. Sunitaben Kantibhai Champaneria;
19, Sonal Apartment, Goregaon (East) Bombay-400063.
2. Jyoti Pramod Shah;
41-A, Aun Narayan Dabelkar Road, Bombay-400006
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 26th July 1982

Ref. No. P.R. No. 1745 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. S. No. 121/B 122/B Tithal situated at Valsad

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valsad on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at No. S. No. 121/3, 122/B, Tithal registered in December, 1981.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-7-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 26th July 1982

Ref. No. P.R. No. 1746/Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S No. 292, 293, 295, 306, 307, Vapi situated at Pardi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Alkaben Rajeshkumar P.A. holder Kantilal Sumant Nisar Ghatkoper, Bombay.
2. Rajeshkumar Kantilal Nisar P.A. holder Kantilal Sumant Nisar, Ghatkoper, Bombay.

(Transferor)

(2) Shree Enterprises,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Vapi S. No. 292, 293, 295, 306, 307 registered in Jan. 1982.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

25—236 GI/82

Date : 26-7-1982
Seal :

FORM ITNS -----

(1) Shri Imauddin Badruddin Sayed
Bholav, Broach

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 24th July 1982

Ref. No. P.R. No. 1747/Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 72 Bholav situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Broach on Jan. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Bholav S. No. 72, registered in Jan. 82.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-7-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 24th July 1982

Ref. No. P.R. No 1748/Acq 23-II/82-83—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 85/1, Kasak situated at Broach

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,---

(1) Adam Valimohammed.
Umar Valimohammed.
Musa Valimohammed.
Gafoor Valimohammed.
Dawood Valimohammed.
Yusuf Valimohammed.
Ishaq Valimohammed.
Ayub Valimohammed.
Kasak, Broach.

(Transferor)

(2) The Rachana Construction Pvt. Ltd.
Opp. S. P. College—old National Highway No. 8,
Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Kasak S. No. 85/1, registered in January, 1982.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 24-7 1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Anopbhai Kalidas,
Goya Bazar—Musafarkhana,
Ankleshwar.

(Transferor)

(2) Shri Sufuddin Akbarwala Shah,
Hayali Falta—Ankleshwar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 26th July 1982

Ref. No. P.R. No. 1749/Acq.23-JI/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 72 situated at Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registration officer at Ankleshwar on Jan. '82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed up between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Block No. 72, Ankleshwar, registered in Jan 1982.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date : 26-7-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Fatma Ismail Mohammed Sarigat,
Sabbu Ismail Sarigat,
Village Dadhal, Taluka—Ankleshwar
(Transferor)

(2) Pro. S. N. Trivedi,
Shri Padma Enterprise,
15, Adarsh Society, Ankleshwar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 26th July 1982

Ref. No. PR No. 1750 Acq 23-JI/82-83—Whereas, I, R. R. SHAH,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 74/1, situated at Sarangpur, Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on Jan. 82
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property at Sarangpur S. No. 74/1, registered in Jan. 82.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-7-1982

Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Abdulgani Abdulkhan
Vapi, Taluka—Paradi.

(Transferor)

(2) Hariya Property Develops Pvt. Ltd.
345—358, G.I.D.C. Vapi,
Selvas Road, Vapi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 26th July 1982

Ref. No. P.R. No. 1751/Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 21,000/- and bearing No. S. No. 312, 293, 311, 313, 219-2-2+219-3+219-7 situated at 219-8+219-9, 294-2+3, 294-1, 295 Dungaria (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patodi on Jan. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Dungaria S. No. 312, 293, 311, 313, 291-2-2+219-3+219-7, +219-8,+219-9, 294-2+3, 294-1,295, registered in Jan. 82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 26-7-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 26th July 1982

Ref No P.R No 1752/Acq 23-II/82-83 —Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No 414 1-2, situated at Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on Jan 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ayub Ahmed Motla,
P.A. Holder of Bai Hava Ahmad Mohammad
Near Jitali Naka Ankleshwar
(Transferor)

(2) Shri Maganbhai Karsanbhai
President of Chitrakut Co op Housing Society,
Ankleshwar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S No 414-1-2, registered in January 1982.

R R SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Ahmedabad

Date : 26-7 1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) 1. Sabu Gulam Rehman
2. Esuf Gulam Rehman
Kapodara, Tal. Ankleswar
(Transfors)

(2) Lalaji Rani Sharma
President of Brijesh Housing Society
Bhadkodra, Ankleswar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 26th July 1982

Ref. No. P.R. No. 1753/Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. S. No. 14, Bhadkodra, Tal. Ankleswar situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleswar on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any other person interested in the said immovable 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 14, Bhadkodra, registered in January 1982.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 26-7-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 26th July 1982

Ref. No. P.R. No. 1754/Acq 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nodh No. 402, Wd. No. 5, Kanskivad situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on Jan. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—236 GL/82

(1) 1. Gulamhussain Mohmedbhai Sanagar; Harihpura, Kanskivad, Surat.
2. Ahmadbhai Sadiq Mohmadbhai his P.A. Holder of No. 2 to 8 shown in 37-G form Gulamhussain Mohmedbhai Sanagar; Kanskivad, Surat. (Transferors)

(2) Shri Shakhumiya Bhaimiya Harihpura, Kanskivad, Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 402, Wd. No. 5, Kanskivad, Surat; registered in January 1982.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 26-7-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shantaben Fakirchand;
Gopipura, Mali Fala,
Surat

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Tulsidas Thakordas Manavalal
Bhandurivad, Nanpura, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad the 26th July 1982

Ref No PR No. 1755/Acq 23-II/82-83 —Whereas, I,

R. R SHAH,
being the Competent Authority under Section 296B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and

bearing No Nondh No 2122, Bala Hazari Mahollo Surat
situated at

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Surat on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect to any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 2122, Bala Hazari Mahollo Surat;
registered in January, 1982.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 26-7-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chinubhai Rikhavchand Shah
Gopipura, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Kanchanben Bhogilal Zaveri
2. Sunitaben Bipinchandra Zaveri
59-B, Valkeswar, Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 26th July 1982

Ref. No. P.R. No. 1756/Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 153, Plot No. 10, Athwa situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at Surat on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 153, Plot No. 10, Athwa, registered in January 1982.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26.7.1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD**

Ahmedabad-380009, the 26th July 1982

Ref. No. P.R. No. 1757 Acq.23-II/82-83.—Whereas, I,
R. R. SHAH,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. S. No. 311, 312 (P) situated at Katargam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Hasmukhlal Nagindas,
Shri Chambaklal Nagindas,
Shri Haswantlal Nagindas,
Bhus Sheri,
Mahidhapur, Surat.

(Transferors)

(2) 1. Jayantilal Ichharam—Karta of H.U.F. & Self.
2. Jitendra Thakorlal Karta of Thakorlal Ichharam H.U.F.
3. Gamanlal Ichharam—Karta of H.U.F.
4. Chandulal Ichharam—Karta of H.U.F.
5. Kantilal Ichharam—Karta of H.U.F.
5. Kantilal Ichharam—Karta of H.U.F.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property at Katargam S. No. 311, 312 (P) Registered in January, 1982.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-7-1982

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramnath Manilal
P.A. Holder: Shri Chimanlal Amthabhai
Village: Zundal, District: Gandhinagar.
(Transferor)

(2) Shri Joshi Chunilal Khushaldas,
Pipalwalo Khancho, Juna Asarva;
Ahmedabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 2nd August 1982

Ref. No. P.R. No. 1758/Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 996, Block No. 1198 situated at Village, Adalaj, District, Gandhinagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 18-12-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Village Adalaj as fully described in sale-deed No. 2185, registered in the office of Sub-registrar, Gandhinagar on 18-12-1981.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-8-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad 380009, the 3rd August 1982

Ref No PR No 1759 Acq 23-II/82 83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Sur No 89/2, 92, 91/2, 93/3, 93/4 situated at Village Sugadh in Gandhinagar Taluka, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 28-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1 Miss Sangita Kailashkumar Kanoria
2 Smt Urmilaben Kailashkumar Kanoria
3 Shri Kailashkumar Radhakrishnan Kanoria
4 Minor Saketkumar Kailashkumar Kanoria
All staying at Amrit Park, Savashtra Society, Paldi, Ahmedabad 380007
(Transferors)

(2) Kanoria Fermier Private Ltd
Opposite Amdupura Bus Stand,
Naroda Road, Ahmedabad
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

Agricultural land at Village Sugadh in Gandhinagar District as fully described in sale deeds No 2274 to 2276 (4 deeds) registered in the office of the Sub-Registrar, Gandhinagar on 28-12-1981.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-8-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Parshottambhai Ranchhodhbhai Patel & others.
Nagarwada, Gate Faliva, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 3rd August 1982

Ref. No. P.R. No. 1760 Acq.23-II 82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No 1217, 1218 1 and 1222 situated at Harmisim, Baroda (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 22-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Parshottambhai Ranchhodhbhai Patel & others.
Nagarwada, Gate Faliva, Baroda.

(Transferor)

(2) The President,
Amitnagar Co-op. Housing Soc. Ltd.
Behind Jagiuti Society, Nr. Water Tank,
Karelibaug, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-8-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Kantibhai Motubhai Patel, Station Road, Nadiad,
2 Ranchhodbhai Lallubhai Patel, Nadiad.
(Transferor)

(2) Santkrupa Co op Housing Soc Ltd.
Near Railway Crossing, Nadiad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd August 1982

Ref No. P.R. No 1761/Acq 23-JI/82-83—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 - and bearing No. S No 572 and 576 Parts thereof situated at Ratanji Patti, Nadiad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad on 15-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land at Ratanji Patti area of Nadiad town as fully described in sale-deed No 83 and 84 registered in the office of the Sub-Registrar, Nadiad on 15-1-1982.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 3-8-1982
Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Navrachna Corporation,
Through Partners
(1) Ahmedbhai Hasauhbhai & others
Polson Dan Road, Anand. (Transferor)

(2) Abdulkarim Suleman Mulla & others
Vohre Wad, Bhalej, Anand Taluka.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd August 1982

Ref. No. P.R. No 1762 Acq.23-II/82 83—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.P. No. 477 (Part) Sub. Plot No. F-2, situated at T.P.S. 1, Anand (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 17-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land & building in T.P.S. 1, Anand as fully described in sale deed No. 177 registered in the office of the sub-registrars, Anand on 17-1-1982.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
27—236 GI/82

Date : 3-8-1982
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shivben, Widow of Mangalbhai Dahyabhai & others, Wadi, Chikhodra Village, Anand Taluka. (Transferor)

(2) Shri Patel Mukundbhai Govdhandas & others, Sardar Patel Colony, Amul Dairy Road, Anand. (Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd August 1982

Ref. No. P. R. No. 1763.Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 188 (Part) situated at Chikhodra Sim, Anand Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 8-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at Chikhodra Sim, Anand Taluka, as fully described in sale deed No. 55, registered in the office of Sub Registrar, Anand on 8-1-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad,

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 3-8-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd August 1982

Ref. No. P. R. No. 1764/Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F. P. No. 461, R. S. No. 2887/1 situated at T.P.S. 1, Anand (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Anand on 6-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(1) Sh. Chimanbhai Ishwarbhai Patel,
Baharli Khadki, Mota Adadh,
Anand.

(Transferors)

(2) Sh. Manherlal Maganlal Jani,
Pushpakunj Society, Bhalej Road,
Anand.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Open land at T. P. S. 1, Anand as fully described in sale deed No. 36 registered in the office of the Sub. Registrar, Anand on 6-1-1982.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-8-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd August 1982

Ref. No. P. R. No. 1765/Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 2 114(Part), C. S. No. 1514 situated at Jetalpur, Baroda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 27-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Bhalchandra Shivaprasad Mehta,
Salchhaya, Khar Santa Cruz,
Bombay-52.

(Transferors)

(2) Smt. Shantaben Jayantilal Talavti & Others
Nehrunagar, Ambawadi, Baroda.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in the Chapter.

THE SCHEDULE

Open land at Jetalpur as fully described in Sale deed No. 427, registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 27-1-1982 R. S. 114(P).

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 3-8-1982

Seal :

FORM ITNS—

(1) Arunbhai Bhailalbhai Patel,
C/o Amul Traders, R. C. Dutta Road,
Baroda.

(Transferors)

(2) M/s. Uma Builders,
C/o Amul Traders, R. C. Dutta Road,
Baroda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd August 1982

ref. No.R. P. R. No. 1786.Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 762(Part) situated at Gotri, Baroda.

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at Varanasi on December, at Baroda on 19-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Open land at Gotri, Baroda, as fully described in sale deed No. 306 and 307 registered in the office of the Sub. Registrar, Baroda on 19-1-1982.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 3-8-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd August 1982

Ref. No. P. R. No. 1767/Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 774-784, Plots 10, 13 & 14, situated at Gotri Village, Baroda.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 27-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Geetaben Rashmikant Patel,
as power of attorney holder of
(i) Major Sambhunath Singh,
(ii) Smt. Kamalaben Hariprasad Patel,
86, Kunj, Society, Alkapuri, Baroda.
(Transferees)

(2) M/s. Shivam Corp.,
C/o Bhagwati Traders, Lehripura, New Road,
Baroda-390001.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land at village Gotvi, Baroda as fully described in sale deed Nos. 410 and 411 registered in the office of sub-Registrar, Baroda on 27-1-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-8-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Ushaben Anilkumar Nisar
 2. Atulkumar Kantilal Nisar
 P. A. holder of Ushaben—Shri Kantilal Samant
 Nisar Ghakkopar—Bombay.

(Transferors)

(2) Bhagatiben Balkrishna Pipawala Bombay.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
 AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th July 1982

Ref. No. P. R. No. 1768/Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 292, 293, 295, 306, 307, Vapi situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on Jan., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

Property at S. No. 292, 293, 295, 306, 307, registered in Jan. 1982.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II,
 Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 26-7-82.

Seal :

FORM ITNS

(1) Chandrakant Chimanlal Parikh
P. A. holder—Krishnakant Chimanlal Parikh
Ratan, Sabhannpura Naka, R. C. Circle, Baroda

(Transferor)

(2) M/s. Aulok Associates,
Through Partner : Chandrakant C. Patel &
others, 23, Alkapuri, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad-380 009, the 6th August 1982

Ref. No. P. R. No. 1769/Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 563-5 situated at Baroda Kasba (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 10-12-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Open land at Baroda kasba as fully described in sale deed No. 6718 registered in the office of sub-Registrar, Baroda, on 10-12-81

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 6-8-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th August 1982

Ref. No. P. R. No. 1770 / Acq.23/11/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Final plot No. 63—T.P.S. 1, situated at Moje Mehsana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mehsana on 2-12-81

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) 1. Rambhai Fulabhai Desai
2. Kaushikbhai Govindbhai Desai
3. Vinubhai Jivabhai Desai
All staying near Krishna Cinema, Mehsana.

(Transferor)

(2) Shri Umiya Shops & Offices owners
Parvati Mansion, Vithal Park Naka, Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open land at Mehsana, T.P.S. 1, F. P. No. 63, as fully described in sale deed No. 2940, registered in the office of Sub-Registrar, Mehsana, on 2-12-81

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
28—236 GI/82

Dated : 6-8-1982
Seal :

FORM LT.N.S.—

(1) Maganbhai Madhavbhai Patel,
Amodlal, Kasturba Nagar Alkapuri, Baroda.
(Transferor)

(2) Jayash Trading Co. Pvt. Ltd.
57 Raj Ratan Society, Shanker Lane,
Kantivele-Bombay-4.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th August 1982

R. S. No. 589-590 C. S. No. 3006, situated at Kasturba R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 589-590, C. S. No. 3006, situated at Kasturba-Nagar Society, Alkapuri, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 30-12-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and Building in Kasturba Nagar Society, Alkapuri, Baroda, as fully described in sale deed No. 7061 registered in the office of the Sub-Registrar, Baroda, on 30-12-81.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons, namely:—

Dated: 6-8-1982

Seal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th August 1982

Ref No PR 1772/Acq 23-II/82-83 —Whereas, I, R R SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S No. 2396 (P) plot at OR Athwa situated at Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on Dec 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1 Kantaben Lalbhai Desai
Iyotsaben Lalbhai Desai
Iyotsnaben Lalbhai Desai
their P.A holder Nanubhai Khandubhai Desai
Siddhmati Sheri, Wadi—Falia, Surat

(Transferor)

2 President & Secretary of Gurdhar Apartment Co
op Housing Society,
(1) Shri Bakubhai Mafatlal Shah,
Gagipura Kali Ground, Surat
(2) Bhikhubhai Kantilal Patel, Sagarpura,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 2396(P) Athwa, Surat registered in Dec 1981

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Dated . 6-8-1982
Seal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-II
 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
 AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1980

Ref. No. P.R. 1773/Acq.23-II/82-83—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 1755, 1756, 1740—Parshivad, situated at Wd No. 11 Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on Dec. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Shri Jalejor Kokhsanu Kapadia,
 Machhal Pith, Usaman—Mohalla, Surat
 at present—46 Chikoo Vadi, Ashabaug, Navsari,
 (Transferor)

2 Shri Pravinchandra Natvarlal Gheewala,
 Shri Kanchanlal Natvarlal Gheewala,
 Gopipura—Vakhar-vaalo-khancho.
 Surat.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No 1755, 1756, 1740, Parsivad, No 11, Surat registered in December, 1981.

R. R. SHAH,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II,
 Ahmedabad

Dated : 7-8-1982
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1982

Ref. No. P.R. 1774/Acq.23-II/82-83—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2366/1-A/1-A/Salabatpura Situated at Doriawad, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on Dec. 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

1. Hasmukhlat Ratilal
2. Gauriben Wd/o Ratilal Jaksandas, Inderpura, Khatrivid Surat.

(Transferor)

- 2 Smt. Kokilaben Kirtilal Limbda Chawk, Ghantu Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Nondh No 2366/1-A/1-A, Salabatpura, Doriawad, registered in December, 1981.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Dated : 7-8-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1982

Ref. No. P. R. No. 1775/Acq.23 II/82-83.—Whereas, I. R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. Nondh No. 2024-2 to 2024-7, Umarvada situated at Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pravinchandra Nanalal Shah
- (2) Shri Nanalal Jivraj Shah
- (3) Shri Dilip Sobhasmal Mehta,
- (4) Shri Dipak Sobhasmal Mehta
- (5) Shri Virat Sobhasmal Mehta,
Athwa lines—Surat.

(Transferor)

- (2) Partner of Sugar Exports,
Arvind Sobhasmal Mehta
Virat Apartment, Athwa lines, Surat

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 2024-2 to 2024-7, Umarvada, registered in Dec. 1891.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 7-8-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gulammohmad Gulamnabi Shaikh
Ambavadi, Kalipura, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Shri Abdul Razak Huseinmiya & others
2. Mohammad Iqbal Kadarmiya & others
Saiyadvad, Shahpor, Surat.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th August 1982

Ref. No. 1776/Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No 1651-1652-B, Wd. No. 12, Surat situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore in December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property at Nondh 1651-1652-B, Wd. No. 12, Tantvad, Shahpor, registered in December 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 6-8-1982
Seal:

FORM ITNS—

(1) Smt. Ashaben Jagdishchandra Shethwala,
Navapura, Ghanghiseri,
Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ramlaben Dhansukhlal,
Village-Singapore,
Tal. Choryasi,
Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 6th August 1982

Ref. No. P.R. No. 1777/Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory Building situated at Nondh No. 269-B, Ward No. 4, Haripura situated at Pirchhadi Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 269-B, Wd. No. 4, Pirchhadi Road, registered in December 1981.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 6-8-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 6th August 1982

Ref. No. P.R. No. 1778/Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Block No. 63, (b), Village Vereli
situated at Taluka-Palsana
and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kamrej on December 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating of concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—
29—236GJ/82

S/Shri
 (1) 1. Becharbhai Mohanbhai Patanvadia,
Village Haripura, Tal. Palsana.
 2. Rameshbhai Becharbhai,
Village Haripura, Tal. Palsana.
 3. Shantaben Gulabhai Naik,
Nikunj Society, Timaliavad, Surat.
 4. Dakshaben Dahyabhai Naik,
Kaji Medan, Gopipura, Surat.
 5. Balubhai Jivanji Naik,
Haripura, Taluka—Palsana.
 6. Balvantrai Nanubhai Desai,
At Dihen Taluka—Olpad.
 7. Shantaben Balubhai Naik,
At Haripura Taluka—Palsana.

(Transferors)

(2) Krishna Enterprises,
Prop. Balaji Trust,
Limada Chowk, Ghanti Sheri,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Vareli, Block No 63(b), registered in December, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 6-8-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Amhedabad-380 009, the 7th August 1982

Ref. No. P.R. No. 1779/Acq.23-II/82-83.— Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No. 15(b), 33-B situated at Village Vareli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kamraj on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, thererore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri

- (1) 1. Dahyabhai Vanmalibhai
2. Ishvarlal Dahyabhai
3. Sureshbhai Dahyabhai
4. Gaushitbhai Dahyabhai
5. Gangaben Dahyabhai
Village Haripura, Taluka Palsana.
6. Chhotalal Balkrishna Veraj
Village Vareli, Taluka Palsana.

(Transferor)

- (2) Rajkumar Silk Mills Pvt. Ltd.
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Vareli, Block No. 15(b) at Block-33-B, registered in January 1982 and December 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 7-8-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th August 1982

Ref. No. P.R. No. 1780/Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Tika No. 19, C.S. No. 2 and 3 R.S. No. 2814-B situated at Kakarkhad Patti area, Nadiad Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad on 4-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Pulinkumar Parshottamdas
2. Dineshkumar Parshottamdas
3. Girishkumar Parshottamdas
P.A. Holder—
Parshottamdas Umedbhai Patel,
Batuk Nivas, Mission Road,
Nadiad.

4. Kantilal Becharbhai
5. Dilipbhai Becharbhai
P.A. Holder—
Jayantkumar Kantilal,
Nadiad.

(Transferor)

- (2) 1. Mariyaben Mohmadrafi Karimbahi Chaklasiya, Nadiad.
2. Abdul Sattar Suleman Alad Nadiad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and old Building thereon situated at Kakkarkhad Patti area of Nadiad Town and fully described in Sale deed No. 1617, registered in the office of Sub-Registrar, Nadiad on 4-12-81.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 6-8-1982

Seal:

FORM ITNS

(1) Smt. Shakmtalaben Kishanlal Davawalle,
1227-28/A-2, Ghogha Circle, Bhavnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1982

Ref. No. P.R. No. 2063/Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot 1227-28/A-2, situated at Ghogha Circle, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 2-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sh. Kothari Apartments Co-op. Hsg. Soc. (proposed)
Plot No. 3, Jawahar Colony,
Bordi Gate, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building standing on land 668.88 sq. yards situated at Ghogha Circle, Bhavnagar duly registered by Sub-Registrar, Bhavnagar, vide sale deed No. 2749/2-12-81.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 7-8-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Rameshchandra Prabhudas Shah,
Khijdawali Sheri, Vadva, Bhavnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 7th August 1982

Ref. No. P.R. No. 2062/Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2233/S situated at Mill Drive, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 16-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Adm. 234.64 sq. yards situated at Mill-Drive, Bhavnagar, duly registered by S.R. Bhavnagar, vide sale deed No. 2890/16.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 7-8-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 7th August 1982

Ref No PR No 2061 Acq 23/1/82 83—Whereas, I, R R SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Rekh No 338 489 situated at Jayanta Plot No 17, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 24/12/1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

— (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Phivazeshaw Burjorji Mavolia,
Jagnalz Plot No 17 Cooper Cottage,
Rajkot
(Transferor)

(2) Shri Ashish Builders,
1 Shri Chandrakant Gamaran & others,
'Amurvarsha', Vimanagar Sheri No. 1,
Rajya Road, Rajkot
2 Shri Chandrakant Lavjibhai & Another
2, Sanku Sheri Krishna Nivas, Morvi,
Distt Rajkot
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 300 sq yards Lekh No 338-489 situated at Rajkot duly registered by Sub Registrar, Rajkot vide Sale deed No 9364/24-12 81

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date 7-8-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 7th August 1982

Ref. No. P.R. 2060 Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 462 Paiki situated at Girdhar Gokal Plot, Near Amrapali Talkies, Rajkot (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 16-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) Smt. Indumati Chandrakant Soshi,
L-30, Gujarat Housing Board,
Neel Mahila College Kolawad Road,
Rajkot.

(Transferor)

(2) Amar Builders,
Shri Navir J. Kothari,
'Div' Chambers, Opp. Arya Samaj Building,
Dhebas Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 503-1-0 sq. yards situated at Girdhar Gokal Plot Near Amrapati Talkies Rajkot duly registered by S.R. Rajkot vide sale deed No. 1711/16-12-1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7-8-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM NO. IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 7th August 1982

Ref. No. P.R. No. 2059/Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building situated at Raghuvir Shri No. 9, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-12-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

(1) 1. Shri Jilubha Nanabhai,
2. Shri Rambhai Nanabhai,
Village, Baman Bor, Tal. Chotila,
Distt. Rajkot, Saurashtra
(Transferor)

(2) Swastik Chamber Association,
Secretary : Shri Sudhirkumar Jayantilal,
9, Raghuvir Para, Gadhiya, Rajkot.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 110 sq. yards situated at 9, Raghuvirpura, Rajkot duly registered by S.R. Rajkot vide sale-deed No 8909/1-12-81.

R. R. SHAH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I Ahmedabad.

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I her-by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-8-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Sandeep Enterprise,
3, Mavdi Plot, Sandeep Estate,
Rajkot-2.

(Transferor)

(2) M/s. Regal Engineering Enterprise,
37-B, Industrial Estate,
Rajkot-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD 380009

Ahmedabad-380009, the 7th August 1982

Ref. No. P.R. No. 2058/Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P.T.C. Plot No. 41 and 40 situated at Behind Industrial Estate, Gondal Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 17-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land adm. 229.80+229.80 sq. m. situated at P.T.C. area, Rajkot, duly registered by Sub-Registrar, Rajkot, vide sale deed No. 6650 and 6652 dated 17-12-1981.

THE SCHEDULE

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
30—236GI/82

Date : 7-8-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDIOMM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 7th August 1982

Ref. No. P.R. No. 2057/Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 853, Paiki situated at Khamdanagar Jetpur Dist. Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Jai Shakti Processors
Through Partner Shri Niteshkumar Hariharprasad & others, Bokhala, Darwaja, Jetpur—Dist. Rajkot.
(Transferor)

(2) Royal Textile Processors,
Through Shri Bharatkumar Babulal Khanpura,
Shivji Khandasari, Jetpur—Dhoraj Road,
Village Pallava, Taluk Jetpur.
District Rajkot.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory shed standing on land 1950 sq. yards situated at Khamdanagar Jetpur, duly registered by Sub-Registrar, Jetpur, vid. sale-deed No. 2021/December, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7-8-1982

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Navnital Himmatal Kalyani & others,
Khodpura, Jetpur, Dist. Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 7th August 1982

Ref No. P.R. No. 2056/Acq.23-1/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Factory shed situated at Jetpur, Junagadh Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Chandulal Madhavdas Bathija,
786, Krishnaraj Goli, Mulji, Jetha Market,
Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Factory shed standing on land 1548-7 sq. yards, situated at Jetpur Junagadh Road, Jetpur, duly registered by S.R. Jetpur, vide sale deed No. 1941/December, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-8-1982

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hasmukhlal Masharla, 30, Prahlad Plot, Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Champaben Gordhandas Shah, 13, Ramkrishna Nagar, Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE 1, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th August 1982

Ref. No. P. R. No. 2055/Acq 23-I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building situated at Ramkrishna Sheri No. 13, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 9-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Building standing on land adm. 145-5-0 sq. yds. situated at 13, Ramkrishnagar, Rajkot, duly registered by S.R. Ahmedabad, vide sale deed No. 3748/9-12-1981.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 7-8-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th August 1982

Ref. No. P. R. No. 2054/Acq 23-I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. A/1 situated at Bhaktinagar Soc. 80 Feet Road, Sir Gopaldas Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 29-12-1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Savitaben Vajeshankar Dave,
Bhaktinagar Society,
80 Feet Road, Sir Gopaldas Road,
Near 'Shakti' Building,
Rajkot.

(Transferor)

(1) (1) Shri Mohanbhai Kanjibhai,
(2) Shri Vinodbhai Mohanbhai,
'Shakti' Building, Bhaktinagar Soc. 80 feet Road,
Sir Gopaldas Road, Opp. Panchsheel, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 300 sq. yds. with shops situated at Bhaktinagar Plot No 36-A/1, Paiki, Rajkot duly registered by S.R. vide sale deed No. 2705/29-12-1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 7-8-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th August 1982

Ref. No. P. R. No. 2053/Acq 23-I/82-83.—Whereas, I
R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 320-4-A, Block No. 487, S. No. 320-1-B Block No. 485
& S. No. 320-2, Block No. 487 situated at Village Shilaj Distt
Ahmedabad

(and more fully described in the Scheduled annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on December 1981
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Menaben Keshavlal Patel, Village Shilaj Deskroi Tal. Dist. Ahmedabad.
2. Parmanand Vadibhai Patel, Village Shilaj Daskroi, Tal. Dist. Ahmedabad.
3. Bai Mani Somabhai Shivabhai Patel, Village Shilaj Dastroi, Tal. District Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Shri Sumant Hiralal Parikh & others
Sunrise Park, Row House No. 3,
Near Drive-in-Cinema, Thaltaj, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Admn. 1A-31 G, 1A-2G, & 2A-7G situated at Village
Shilaj Daskroi Tal. District Ahmedabad duly registered by
Sub. Registrar, Ahmedabad vide sale deed Nos. 14031, 14059,
14012/December, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 7-8-1982

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Kantilal Purshottamdas Patel,
B-15 Pahel Baug Nehru Road,
Vile Parle Bombay-57

(Transferor)

(2) M N Patel Family Trust,
Trustee Maltiben Patel,
Nilam' Near Children Hospital,
Mithakali, Ellisbridge Ahmedabad

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad 380 009 the 31st July 1982

Ref No P R No 2052 Acq 23 I/82-83 —Whereas I
R R SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-
and bearing No
TPS 3 FP No 442 Hissa No 3 situated at Chanjuspur
Line, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Ahmedabad on December 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer,
and/or

THE SCHEDULE

Building situated at Mithakali, Ahmedabad duly registered
by Sub Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No 15158/Dec
1981

(b) facilitating the concealment of any income of any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957
(27 of 1957);

R. R SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely —

Date 31-7-1982

Seal:

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Rasiklal Occaylal Katuriya,
Khetwadi, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jayantkumar Biharlal,
82, Pritamnagar, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 2nd August 1982

Ref. No. P. R. No. 2051 Acq 23-I/82-83.—Whereas, I
R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 119, 122, 123, 124, 126, 128, 137-Paiki S. P. No. 63
situated at Vastrapur, Ahmedabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 7-12-1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land Adm. 428 sq. yds. situated at Wadaj, Ahmedabad
duly registered by Sub Registrar, Ahmedabad vide sale deed
Nos. 143678 & 14368/7-12-81.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 2-8-1982

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rasiklal Ochhavla Katuriya,
Khetwadi, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 2nd August 1982

Ref. No. P. R. No. 2050 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 119, 122, 123, 124, 126, 128, 137/Paiki S.P. No. 63-66 situated at Vastrapur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
31—236 GI/82

(2) Hasumatiaben Shashikant Shah,
C/o. R. G. Amin, 82, Pritamnagar,
Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 428 sq. yds. situated at Wadaj, Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad, vide Sale deed Nos. 14366 and 14365/7-12-1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 2-8-1982

Seal :

FORM ITNS—

(2) Revaben Widow of Khodaji Mohanji,
Ranip Village,
District Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 2nd August 1982

Ref. No. P. R. No. 2049 Acq 23-I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No No. T.P.S.I.—F.P. 11 situated at Ranip, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 7-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Rajeshwari Ranip Co. op. Hsg Soc. Ltd.
Shri G. K. Sharma,
C/o Parswanath Corporation,
Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Adm. 11027 sq. m. situated at Ranip, District Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale deed Nos. 14360, 14361, 14358 and 14359/7-12-81.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 2-8-1982
Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Balvantbhai Chimanlal Patel,
Panchsheel Society, Usmanpura,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Owners Association,
Flats, Ankur Road,
Naranpura, Ahmedabad-380013.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 2nd August 1982

Ref. No. P. R. No. 2048 Acq 23-1/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing F.P. No 106, TPS. 29, S. No 150 situated at Wadaj, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Ahmedabad on 15-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admin 714.80 sq. m. 236.11 sq. m. situated at Wadaj, Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale deed Nos. 14842 & 14845/15-12-81.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 2-8-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(1) M/s. Park Land Corporation,
'Sankul', High Court Road,
Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) M/s. Chokshi Traders Private Ltd
178, New Cloth Market, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 2nd August 1982

Ref No. P. R. No 2047 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I
R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
S.P. No 1 to 3, T.P.S. No 3, situated at Navrangpura,
Ahmedabad
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 7-12-1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Property adm 2110 sq ft etc Ahmedabad, duly registered
SR Ahmedabad vide sale deed No. 14280/7-12-81.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

Date : 2-8-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Park land Corporation,
Sanskrit, High Court Road Ahmedabad

(Transferor)

(2) Shri Girdharilal Maganlal Shah, H U T.
Shah House, P 34, India Exchange Palace,
Calcutta-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 1, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 2nd August 1982

Ref No P R No 2046 Acq 23-1/82 83.—Whereas, I
R R SHAH,

being the competent authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

S.P Nos 1 to 3, T P S No 3, situated at Shirkpur Khampur, Navrangpura Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

Property adm 1020 sq ft etc situated at Navrangpura, Ahmedabad duly registered by Sub Registrar, Ahmedabad vide sale deed No 14274-7-12 81.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ahmedabad

Date : 2-8-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS — — —

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 31st July 1982

Re. No. P. R. No. 2045 Acq. 23-J/82 83 — Whereas I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. I.P. No. 187 1 T.P.S. No. 3, S.P. No. 7 & 6 1 situated at Navrangpura, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 7-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Eye Hospital
Through Dr. Rameshchandia Jatabhai Desai,
Jodhpur Tekia, Ahmedabad
(Transferor)

(2) Shri Bhikhubhai Family Trust,
Transferee Sailaben Bhikhubhai,
Sumanli Society, Navrangpura,
Ahmedabad
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property i.e. office No. 17, 18, 27 & 28 situated at T.P.S. 3, I.P. No. 187 1 on 2/75th share in 70 2/15 sq. yd. land situated at Naranpura, Ahmedabad duly registered by Sub. Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 14332/7-12 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date 31-7-1982
Seal

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Parshottambhai Shamjibhai Patel & another.
Opp. Anand Talkies, Naroda, Ahmedabad.
(Transferor)

(2) Shri Lakhmichand Mohandas Malani, & others.
Flat No. 5, Sindhu Flats, New Bunglows,
Sakipur Bogha, Ahmedabad.

(Transferee)

(3) Vashudev V. Chavla.
(Person in occupation of the property)

(4) Ashokkumar V. Chavla.
(Person whom the under signed knows to be
interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 31st July 1982

Ref. No. P. R. No. 2044 Acq. 23-J/82-83/—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. N.P. Nos. 7747 to 7751, S.P. No. 35-A S. Nos. 42-43 situated at Shaijpur Bogha, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building standing on land 412 sq. yds. situated at Shaijpur Bogha, Ahmedabad, duly registered by Sub. Registrar, Ahmedabad, vide sale deed No. 2036/December, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 31-7-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad the 31st July 1982

Ref. No. P R No 2043 Acq 23-I/82-83.—Whereas, I R R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H.P. No 320, S.P. No 8, Flat No B-6, situated at Mithakhali, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Minal Land Development
Through : Pramodbhai Ratilal & Another,
Shreyas, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Member of Pallavi Park Apartments Owners Association.

(1) Dr Chaudaram R. Gandhi & others, &
(2) Smt. Ratnaben C. Gandhi, Pallavi Park Apartments, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No 136-57 Flat No. B-6, situated at Mithakhali, Ahmedabad duly registered by Sub. Registrar, Ahmedabad vide sale deed No 14914/17-12-1981.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-7-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 31st July 1982

Ref. No. P. R. No. 2042 Acq 23-I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing FP. No. 320, S.P. No. 8, Flat No. 4 situated at Mithakhali Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Ahmedabad on 17-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
32—236GI/82

(1) Minal Land Development,
Through : Pramodbhai Ratilal & Another,
Shreyas' Navrangpura,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Member of Pallavi Park Apartment Owners Association,
Shri Piyush Ratilal Shah,
Shreyas' Navrangpura Ahmedabad.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm. 136.57—Flat No. 4, situated at Mithakhali, Ahmedabad duly registered by Sub. Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 14913/17-12-1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 31-7-1982

Seal :

FORM LT.N 8

(1) Jamnadas Veljibhai Thakkar,
Nr. Rajpur Mill Gujarat Housing Society,
Block No 24, R. No. 94,
Ahmedabad

(Transferee.)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Amarsinhbhai Premjbhai Dulsania & others,
Ranjitbhai Harihbhai Solanki's Chali,
Rakhial, Sulchiampura, Ahmedabad

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDI OOM HOUSE, ASHIRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 31st July 1982

Ref No P R No 2041 Acq 23-I/82-83 —Whereas, I
R R SHAH,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.
S No 137, Hissa No 6/2, situated at Rajpur Hirpur,
Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 23-12-1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
respect of any income arising from the transfer,
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1951).

THE SCHEDULE

Land adm. 661 sq. yd. situated at Rajpur Hirapur, Ahmedabad
duly registered by Sub Registrar, Ahmedabad vide sale
deed No. 15928/23-12-1981.

R R SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range Ahmedabad

Date 31-7 1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOD
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-38009, the 31st July 1982

Ref. No. P. R. No. 2040 Acq. 23-1/82-83.—Whereas, I,

R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 150 paiki S.P. No. 15, situated at Wadaj, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Anil Enterprise—Through :
Kantilal Hiralal (HUF)
Limbdawali Pole, Saraspur,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) New Rupal Apartment Co. op. House Soc.
Promoters :
Shri Chandrakant P. Shah & another,
Limbdawali Pole, Saraspur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admin. 843 sq. yds. situated at Wadaj, Ahmedabad duly registered by Sub. Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 15436/December, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 31-7-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Balkrishna Chandulal Modi,
'Khetan Bhavan', 5th Floor,
198-G, Tata Road, Churchgate, Bombay.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Niyati & other Family Trust,
Shri Balkrishna C. Modi,
Vasant Mahal 'C' Road,
Churchgate, Bombay.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-38009, the 31st July 1982

Ref. No. P. R. No. 2039/Acq 23-I/82-83.—Whereas, I,

R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

EP. No. 701, TPS. 6, Sub Plot No. 5, situated at Chhadawad, Madalpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 21-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Building standing on land adm. 990 sq. yds. situated at Chhadawad, Madalpur, Ahmedabad duly registered by Sub. Registrar Ahmedabad vide sale deed Nos. 15109/21-12-81.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-7-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Puran Chand Chadha s/o (Late) Lala Bhagwan Dass Chadha r/o 197, New Park Street, Calcutta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Dhruv Construction Co. (P) Ltd., 1205, New Delhi House, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 17th August 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-81/1530.—Whereas I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing

Plot No. S-110, situated at Greater Kailash-II, New Delhi-48, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the New Delhi on December 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. S-110, Greater Kailash-II, New Delhi-48 measuring 300 sq. yds.

S. R. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 14-7-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 5th August 1982

Ref. No. F. 16882.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S situated at South Mada St., Madras-4, (Doc. 3312/81) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South on December 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Pappu Suryanarayana, 2-1-504/4, University Road, Hyderabad-500 004.

(Transferor)

(2) Madras Motor Finance & Guarantee Co. Ltd. 45, Armenian St., Madras-600 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 5, South Mada St., Madras-4. (Doc. 3312/81).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 5.8.82

Seal :

FORM ITNS

(1) S. Valliammal Achi, 3, Nungambakkam High Road, Madras-34

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. Vijayakumar & others, 609, Mount Road, Madras-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
SINGER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
123 MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6 the 5th August 1982

Ref. No. F. 16874.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS 156, situated at & 156/1, Mungambakkam (Doc. 2862/81), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar on December 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at RS 156/1 and 156, Nungambakkam (Doc. 2862/81).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 5.8.82
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 2nd August 1982

Ref. No. F. 11850.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10/103, situated at West Venkataswamy Road, RS Puram, Coimbatore (Doc. 6320/81),
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on December 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Kanchana Devi, Minor Adiban Bose, Minor Malabarvan Bose, High Heaven Shield Road, Sivakasi, Ramnad Dt

(Transferor)

(2) V. K. Jawaharlal, 39 Thiruvenkataswamy Road, RS Puram, Coimbatore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 10/103, West Venkataswamy Road, Coimbatore
(Doc No 6320/81)

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :—

Date 2-8-1982.

Seal :

FORM ITNS

(1) R. Manjunath Pai, Mrs. Nirmala Manjunath Pai, Viswanath M. Pai, Amarnath M. Pai, Kedarnath M. Pai, 30 Fourth Cross St Madras-28
(Transferor)

(2) Kum. Anitha R. Srihari, 19, College Road, Madras-600 006.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 5th August 1982

Ref. No. F. 16873--Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. 1567/10 situated at Block No. 31, Madras-4, (Doc. 2853/81), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar on December 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Rs. 1567/10, Block No. 31, Madras-4.

(Doc. 2853/81).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33—236GI/82

Date : 5-8-1982
Seal :

FORM ITNB

(1) Seethalakshmi W/o. Periaswamy, Abinimangalam, Turniyur, Trichy Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Ramaswamy Pillai, Natesam Pillai, 26, Godown St., Madras-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 6th August 1982

Ref. No F. 9595.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS 96 situated at Trichy (Doc. 3261 to 3263, 3315, to 3317/81, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Woraiyur on December 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(i) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(ii) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at TS 96, Trichy.
(Doc. 3261 to 3263, 3315 to 3317/81).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-8-1982,
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1,

KANNAMAI BUILDING, 11ND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 28th July 1982

Ref. No. 98 Dec/81.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 17, Halls Road, situated at Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perambal (Doc. 1665/81), on December, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M. C. Jaishankar, M. C. Udhay Shankar, M. C. Prakash Shanker, Mrs. Parvathy, Mrs. Primala Madhavan, M. C. Ravishanker, M. C. Ramesh Shanker, Plot No. 2994, Anna Nagar, West, Madras-43.
(Transferor)

(2) Kishore Gokaldas, 4, Hanumantharayan Koil Lane, Madras-600 003.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 17, Halls Road, Madras-10.
(Doc. 1665/81).

S. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-7-82.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
KANNAMMAI BUILDING, 11ND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 31st July 1982

Ref. No. 94/Dec/81.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, Appa Garden Road, situated at Madras-10, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perambal (Doc. 1193/81), on December 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) K. Alawandar, K. Rajamannar, K. Muralidhar, K. Ragunath, K. Aravamuthan, K. Chakrapani, K. Gopinath, 2, Appa Garden Road, Madras-10.
(Transferor)

(2) Mrs. Razia Sheriff, 12, Spur Tank Road, Madras-31.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at No. 2, Appa Garden Road, Madras-10.

(Doc. 1193/81)

S. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 31-7-1982
Seal : ..

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,

KANNAMAI BUILDING, 11ND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 31st July 1982

Ref No 24/Dec. 81.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 207/6, 10, situated at Narayanan St., Alagapuram, Salem, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Salem (Doc. 7571/81) on December 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Arokia Pillai S/o Doraiswamy Pillai 7, Colas Nagar, Pondicherry 605 001.
(Transferor)

(2) K. Periaswamy S/o. Kandaswamy Manager, Salem Central Co-op. Bank KHMS Colony, Narayana Pillai St., Salem 636 001.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 10, Narayanan St., Alagapuram, Salem.

(Doc. 7571/81).

S. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 31-7-82.
Seal:

FORM ITNS—

(1) S Narayanaswamy 8 Chittaranjan Road, Madras-18
(Transferor)

(2) Aswinkumar Atre 12D Maurice Nagar New Delhi-7
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE

KANNAMMAI BUILDING, 2ND FLOOR 621 MOUNI ROAD MADRAS-600 006

Madras 600 006 the 7th August 1982

Ref No 68/Dec/81—Whereas, I S LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Greenacre, Plot No 11, situated at Chettiar Road, Kodai kanal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodai kanal (Doc 525/81) on December 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1911 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land and building at Greenacre, 11 Chettiar Road, Kodai kanal
(Doc 525/81)

S LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 1 Madras-6

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date 7 8 82
Seal

FORM NO. ITNS—

(1) P. Sitharaman, S/o. Pethapcrumal Chettiar Konapet,
Rammad Dt.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mohamed Sheriff, 22, Saminatha Shastri St., Trichy.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE
KANNAMMAI BUILDING, 2ND FLOOR, 621, MOUNT
ROAD, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 9th August 1982

Ref. No. 69/Dec./81.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Cool Burne, 101C, situated at Observatory Road, Kodaikanal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodaikanal (Doc. 538/81), on December 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Cool Burne, 101C, Observatory Road, Kodaikanal.
(Doc. 538/81).

S. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 9-8-1982,
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

(1) S. Seetalakshmi W/o. P. Ayothiraman Chettiar,
Azhok Nagar, Dindigul
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE 1
KANNAMMAI BUILDING, 2ND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006 the 11th August 1982

Ref No 66 and 67/Dec /81—Whereas, I, S LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No 730/4A1, situated at Dindigul,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dindigul (Doc 2396 and 2397/81) on December 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(2) P. Rathinavel S/o Palamappa Gounder Pulaimarathukottai, Palani Tk, S B Arumugham S/o Bommanaswamy Gr. Pulaimarathukottai N. Chinnaraj S/o Narasimha Naidu Mammakkottai, Gurunathankankul, Dindigul
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expired later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Land at Survey No 730/4A1, Dindigul
(Doc 2396 and 2397/81)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ('11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date 11-8-82.

Seal:

FORM ITNS

(1) C. P. Singaram, C. P. Thambiappan, C.P. Marudachalam, C. N. Usha, Karpagam Natarajan, Mallika, Raja St, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) N. Chinnaswamy, 28/9, Subramaniapuram Thadagam Road, Coimbatore-2.

(Transferee)(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Ref. No. 11771.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

282 to 290, 290A, 291, 292, 292A, 292B, situated at 293, 294, 295, Telungupalayam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 5769/81 on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at 282 to 290, 290A, 291, 292, 292A, 292B, 293, 294, 295, Telungupalayam Coimbatore. (Doc. 5769/81).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1857);

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely :—
34—236 GI/82

Date : 6-8-82
Seal :

FORM ITNS—

(1) C. P. Singaram, C. P. Thambiannan, C. P. Marudachalam, C. N. Usha, Karpagam Natarajan, Mallika, Raja St, Coimbatore.

(Transferor)

(2) U. Muthappan, 360, Subramaniapuram, Thadagam Road, Coimbatore
K. Arumugham, 28/11, Subramaniapuram, Thadagam Road, Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Ref. No. 11771.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

282 to 290, 290A, 291, 292, 292A, 292B, 293, 295, 295, situated at Telungupalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 5770/81) on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

Land and building at 282 to 290, 290A, 291, 292, 292A, 292B, 293, 294, 295 Telungupalayam, Coimbatore (Doc. 5770/81).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 6-8-82

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) C. P. Singaram, C. P. Thambiannan, C.P. Marudalal, C. N. Usha, Karpagam Natarajan, Mallika, Raja St., Coimbatore.

(Transferor)

(2) Avanasiappan, S/o Marappa Gr. 331, Subramanipuram, Thadagam Road, Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th August 1982

Ref. No. 11771.—Whereas, I, R. P. PILLAI MRS. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 282 to 290, 290A, 291, 292, 292A, 293, 294, 295, situated at Telungupalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Coimbatore (Doc. 5771/81) on December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at 282 to 290, 290A, 291, 292, 292A, 292B, 293, 294, 295, Telungupalayam. (Doc. 5771/81).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-82

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th August 1982

Ref. No. 11771.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

292 to 290, 290A, 291, 292, 292A, 292B, 293, 294, 295, situated at Telungpalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 5772/81) on December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) C. P. Singaram, C. P. Thambiannan, C. P. Marudachalam, C. N. Usha, Karpagam Natarajan, Mallika, Raja St., Coimbatore.
(Transferor)

(2) Chennimalai Gounder, 328, Subramaniapuram, Thadagam Road, Coimbatore
R. Rangaswamy Gounder, 2, Robertson Road, Thadagam Road, Coimbatore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 282 to 290, 290A, 291, 292, 292A, 292B, 293, 294, 295, Telungpalayam (Doc. 5772).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-8-82

Seal :

FORM ITNS

(1) M. Thulasimani,
 M. Ramaswamy Gounder
 M. Rangaswamy Gounder
 S/o Muthu Gounder
 Royapalayampudur, Suriampalayam,
 Erode Tk.

(Transferor)

(2) Gandhiji Co-operative Building Society,
 Erode.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd August 1982

Ref. No. 11764.—Whereas, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 365 Suriampalayam, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Bhavani (Doc. 3025/81) (3026/81) (3027/81) on December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at S. No. 365, Suriampalayam (Doc. 3025 to 3027/81).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II
 Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date : 3-8-82.
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 11th August 1982

Ref No. 11760.—Whereas, I R. P. Pillai, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. So. No. 1158, 1159, 1160, 1161, situated at Marichanaickenpalayam, Pollachi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anaimalai (Doc. 1608/81) In December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Kuppuswamy Gounder
Thirumalaiswamy, Sankhanakrishnan
Sasikala, Kanimoli, Muthukumaraswamy,
Kripanandini, Dhalapathi C/o. Vanjiappa Gounder
Kaliappagoundenpudur, Marichanaickenpalayam,
Pollachi

(Transferor)

(2) Subbaian, Nagarajan, Kumaraswamy,
Senthilrajan, Palanivel, P. Rathinadurai
C/o. Palani Gounder, Vadugapalayam,
6, Kothukarar St., Thalakkalai,
Pollachi

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at S. No. 1158, 1159, 1160, 1161, Marichanaickenpalayam, Pollachi (Doc. 1608/81)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-8-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) TSK Chari S/o. T. V. Srinivasan,
Rajaram Colony, Kodambakkam, Madras.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 6th August 1982

Ref. No. 11765—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No 6, Ramachandria Lay out, situated at Telungupalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 5277/81) in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Hameed S/o Mohamed Hajer
Minoi Waheela Hameed, Himat House,
Kerala State
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Site 6, Ramachandria Lay out, Telungupalayam, Coimbatore (Doc. 5277/81)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 6-8-1982
Seal :

FORM I.T.N.S —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dr. C. N. Santhanam
20, Antari St., Ramnagar,
Coimbatore 641 009

(Transferor)

(2) Kasi H. Shah,
15, West Bashyakarai Road,
RS Puram, Coimbatore 641 002

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras 600006, the 6th August 1982

Ref No 11769—Whereas, I R. P. Pillai,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs 25,000/- and bearing
No S No 13/2-17/IA, 18/1 and 18/2, situated at
Komarupalayam Srinagar Lay out ,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Coimbatore (Doc 5647/81)
In December 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Land at S No. 13/2, 17/IA, 18/1 and 18/2 Sri Ram
Lay out, Komarupalayam (Doc 5647/81)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II Madras 600006

Date 6-8-1982
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

FORM ITNB

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 6th August 1982

Ref. No. 11773.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 562, Telungupalayam, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 5824/81)

In December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
35—236 GI/82

(1) Kuppanmal W/o Muniappa Chettiar
30/99, Siddi Vimayakar Koll St.,
Coimbatore

(Transferor)

(2) V. Sivaraman
8, Diwan Bahadur Road, RS Puram,
Coimbatore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 562 and TS 12/44, Telungupalayam, Coimbatore (Doc. 5824/81)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Madras-600006.

Date : 6-8-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Radika Devi W/o. Thirumalaiswamy Gr.
Ponnuja Goundanur, Pollachi TK
(Transferor)

(2) Palaniswamy Gounder S/o. Nachimuthu Gr.
Malayndipattinam (PO) Anaimalai
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RAIGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 6th August 1982

Ref. No. 11761.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S No 1522, 1523/IC, Kottur situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anaimalai (Doc. 1600/81)

In December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 1522, 1523/IC, Kottur (Doc. 1600/81)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Govindaraju
Dhanalakshmi, West St., Bhavani
(Transferor)

(2) Kuppayi W/o. Narayana Gr.
Kaliyampatti, Andikulam Bhavani Tk
Saraswathi W/o. K. K. Murugan,
Old Panchayat Office Road, Bhavani
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 6th August 1982

Ref. No. 11763.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7, 7A, 7B, 7C, 7E, Bhavani situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavani (Doc. 2832/81) in December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 7, 7A, 7B, 7C, 7E, Bhavani.
(Doc. 2832/81).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Madras-600006.

Date : 6-8-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Palaniappa Nadar,
Murugesan, Minor Palaniswamy
Thondamuthur, Coimbatore.

(Transferor)

(2) B. Chitra, 10, Rajammal Venugopal
Lay out, Saibaba Colony, Coimbatore

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th August 1982

Ref. No. 11768.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 749 722, 751/3, 748, situated at Kalikkannayankalpalayam, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 5641/81) In December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 749, 722, 751/3, 748 Kalikkannaikenpalayam (Doc. 5641/81)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-JI Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-8-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Dipak Kr. Kantilal & Ors.
29-Ganesh Avenue, Calcutta-13.

(Transferor)

(2) Sri Ramesh Chopra & Smt. Vandana Chopra,
6-Jawaharlal Nehru Road, Calcutta-13.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 19th July 1982

Ref. No. AC-11/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23A/142, situated at Diamond Harbour Rd, Calcutta-53 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Alipore, 24-Pargs on 5th December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Area: 5K. 7Ch. 11 sq.ft. being Prem. No. 23A/142, Diamond Harbour Road, New Alipore, Calcutta-53. More particularly described in deed No. 13189 of D. R. Alipore, 24 Paigs. of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-7-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Ashoka Marketing Ltd.,
5-Parliament Street, New Delhi
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Ragina Durai, Apartment No. 1C, on first
floor, Rajhans, 6-Hastings Park Road, Calcutta-27.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 16th July 1982

Ref. No. AC-10/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1C, Rajhans situated at 6-Hastings Park Rd., Cal-27 R. A. Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at On 15th December 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Apartmepnt No. 1C, Rajhass, 6-Hastings Park Road, Calcutta-27. More particularly riscribed in deed No. 10298 of R. A. Cal of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Calcutta.

Date : 16-7-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 2nd August 1982

Ref. No. AC-12/R-II/Cal/82-83.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1A, Rama Kanto Sen Lane, situated at Ultadanga, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta, 20th December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Samira Mitra,
W/o Nirmal Sankar Mitra,
48C Pria Nabakrishna Street, Calcutta,
(Transferor)

(2) R. Bajji Synthee P. I. (Ira)
Chancery International Centre,
33A, Chawringhee Road (6th floor),
F/L, Calcutta-71.

(3) Emel Projects.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Area : 1 Bigha 15 Ks. 12 sq. ft. at 1A, Rama Kanto Sen Lane, Ultadanga P. S. Maniktola, Calcutta-6. More particularly described in deed No 10696 of R.A. Calcutta of 1981.

K SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-8-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 2nd August 1982

Ref. No. AC-13/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 136/118/1-Ho-Chi-Min Sarani, situated at Behala, Calcutta-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at S.R.A. Calcutta on 14th December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Sadhantara Mitra,
2-Neogi Ghat Street,
Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Smriti Bhose,
2-Neogi Ghat Street,
Calcutta-3.

(Transferee)

(3) Transferor
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Area : 2 Bigha 3 Ks. 40 sq.ft. at 136/118/1-Ho-Chi-Min Sarani, Behala, Calcutta-8. More particularly described in deed No 10266 dated 14-12-81 of S. R. A. Calcutta 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-8-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Maharaj Kumar Somendra Chandra Nandy
2. Smt. Ratna Nandy & 3. Sri Samit Chandra
Nandy—all of 302, Acharva Profulla Chandra
Road, Calcutta-700 009.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 31st August 1982

Ref. No. TR-262/81-82/R-I/SI 640/IAC/Acq.R-I/Cal.—
Whereas, I, K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 2/1, situated at Russel Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
S.R. Calcutta on 9-12-1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(2) M/s. Aradhana Investment Ltd.,
4, Govt. Place North,
Calcutta-700 001.
(Transferee)

(3) 1. Sri Nihar Ranjan Chakraborty
2. M/s. Giriraj Marketing Pvt. Ltd.
3. Sri R. K. Jagtiwari
4. Sri S. N. Varma
5. Sri P. L. Bhandari
6. M/s. Sambriddhi Investment Ltd.
7. M/s. Morgan Walkar & Co. Ltd.
8. Sri N. K. Baks, Proprietor, Sumon Exchange,
and 9. Reliance Packing Industries Pvt. Ltd.—
being the tenants.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Two storeyed brick built building situated at 2/1, Russel
Street, Calcutta on land measuring an area of one bigha
fourteen cottahs eight chittacks and twenty sq. ft. registered
vide Deed No. I-10102 dated 9-12-81 in the office of Sub-
Registrar of Assurances, Calcutta.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date : 31-8-82
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
36—236 GI/82

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 5th August 1982

C.R. No. 62/33264/81-82/Acq./B.—Whereas, I,

MANJU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearingNo. a portion of site in No. 48,
situated at Mavalli Tank Bund Road, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
at Basavangudi Doc. No. 2783 on 16-12-1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—(1) Shri S. Rajagopal
No. 1C, No. 15, Rutland Gate,
4th Street (Cross),
Madras-600 006.

(Transferor)

(2) K. Muniamma
Kamikapuram
Vorgalaraja Kuppam Post
Puttur Taluk
Chittor District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2783 dated 16-12-81)
A Portion of property in No. 48, situated at Mavalli Tank Bund Road, Bangalore.MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 5-8-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 5th August 1982

C.R. No. 62/33263/81-82/Acq. B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. a portion of site in No. 48, situated at Mavalli Tank Bund Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavangudi Doc No 2784 on 16-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. S. Rajagopal
No. IC, No. 15, Rutland Gate,
4th Street, (Cross),
Madras-600 006

(Transferor)

(2) G. C. Jyothi Lakshmi G. C. Rajashekhar
minors by guardian mother
M. Shakuntalamma
16, Puttanna Road,
Basavangudi
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2784 dated 16-12-81)
A Portion of property in No. 48, situated at Mavalli Tank Bund Road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 5-8-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 5th August 1982

C.R. No. 62/35490/81-82/Acq., B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/18th Share of property at No. 45/13 situated at Promenade Road, Bangalore. (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Shivajinagar, Doc. No. 833 on 16-6-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt. Sonya M. Balani & others
No. 2 Siddaramappa Market,
A.M. Lane, Chickpet,
Bangalore-53.

(Transferor)

(2) Nargis K. Balani
Nanik K. Balani
4th Floor, Shivedarshan
Infantry Road,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 833 dated 16-6-1982)
1/18th Share of Property at No. 45/13, Promenade Road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-8-1982
Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560 001, the 5th August 1982

Ex C.R. No. 62/33246 81/82 Acq. B—Whereas I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 1/18th Share of property at No 45/13 situated at Promenade Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Doc. No 2783 on 11-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt Sonya M Balani & others
No. 2, Siddaramappa Market,
A M Lane, Chickpet,
Bangalore-53

(Transferor)

(2) Arjan Das D Sabnani
11, Thirumala Rao
Garden Lane
Off Nandidurg Road,
Bangalore-46

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No 2783 dated 11-12-1981)
1/18th Share of Property at No 45/13, Promenade Road
Bangalore

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 5-8-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Sonva M. Balani & others
No 2, Siddaramappa Market,
A M Lane, Chickpet,
Bangalore-53

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Lal M. Sabnani
W/o Mohandas Sabnani
No 10, Sindhi Colony
Cox Town Bangalore

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore 560 001, the 5th August 1982

C R No 62/33247 81-82/Acq B—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 1/18th Share of property at No 45/13 situated at Promenade Road Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Doc No 2784 on 11.12.81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2784 dated 11-12-1981)
1/18th Share of Property at No 45/13, Promenade Road, Bangalore

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 5-8-1982
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 5th August 1982

C.R. No. 62/33219/81-82/Acq. 'B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/18th Share of property at No. 45/13 situated at Promenade Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Doc. No. 2862 on 18-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt. Sonya M. Balani & others
No. 2, Siddaramappa Market.
A.M. Lane, Chickpet.
Bangalore-53.

(Transferor)

S (2) N. W. Balwany and Mrs. D. N. Relwany
4th Floor, Shivalok
Infantry Road,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2862 dated 18-12-1981)
1/18th Share of Property at No. 45/13, Promenade Road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 5-8-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 5th August 1982

C.R. No. 62/33218/81-82/Acq./B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/9th Share of property of No. 45/13 situated at Promenade Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Doc. No. 2861 on 18-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Sonya M. Balani & others
No. 2, Siddaramappa Market,
A.M. Lane, Chickpet,
Bangalore-53.

(Transferor)

(2) Smt. Sonya M. Balani
and Laju M. Balani
Infantry Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2861 dated 18-12-1981)
1/9th Share of Property at No 45/13, Promenade Road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-8-1982
Seal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 5th August 1982

C.R. No. 62/33245/81-82/Acq./B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/18th Share of property at No. 45/13 situated at Promenade Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Doc. No. 2782 on 11-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Sonya M. Balani & others
No. 2, Siddaramappa Market,
A.M. Lane, Chickpet,
Bangalore-53.

(Transferor)

(2) Sh. Mohandas Sabani S/o N. Sabnani
10, Sindhi Colony
Cox Town, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2782 dated 11-12-1981)
1/18th Share of Property at No. 45/13, Promenade Road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
37-236GI/82

Date : 5-8-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Sonya M. Balani & others
No. 2 Siddaramappa Market
A M Lane, Chickpet
Bangalore 53

(2) Mrs. Indira G. Bhojwani
80 Beach Candy
Bombay 400026

(Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore 560 001 the 5th August 1982

C.R. No. 62, 33217/81 82/Acq /B—Whereas, I
MANJU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 296B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and
bearing No 1/18th Share of property at No 45/13
situated at Promenade Road, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Shivajinagar Doc No 2860 on 18-12-1981
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2860 dated 18-12-1981)
1/18th Share of Property at No 45/13, Promenade Road,
Bangalore

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Bangalore

Date 5-8-1982
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Dr. T. Rumalinga Shetty, S/o Venkata Ramanyya, Anakapally.

(Transferor)

(2) M/s Sri Industries, 39-52-4, Muralinagar, Vizag.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th August 1982

RAC No. 55/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 62/1B and 92 1B situated at Pendurthy Village (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1952 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 acres of agricultural land in Pendurthy village in the following survey Nos.

(a) S. No. 62/1B Wet Ac. 16-38 cents or 6.223 Hectares
(b) S. No. 92/1-B Wet Ac. 0-06 cents or 0-024 Hs. registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 10314/81.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date : 9-8-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri K. Atchuta Vaidhana Rao, S/o Umamaheswara Rao Gunadala 2, K. Umamaheswara Rao, Gunadala (Transferor)

(2) Sri K. Ankanna Babu and 2, Sri K. Ramalingeswara Rao, S/o K. Seethapathi Rao, D No. 27-30-2, Governoipet, Vijayawada. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th August 1982

RAC. No. 56/82-83.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No. 289/7 & 290/3 Gunadala, situated at Gunadala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Vijayawada on December, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property site with Tin sheet shed (D. No. 48-7-36) Gunadala Vijayawada RS. Nos. 290/3 and 289/7 registered at S.R.O., Vijayawada on December, 1981 vide document Nos. 11988 and 11989

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-8-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Palsa Traders and Industries, Managing partner Sri B. Manik Prasad, D. No. 14-3-19, Mowroji Road, Vizag.

(Transferor)

(2) M/s. Kaveri Sen Foods, Managing Partner Sri V. A. Kurian, "Monticith Court" 64, Monteith Road, Madras-600 008.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th August 1982

RAC. No. 57/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 376 situated at Kesibugga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kasibugga on December, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of **30 days from the service of notice on the respective persons**, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property No. 376, 2.46 acres, Built up area 73-425 sq. ft. registered with S.R.O., Kasibugga, vide registered document No. 2621/81.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-8-1982
Seal :

FORM I.T.N S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th August 1982

RAC No 58/82 83—Whereas, I,
 M JEGAN MOHAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No S No 156 situated at Stambalagaruvu Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on Dec 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Ch Ramakrishna Reddy S/o Venkatareddy, Stambalagaruvu, Guntur (Transferor)
 (2) Sri M Venkateswariu, S/o Ranalingaiah, Stambalagaruvu,
 2 V Kotireddy, S/o Seetharama Reddy,
 Shyamalanagar
 3 M Seetharama Reddy S/o Kotireddy
 Stambalagaruvu, Guntur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property in S No 156, D No 197 Stambalagaruvu, Vacant land of 1684 Sq yds Nallapadu sivaru, Guntur registered with S R O Guntur vide document No 12814 of 1981.

M JEGAN MOHAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range Hyderabad (A P)

Date : 9-8-1982
 Seal :

FORM LT.N.S.—

(1) Sri K. Kotaiah, S/o Lingaiah
2. Sri K. V. Subbaiah, S/o Kotaiah
Yerrajerla, ONGOLE Tq.

(Transferor)

(2) Sri A. Rangaiah, S/o Sitramulu
Tirovakunta village, ONGOLE Tq.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th August 1982

RAC No. 59/82-83.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS No. 640 situated at
Ongole

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ongole on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property at Ongole Town, Municipal Ward No. 3, Block No. 3 T.S. No. 640 area 59 2/72 sq.yds registered with SRO, ONGOLE Dt. 15-12-1981 vide document No. 5222.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 9-8-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. T. Sakuntala W/o Krishna Murthy,
Canal Road, Atti).

(Transferor)

(2) Sri G. Venkata Usha, w/o Dr. Venkata Visweswara
13th Ward Venkavya Naidu Street,
Bhimavaram.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th August 1982

RAC No. 60/82-83—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 20-15-19 situated at Bhimavaram
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Bhimavaram on Dec. 1981
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property D. No. 20-15-19, 14th Ward, Sunkara Pad-
dyya Street, Bhimavaram, registered with S.R.O. Bhimavaram
vide document No. 3863/81.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 9-8-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th August 1982

RAC. No. 61/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 640 situated at Ongole

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ongole on Dec. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri D. V. Seshaiah, S/o Ankanna
2. Sri Venkatarao, S/o Venkata Seshaiah
3. Audinarayana, S/o Venkata Seshaiah, Thuipunaidu Palem, ONGOLE.

(Transferor)

(2) Sri M. V. Krishna Rao, adopted son of M. Chennaiah, South Bazar, ONGOLE.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

House property at Ongole in T.S. No. 640 Assl. No. 8405 A 3 storied Building D. No. 37-1-386 (1) Trunk Road, Ongole-523 001 registered with S.R.O., Ongole vide document No. 5325.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
38—236GI/82

Date : 9-8-1982
Seal :

FORM I.T.N.S. —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th August 1982

RAC No. 62/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing D. No. 8/3 A situated at Vaddavalli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narasaraopet on Dec. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Sri Y. Parthasarathi, S/o N. Murthy
 2. T. Kotaiah, S/o Pedda Venkaiah
 3. T. Ch. Brahmananda Rao, S/o Venkatappaiah
 4. Y. Mohan Rao, S/o Mallaiah
 Sattenapally Tq. Guntur Dt. (Transferor)

(2) Sri Y. Laxmi Kanthaiah, Bradipet, 5th Line, 1st Cross Road, Guntur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property at D. No. 8/3A, Vaddavalli (village) Sattenapally, registered with S.R.O. Narasaraopet on 15-12-1981 vide document No. 5694 of 1981.

M. JEGAN MOHAN,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-8-1982
 Seal :

FORM ITNS

(1) Sri V. P. Sankaranarayana adopted son of Venkateswara Rao, Narasaraopet.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th August 1982

Ref. No. 63/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T. S. No. 1533
situated at Narasaraopet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narasaraopet on Dec. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) S/Sri I. N. Ramachandra Rao, S/o Narayana
2. P. Rangaiah, S/o Ramach
3. G. Raghavaiah, S/o Venkatappaiah
4. G. Pulla Rao, S/o Sriramulu
5. K. Narasimha Rao, S/o Balakotaiah
6. K. Radhakrishnamurthy, S/o Venkatasubbaiah
7. A. Balakoteswara Rao, S/o Koteswararao, Narasaraopet, Guntur Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant site in T.S. No. 1533 situated at Narasaraopet, near Eswar Mahal, New Ward 14. Asst. No. 5375, 2130 sq. yds. registered with S.R.O. Narasaraopet, vide document No. 5728 of 1981.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-8-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th August 1982

RAC No. 64/82-83.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

NTS 455 situated at

Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Vijayawada on Dec. 1981for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sri K. Gangaiah, S/o Pitchaiah
2. K. Sukhdev S/o Pitchaiah
3. K. Kamalakar Rao, S/o Pitchaiah
4. P. Vagumathi Devi W/o Narasimharao
5. N. Vimala Devi, W/o Chandramouleswara Prasad
6. Suseela, W/o Mohandas D. No. 8-14-18/2, Red
Cross Street, Kakinada.

(Transferor)

- (2) Sri B. Seetha Reddy, S/o Anji Reddy,
2. B. Masudhana Reddy S/o Seethareddy
3. Sri B. Ramprasad Reddy, S/o Seethareddy
4. Sri E. Bharathi Devi, W/o Purnachandra Reddy,
5. Sri K. Swarna Kumati, W/o Ramanadha Reddy
Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site at Mogalrajapuram, Vijayawada NTS No. 455
Ward No. 10, Block No. 19, Asst. No. I.R. 726, 4200 sq. yds.
registered with S.R.O. Vijayawada vide document No. 11987
of 1981.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
person, namely :—

Date : 9-8-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1982

Ref No ASR/82-83/174—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No

Plot of land in New Garden colony situated at Amritsar SR Amritsar on December 81 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on December 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) Sh Ved Parkash s/o Sh Puran Chand r/o Ajit Nagar self & mukhtiar Jammin Janab firm M/s. Ramesh & Co Katra Aluwalia, Amritsar (Transferor)
- (2) Sh Ujagar Mal s/o Sh Nand Lal r/o Katia Aluwalia, Kucha Kalyan Dass Bhatia, Amritsar (Transferee)
- (3) As at sr No 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land No 7-8 (1 9th share) area 203 sq yds situated on Circular Road, New Garden Colony, Amritsar as mentioned in the sale deed No 16433/dated 7-12-81 of the registering authority, Amritsar

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritsar

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date 27-7-82
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/175.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot in New Garden Colony situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on December 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Ved Parkash s/o Sh. Puran Chand r/o Ajit Nagar self & mukhtar aam min janab firm M/s. Ramesh & Co. Katra Aluwalia, Amritsar. (Transferor)

(2) Sh. Jagdish Lal s/o S. Nand Lal r/o Katra Aluwalia Amritsar Kucha Kalyan Dass Bhatia, Amritsar. (Transferee)

*(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)

*(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

One plot of land No 7-8 min (1/5th share) area 203 sq. yds. situated on Circular Road, New Garden Colony, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16434/dated 7-12-81 of the registering authority Amritsar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-7-82
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Ved Parkash s/o Sh. Puran Chand r/o Ajit Nagar self & mukhtiar aam min janab firm M/s. Ramesh & Co Katra Aluwallia, Amritsar.
(Transferor)

(2) Kirti Lal s/o Sh. Nand Lal r/o Gali Kalyan Dass Bhatta, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land No 7-8 (1/5th share) area 203 sq. yds. situated on Circular Road abadi, New Garden Colony, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16431/dated 7-12-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-7-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/177.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot of land situated at Circular Road New Garden Colony, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on December 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Ved Parkash s/o Sh. Puran Chand r/o Ajit Nagar self & mukhtar aam min janab firm M/s. Ramesh & Co. Katra Aluwalia, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Sh. Prem Kumar s/o Sh. Nand Lal r/o Katia Aluwalia Kucha Kalyan Dass Bhatia, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land No. 7-8 (1/5th share) area 203 sq. yds. situated on Circular Road Abadi New Garden Colony Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16430/dated 7-12-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-7-82

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3 CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 27th July 1982

Ref No ASR/82-83, 178—Whereas I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

One plot of land in situated at New Garden Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at SR Amritsar on December 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Sh. Ved Parkash s/o Sh. Puran Chand r/o Ajit Singh and Mukhtaraam, Amritsar, (Transferor)
- (2) Shri Kishan Lal s/o Nand Lal r/o Kartar Aluwalia, Amritsar (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1/5th share in 1019 sq. yds. situated on Circular Road, New Garden Colony, Amritsar, as mentioned in the sale deed No 16432/dated 7-12-81 of the registering authority Amritsar

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
39—236GT/82

Date : 27-7-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3 CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 30th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/179.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property in Gali Lalaniwali situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at SR Amritsar on December 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shmt. Kanti Nagina d/o Sh. Bawa Mani Ram, Shmt. Vidya Wanti wd/o Shri Hira Lal, Shmt. Sharda Khosla w/o Sh. R. L. Khosla, Shmt. Santosh Bawa wd/o Sh. Anand Sarup, Shmt. Bimla w/o Sh. O. P., Shmt. Satya Seth w/o Sh. S. N. Seth through Sh. K. K. Chopra s/o Pattap Chand Chopra r/o Amritsar now 1222 Sector-C, Chandigarh

(Transferor)

(2) Shmt. Shakuntla Devi w/o Sh. Gopal Dass, Shmt. Nirmala Devi w/o Sh. Hari Om, Padam Kumar s/o Thakur Dass Shri Vijay Kumar S/o Sh. Thakur Dass Shri Sunil Kumar S/o Sh. Thakur Dass r/o Scheme No. 1, Ktr. Sher Singh, Amritsar, Smt. Shakuntla K. Pal w/o Sh. Baldev Raj r/o Dhab Khatikan Amritsar

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any. Girdhari Lal 30/-, Girdhari Lal 20/-, Ayudhyanath 30/-, Gunpat Rai 10/-, P. C. Khosla 10/-, Munshi Ram 10/-, Shroo Lal 14/-, Laxmi Bai 8/-, Gaja Nand 8/-

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up shops and residential houses situated in Gali Lalaniwali Kt. Ahluwalia, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16339 dated 4-12-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, AmritsarDate : 30-7-82
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
3-C HANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th July 1982

Ref. No. ASR/82-83/180.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
One property in Gali 1 alanwali situated at Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
SR Amritsar on December 81
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Smt. Sharda Khosla w/o Shri R. L. Khosla, Smt.
Santosh wd/o Shri Anand Sarup, Shmt. Bimla w/o
Sh. O. P., Shmt. Sawitri Devi w/o Sh. Kidar Nath,
Shmt. Salya Seth w/o Shri S. N. Seth through
Sh. K. K. Chopra s/o Sh. Partap Chand Chopra
r/o Amritsar now 1222 Sector/C, Chandigarh.
(Transferor)

(2) Sh. Piem Pasi s/o Sh. Raj Kumar r/o Katra Sher
Singh Scheme No. 1, Amritsar, Shmt. Shakuntla K.
Pal w/o Sh. Baldev Raj r/o Dhab Khatikan Amritsar.
(Transferor)

(3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
Girdhari Lal 30/-, Girdhari Lal 20/-, Ayudhya Nath
30/-, Ganpat Rai 10/-, P. C. Khosla 10/-, Munshi
Ram 10/-, Shroo Lal 14/-, Laxmi Bai 8/-, Gaja
Nand 8/-
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

THE SCHEDULE

Built up shops and residential houses situated in Gali Lalan-
wali Ktr. Ahluwalia, Amritsar as mentioned in the sale deed
No. 16337/dated 4-12-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Date : 30-7-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD.

AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1982

Ref. No. ASR/82-83/181.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property on Race Course Rd situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on December 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shmt. Kusum Suri d/o Sh. Indersen r/o 30-Race Course Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Miss Sheela Rai d/o Jaswant Rai 30-Race Course Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1/8th share in kothi No. 30, situated on Race Course Road, Amritsar (area 173 $\frac{1}{4}$ sq. yds) as mentioned in the sale deed No. 17560/dated 30-12-81 of the registering authority Amritsar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant, Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 6-8-82

Seal :

FORM ITNS

(1) Shmt. Kusum Suri d/o Sh. Inde Sen r/o 30, Race Course Road, Amritsar.
(Transferor)

(2) Shmt. Madhu Chawla d/o Sh. Indeisen r/o 30 Race Course Road, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at sl. No. 2 and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 6th August 1982

Ref. No. ASR/82-83/182.—Whereas, I ANAND SINGH, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property on Race Course Road situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on December 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share in kothi No. 30 situated on Race Course Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 17579 dated 30-12-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-82
Seal :

FORM LT.N.S.—

(1) Shri Putan Singh s/o Lal Singh, Village Rajjada, Teh. & Distt. Gurdaspur.
(Transferor)

(2) Gurdip Singh s/o Kartar Singh r/o Rajjada, Teh. & Distt. Gurdaspur.
(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 24 kanals in village Rajjada Teh. & Distt. Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 5756 dated 3-12-81 of the registering authority Gurdaspur.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: —

Date : 4/8/82
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Smt. Surjit Kaur r/o village Butter Kalan, Teh. & Distt. Gurdaspur.
(Transferor)

(2) Sh. Dalbir Singh s/o Sadhu Singh r/o Village Butter Kalan, Teh. & Distt. Gurdaspur.
(Transferee)

(3) As at st. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYTOR ROAD,
AMRITSAR

Amitab the 4th August 1982

Ref. No. ASR/82-83/184 - Whereas, I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land in Vill. Butter Kalan situated at Teh. Gurdaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Gurdaspur on December 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 33K 17M situated in village Butter Kalan Teh. & Distt. Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 5745 dated 13-12-81 of the registering authority Gurdaspur

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 4-8-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
3 CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 5th August 1982

Ref No ASR/82/83/185--Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot in Raghunathpura situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(1) Sh. Kahan Chand Narang s/o Sh. Jai Kishan Narang and Shmt. Champa Wati w/o Sh. Jai Kishan Narang 1/o Bombay through Sh. R. V. Boga mukhtari aam through Sh. Joginder Singh 1/o village Mudhal mukhtari aam.

(Transferor)

(2) Shmt. Ritu Khanna w/o Sh. Vijay Khanna 1/o Lawrence Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 250 sq yds. situated in Raghunathpura urban near T.B. Hospital, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 17548 dated 30-12-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 5-8-82
Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 5th August 1982

Ref No ASR/82 83/186—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

One plot in Raghunathpura situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

(1) Sh Kahan Chand Narang s/o Sh Jai Kishan Narang and Smt Champa Wali wd/o Sh Jai Kishan Narang 1/o G T Road Amritsar through Sh Joginder Singh Mudali s/o Shri Nahar Singh 1/o Village Mudhal Teh & Distt Amritsar
(Transferor)

(2) Smt Komal Khanna w/o Shri Rajinder Khanna r/o Lawrence Road, Amritsar
(Transferee)

(3) As at Sl No 2 and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 166 6 sq yds situated in Raghunathpura urban Amritsar as mentioned in the sale deed No 17551 dated 30-12-81 of the Registering Authority, Amritsar

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—
40-236G1/82

Date : 5-8-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 5th August 1982

Ref. No ASR/82-83/187—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One plot in Raghunathpura situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in December 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Kahan Chand Narang s/o Sh. Jai Kishan Narang and Smt. Champa Wati w/o Sh. Jai Kishan Narang r/o Bombay through Sh. R. A. Boga mukhtaraam through Sh. Joginder Singh r/o Mudhal mukhtaraam. (Transferor)
- (2) Sh. Vijay Khanna s/o Sh. Shiv Parkash Khanna r/o Lawrence Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No 2 and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 250 sq yds. situated in Raghunathpura urban, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 17572 dated 30-12-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 5-8-82
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 5th August 1982

Ref No. ASR/82-83/188—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot of land in Raghunathpura situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in December 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Kahan Chand Narang s/o Sh. Jai Kishan Narang and Shmt. Champa Wati wd/o Sh. Jai Kishan Narang r/o Bombay through Sh. R. A. Boga mukhtaraam through Sh. Joginder Singh r/o Mudhal mukhtaraam.

(Transferor)

(2) Gagan Khurana minor son of Sh. Rajinder Khanna r/o Lawrence Road, Amritsar through Sh. Rajinder Khanna Guardian r/o Lawrence Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 166.6 sq. yds. situated in Abadi Raghunathpura urban, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 17568 dated 30-12-81 of the Registering Authority, Amritsar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-8-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
3 CHANDR PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 5th August 1982

Ref No ASR 82 83/189 Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Plot in Raghunathpura situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on December 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereby by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Sh Kahan Chand Narang s/o Sh Jai Kishan Narang and Smt Champa Wati wd/o Sh Jai Kishan Narang 1/o Bombay through Sh R A Boga mukhtaraam through Sh Joginder Singh 1/o Vill Mudhal mukhtaraam

(1) transferor

(2) Shri Rajinder Khanna s/o Sh Shiv Parkash Khanna 1/o Lawrence Road Amritsar

(Transferee)

(3) As at Sr No 2 above and tenant(s) if any.
Person in occupation of the property

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 166 6 sq yds situated in Abadi Raghunathpura urban Amritsar as mentioned in the sale deed No 17565 dated 30-12-81 of the registering authority Amritsar

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amritsar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 5-8-82
Seal.

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDI PURI, JAYJOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1982

Ref. No. ASR/82-/83/190.—Whereas, I ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land in New Garden Colony situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SR Amritsar in Dec 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Ved Parkash s/o Sh. Puran Chand
r/o Ajit Nagar self & mukhtaraam
M/s. Ramesh & Co.
Katra Aluwalia, Amritsar.

(Transferor)

(2) Dr. Sukhwinder Singh Waha s/o Sh. Balwant Singh
Aluwalia r/o 75 Golden Avenue Head Water Works
Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 48 (area 253.33 sq. yds.) situated in new garden colony Amritsar as mentioned in the sale deed No. 16655 dated 11-12-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7-8-82
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Teja Singh s/o Surain Singh
r/o Village Chabha, Teh. Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 9th August 1982

Ref. No. ASR/82-83/191.—Whereas, I ANAND SINGH IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Agri. land in village Chabha situated at Teh. Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar in Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for each transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(2) S/Sh. Satnam Singh, Ranjit Singh, Jagjit Singh,
Gian Singh, Bir Singh, Kulwinder Singh s/o
Didar Singh r/o Chabha Teh. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 35 K 3M situated in village Chabha
Teh. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 17240 dated
23-12-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 9-8-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 9th August 1982

Ref. No. ASR/82-83/192.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land in Vill. Dhum Dhai wala situated at Teh. Taran Taran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SR Taran Taran on Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Tej b d/o Utmi d/o Buta Singh
r/o Village Dhum Dhai wala Teh. Taran Taran,
Amritsar.
(Transferor)

(2) Sh. Kabul Singh, Kandhara Singh, Nirmal Singh
ss/o Sh. Pritam Singh
r/o village Dhum Dhai Wala Teh. Taran Taran,
Distt. Amritsar.
(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agri. land measuring 49 K 4 M situated in village Dhum Dhai Wala Teh Taran Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4557 dated 21-12-81 of the registering authority Taran Taran.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-8-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1982

Ref. No. ASR/82-83/193.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land in Daya Nand Nagar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in Dec. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Satinder Kaur w/o Dr. Sukhpal Singh
r/o 169-Bhawani Nagar, Majitha Road, Amritsar.
(Transferor)

(2) Tarlok Chand Jain (HUF) &/o Shri Lal Chand Jain
c/o M/s. Jain Co. Shawls Traders, Shastri Market,
Amritsar.
(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 186 sq. yds. situated in Daya Nand Nagar, Amritsar, Gali No. 2, as mentioned in the sale deed No. 16060 dated 2-12-81 of the Registering Authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-8-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th July 1982

Ref. No. P.R. No. 1722 Acq 23-II/82-82.—Whereas, I, R. R. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 7, S. No. 5, Taskana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kamraj on December, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Bhikhabhai Keshavbhai Patel & others; Raghu-kul Nivas, Varachha Road, Surat.
(Transferor)

(2) Shri Narshbhai Kalyanbhai Patel & others; Mohan-bhai Chawl, Varachha Road, Surat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as so defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or .

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Taskana, Block No. 7, S. No. 5, registered in December, 1981.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 16-7-1982.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt Santilata Sahu, W/o Gopinath Sahu
At Gosain Naugam Dr Ganjam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, VRINDAVAN,
GANANAGAR, UNIT-VI, BHUBANESWAR

Bhubaneswar, the 30th July 1982

Ref No. 1/ACQ/1982-83—Whereas, I, P. K. MISHRA being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 3774 situated at Hillpatna, Berhampur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Berhampur on 7-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely :—

(2) Dr Pratap Chandra Choudhury,
S/o Raghunath Choudhury, Hill Patna Sahi,
Berhampur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building on Plot No. 13, Ward No 19, at Hillpatna Sahi, Berhampur, Dt. Ganjam

P. K. MISHRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date : 30-7-82
Seal